हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

3 सितम्बर, 1984

खण्ड 2, अंक 1

अधिकृत विवरण

विषय सूची

सोमवार, 3 सितम्बर 1984

पृष्ठ संख्या

शोक प्रस्ताव	(2) 1
तारांकित प्रश्न उत्तर	(2) 15
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे ग्हा तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(2) 44
विभिन्न विषयों का उठाया जाना	(2) 58
ब्रीच आफ प्रिविलेज का प्रश्न	(2) 63
विभिन्न विषयों – का उठाया जाना (पुनंरारम्भ)	(2) 64
अध्यक्ष द्वारा घोषणा	
(1) पैनल– आफ चेयरमैन	(2)67
(2) कमेटी आन पैटीशज	(2) 67
सचिव द्वारा घोषणा–	
(1) राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गए बिलों सम्बन्धी	(2) 68
(2) राष्ट्रपति द्वारा बिलों पर अनुमति रोकने सम्बन्धी	(2) 68
ध्यानाकर्षण प्रस्ताव–	
हरियाणा में खरीफ क्रोप के डैमेज होने आदि सम्बन्धी.	(2) 69

वक्तव्य –	
राजस्व मंत्री द्वारा उक्त ध्यानाकर्षण प्रस्ताव सम्बन्धी	(2) 69
बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट'.	(2) 74
वाक आउट	
बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट (पुनरारम्भ)	(2) 85
सदन की नेजे पर रखे गये कागज–पत्र	
वर्ष 1984– 85 की सप्लीमैटरी एस्टीमेटस (पहली किश्त) पेश करना	(2) 86
एस्टीमेट्स कमेटी की वर्ष 1984– 85 की सप्लीमैंटरी एस्टीमैट्सं (पहली किश्त) पर रिपोर्ट पेश करना	(2) 86
ब्रीच आफ प्रिवलेज के मामलों में प्रिवलेज कमेटी की प्रिलिमिनरी रिपोर्टस पेश करना तथा अन्तिम रिपोर्ट पेश करने के लिए समय बढ़ाना	
(1) 24–5–1982 को राज भवन में हरियाणा के राज्यपाल का कथित अपमान करने, गाली देने तथा बल प्रयोग करने के लिए चौधरी देवी लाल, एम०एल० ए० के विरुद्ध	(2) 87

(2) 25–6– 1982 को सदन में राज्यपाल के अभिभाषण के अवसर पर उनके कथित अवसर सम्बन्धी चौधरी देवी लाल, एम०एल०ए० के विरुद्ध	(2) 89
(3) चौधरी हरद्वारी लाल, उप–कुलपति, महर्षि दयानन्द यूनिवर्सिटी, रोहतक के विरुद्ध	(2) 91
बिल्ज (इन्ट्रोड्यूस्ड–सदन की अनुमति से)	
दि हरियाणा प्राईवेट कौलिजिज (टेकिंग ओवर आफ मैनेजमैंट) अमैंडमैंट बिल, 1984	(2) 92
दि पंजाब आयुर्वैदिक एंड यूनानी प्रैक्टीशनर्ज (हरियाणा अमैंडमैंट एंड वैलिडेशन) बिल, 1984	(2) 93
दि महर्षि दयानन्द यूनिवर्सिटी (अमैंडमैंट) बिल, 1984	(2) 93
दि पंजाब सिक्योरिटी आफ लैंड टैन्योर्ज (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 1984	(2) 96
दि पैप्सू टैनेन्सी एंड एग्रीकल्चरल लैंडस (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 1984	(2) 97
दी हरियाणा अर्बन डिवैलपमैंट अथौरिटी (सैकिण्ड अमैंडनैंट) बिल, 1984	(2) 98

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 3 सितम्बर, 1984

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल,

विधान भवन, सैक्टर– 1, चण्डीगढ में 14.00 बजे हुई ।

अध्यक्ष (सरदार तारा सिंह) ने अध्यक्षता की ।

शोक प्रस्ताव

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैम्बर्ज, अब ओबीचुअरी रिफ्रैन्सिज होंगे । लीडर आफ दी हाउस ।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल) : अध्यक्ष महोदय, यह सदन. भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री डा० बी० वी ० केसकर के 28 अगस्त, 1984 को हुए दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है ।

डा० बाल कृष्ण विश्व नाथ केसकर का जन्म वर्ष 1903 में हुआ । उन्होंने पूना हैदराबाद, बना रस तथा पैरिस में उच्च शिक्षा प्राप्त की । उन्होने स्वतंतता संग्राम में सक्रिया भाग लिया तथा जेल यातनायें भी सहीं ।

वह वर्ष 1946 में इंडियन नैशनल कांग्रेस के महासचिव थे तथा 1948 में संविधान–सभा के सदस्य रहे । वर्ष 1952 में वह लोक सभा के लिए चुने गये तथा 1982 तक इसके सदस्य रहे । वह 194 8– 52 के दौरान भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के उप–मत्री तथा

1952–62 में सूचना एवं प्रसारण मती रहे । वह 1965– 67 में रोड ट्रांसपोर्ट टैक्सेशन इक्वायरी कमेटी, भारत सरकार, 1962– 73 में भारतीय सीमेंट निगम तथा नैशनल बुक ट्रस्ट के चेयरमैन रहे ।

उनके निधन से देश एक प्रसिद्ध शिक्षाविद्, अग्रणी स्वतंतता सेनानी तथा एक अनुभवी सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है । यह सदन दिवंगत के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है ।

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व मती चौधरी पोकर राम के 14 जून 1984 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है ।

चौधरी लेखराम के सुपुत्र चौधरी पोकर राम का जन्म अक्तूबर 1912 में जिला हिसार के ग्राम बडोपल में हुआ । वर्ष 1950– 52 के दौरान वह तहसील कांग्रेस समिति के प्रेजीडेंट थे । सामाजिक कार्यकर्ता चौधरी पोकर राम ने 1952 में कांग्रेस अकाल राहत समिति में सक्रिया रूप से भाग लिया तथा उन्होंने सन्त विनोबा जी केसाथ पद–यावा भी की । वर्ष 1972 के आम चुनालों में वह फतेहाबाद निर्वाचन क्षेत्र से हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गये । वह जुलाई 1975 से अप्रैल 1977 तक स्थानीय शासन मंत्री रहे ।

उनके निधन से देश एक सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता तथा एक अनुभवी विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है । यह सदन दिवंगत के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है ।

यह सदन पंजाब के भूतपूर्व विधायक श्री रमेश चन्द्र की 12 मई, 1984 को हुई दु:खद व दुर्भाग्यपूर्ण हत्या पर गहरा शोक प्रकट करता है ।

प्रसिद्ध स्वतंतता सेनानी व प्रमुख पत्रकार लाला जगत नारायण के सुपुत्र श्री रमेश चन्द्र का जन्म 24 दिसम्बर, 1926 को लायलपुर में हुआ । उन्होंने डी०ए ०वी० कालेज लाहौर से शिक्षा प्राप्त की । छोटी आयु में ही वह स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े तथा 1942 में ''भारत छोड़ो' ' आन्दोलन में भाग लिया और उन्हें जेल यातनाएं सहनी पड़ी । वह प्रथम बार 1955 में जालन्धर नगरपालिका के सदस्य चुने गये तथा उस समय सबसे छोटी आयु के नगरपालिका सदस्य थे । वह इस नगरपालिका के चार बार सदस्य रहे । वह 1956 में जालन्धर सुधार न्यास के सदस्य भी चु ने गए । वर्ष 1977 में वह पंजाब विधान सभा के सदस्य बने ।

श्री रमेश चन्द्र ने वर्ष 1952 में पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रवेश किया । उन्होंने वर्ष 1965 में 'पंजाब केसरी' तथा 1972 में 'हिन्द समाचार' के सम्पादक का पद संभाला । वह 'पंजाब केसरी' 'हिन्द समाचार' एवं 'जगवाणी' के प्रबन्ध सम्पादक भी थे । वह भारतीय एवं पूर्वी समाचार–पत सोसायटी की दिल्ली क्षेत्रीय समिति के चेयरमैन तथा प्रैस ट्रस्ट आफ इंडिया के निदेशक थे । श्री रमेश चन्द्र गांधीवादी तथा एक ऐसे लेखक थे जिन्होंने सुदूरवर्ती देशों की यात्रा की थी । भाषा पत्रकारिता के क्षेत्र में उनका उल्लेखनीय योगदान था । वह पंजाब में चल रही उग्रवादी लहर के शिकार हो गए ।

उनके निधन से देश एक निर्भीक पत्रकार, प्रमुख सामाजिक कार्यकर्त्ता तथा अनुभवी विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है । यह सदन दिवंगत के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है ।

यह सदन पंजाब के भूतपूर्व विधायक कामरेड राम प्यारा के 20 जून, 1984 को हुए दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है ।

कामरेड राम प्यारा का जन्म 6 अक्तूबर, 1919 को पश्चिमी पाकिस्तान में हुआ । उन्होंने 1942 में ''भारत छोडो' ' आन्दोलन में सक्रिय भाग लिया तथा 18 महीने तक जेल यातनाएं सही । वह जिला कांग्रेस समिति झंग के महा सचिव थे । वह 1951–52 के आम चुनावों के दौरान जिला कांग्रेस चुनाव बोर्ड, करनाल के इंचार्ज रहे । कामरेड राम प्यारा 8 वर्ष तक जिला बोर्ड करनाल के सदस्य रहे । वह राज्य पुनर्वास सलाहकार समिति तथा स्टेट लैड एप्रूवल कमेटी के भी सदस्य थे । वह वर्ष 1957 तथा 1962 में करनाल निर्वाचन क्षेत्र से पंजाब विधान सभा के सदस्य चुने गये । वर्ष 1980– 82 के दौरान वह राजकीय आश्वासन समिति तथा लोक लेखा समिति के भी सदस्य रहे ।

उनके निधन से देश एक स्वतन्त्रता सैनानी तथा एक अनुभवी विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है । यह सदन दिवंगत के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है ।

यह सदन संयुक्त पंजाब के भूतपूर्व विधायक सरदार सरूप सिंह के 22 जून, 1984 को हुए दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है ।

सरदार सरूप सिंह का जन्म 18 सितम्बर, 1917 को अमृतसर में हुआ । वह उच्च शिक्षा प्राप्त व्यक्ति थे । वर्ष 1942 में वह राजनीति में कूद पड़े । वह शिरोमणि अकाली दल के वाइस–प्रेजीडेंट थे । वह 1952 में अमृतसर निवचिन क्षेत्र से पंजाब विधान सभा के लिए चुने गए तथा 1962 तक इसके सदस्य रहे ।

उनके। निधन से देश एक शिक्षाविद् तथा अनुभवी विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है । यह सदन दिवंगत के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है ।

यह सदन ज्ञानों प्रताप सिंह, भूतपूर्व मुख्य ग्रन्थी, श्री अकाल तरू की 10 मई, 1984 को हुई निर्मम हत्या पर गहरा शोक प्रकट करता है ।

85–वर्षीय ज्ञानी प्रताप सिंह, जुलाई, 1952 से मार्च, 1955 तक श्री अकाल तख्त के मुख्य ग्रन्थी रहे । वे बहुत जाने–माने और प्रमुख तथा निर्भीक धार्मिक नेता थे । वे उच्च कोटि के राष्ट्रवादी थे जिन्होंने अपना सारा जीवन समाज और धर्म की सेवा में बिता दिया । ज्ञानी प्रताप सिंह ने अपने जीवन में 14 पुस्तके लिखीं और पंजाबी मासिक पत्रिका ''ज्ञान अमृत'' के सम्पादक भी थे । उन्होंने अकाली मोर्चे तथा स्वर्ण मन्दिर में उग्रवादियों को शरण देने की डटकर

आलोचना की । बहुत दुर्भाग्य की बात हे कि पंजाब में आतंकवादियों ने ऐसी महान् धार्मिक आत्मा की निर्मम हत्या करके कौमी एकता की एक प्रमुख ज्योति बुझा दी ।

देश एक प्रमुख धार्मिक नेता, राष्ट्रवादी तथा समाज–सेवी की सेवाओं से वंचित हो गया है । यह सदन दिवंगत के शोकाकुल परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है ।

यह सदन चौधरी वेदपाल, उपाध्यक्ष, हरियाणा विधान सभा के पूज्य पिता, चौधरी बिशन सिंह के 9 जुलाई, 1984 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है ।

चौधरी बिशन सिंह का जन्म वर्ष 1900 में हुआ था वह एक जाने–माने आर्य समाजी थे, तथा उन्होंने समाज एवं धार्मिक सुधार में विशेष योगदान दिया । चौधरी बिशन सिंह एक प्रगतिशील कृषक थे जिन्होंने कुरुक्षेत्र जिले में अपने गांव कंदरोली में कृषि विकास में गहरी रुचि ली । साधारण जीवन तथा उच्च विचारों में विश्वास रखने वाले चौधरी बिशन सिंह अपने इलाके के बहुत सज्जन पुरुष थे ।

उनके निधन से हरियाणा ने एक उच्च नैतिक मूल्यों वाली पुरानी शिष्ट सभ्यता की एक जीती जागती मिसाल खो दी है । यह सदन चौधरी वेदपाल तथा उनके परिवार के सदस्यों के दुःख में शरीक होता है तथा शोकाकुल परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है ।

यह सदन सुरक्षा सेना के उन 92 बहादुर अधिकारियों, जे मी ०ओज ० तथा जवानों के दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है जिन्होंने जून 1984 में राष्ट्रीय एकता के लिये और अमृतसर के स्वर्ण मन्दिर की पवित्रता को बनाए रखने के लिए अपने अमूल्य जीवन बलिदान किए ।

यह सदन उन दिवंगत वीरों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है ।

यह सदन श्री के ०बी० चौधरी, सांसद तथा श्रीमती राम प्यारी, धर्मपत्नी श्री कन्हैया लाल पोसवाल, हरियाणा के भूतपूर्व मन्त्री और अब अध्यक्ष, हरियाणा पर्यटन निगम, के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करता है तथा उनके शोक–संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता है ।

श्रीमती चन्द्रावती (बाढडा): स्पीकर साहब, मुख्य मन्त्री जी ने जो शोक प्रस्ताव सदन में रखा है, मैं इसका अपनी तरफ से और विरोधी दल की तरफ से समर्थन करती हूं और जो स्वर्गवासी हैं, उन के परिवारों के प्रति अपनी सहानुभूति प्रकट करती हूं । श्री बी०वी० केसकर केन्द्र में एक कामयाब मन्त्री रहे, उनकी ईमानदारी का उनका अपना ही रिकार्ड था । इनके निधन पर हमें बड़ा दुख है । इसी प्रकार चौधरी पोकर राम हरियाणा के भूतपूर्व मन्त्री थे । भू–दान में वे सब से पहले आदमी थे जिन्होंने श्री विनोबा भावे को भूमि दान की । ये एक अच्छे विधायक और मन्त्री थे । मैं विरोधी दल के सभी सदस्यों की

तरफ से उनके परिवार के सदस्यों को सहानुभूति भेजती हूं क्योंकि उनके परिवारजनों को इनकी मृत्यु से बहुत गहरा दुख पहुंचा है । परमात्मा उनको इस सदमें को बरदाश्त करने की हिम्मत दे । श्री रमेश चन्द्र पंजाब के भूतपूर्व एम ०एल०ए० थे । इनका निधन बड़े दुखद वातावरण में हुआ । जिस वक्त पंजाब में बड़ी अशान्ति फैली हुई थी, उस वक्त उनकी हत्या कर दी गई और यह हत्या केन्द्रीय सरकार की गलत पौलिसी की वजह से ही हुई थी । हम सब उनके परिवार वालों को सहानुभूति भेजते हैं । स्पीकर साहब, श्री राम प्यारा बड़े ही कर्मठ व्यक्ति थे । He was a true freedom fighter and fought for the downtroddens throughout his life. डाउन–ट्रौडन्ज के विरुद्व होने वाले अन्याय के खिलाफ इन्होंने हमेशा ही आवाज उठाई । मैं इनके परिवार वालों को सहानुभूति भेजती हूं । इसी प्रकार सरदार स्वरूप सिंह, भूतपूर्व ज्वायंट पंजाब एम०एल०ए० का निधन हो गया । मैं इनके परिवारजनों को सहानुभूति भेजती हूं । स्पीकर साहब, आरमी के जे मी ०ओ० और बहुत से जवान गोल्डन टैम्पल, अमृतसर में देश की एकता और अखण्डता की रक्षा करते हुए स्वर्गवास हुए हैं । इन्होंने अपने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी । इनकी आहुति की जरूरत उस वक्त पड़ती है जब कभी देश पर कोई संकट आता है और उस वक्त ये नौजबान दुश्मन के खिलाफ लड़ कर देश की रक्षा करते हैए । ये सरहद के रखवाले होते हैं । इन नौजवानों को गोल्डन टैम्पल में इस्तेमाल किया गया, वह सरकार की बहुत बड़ी भूल का परिणाम है और इन भूलों को मिल्ट्री ने ही दुरुस्त करने की कोशिश की है । लेकिन इन भूलों से जो गहरे निशान पड़ गये हैं, वे बड़ी मुश्किल से

हटेंगे । इससे सारा पंजाब तो दुःखी हुआ लेकिन हरियाणा भी वंचित नहीं रह पाया । ज्ञानी प्रताप सिंह जी की इसी वातावरण में हत्या हुई । मैं उनके दुःखी परिवार को सहानुभूति भेजती हूं ।

अध्यक्ष महोदय, चौधरी वेद पाल जी के पूज्य पिता जी के निधन का भी मुझे वहुत दुःख हुआ । वे आर्य–जगत के कर्मठ और प्रैक्टिकल लोगों में से थे । उन्होंने समाज की कुरीतियों को दूर करने के लिए प्रशंसनीय कार्य किया । ऐसे महान व्यक्ति के निधन पर मैं चौधरी वेद पाल जी को सहानुभूति प्रकट करती हूं ।

श्री के०एल० पोसवाल की धर्म पत्नी के निधन का भी हमें बहुत दुःख है । इसी तरह से श्री के ०बी ० चौधरी, मैम्बर पार्लियामेंट की मृत्यु का भी ह.में अफसोस है । इन सब दिवंगत आत्माओं के परिवारों से हमारी सहानुभूति हे । मेरी ईश्वर से प्रार्थनों है कि वे दिवंगत आत्माओं को शांति दे तथा उनके परिवार के सदस्यों को इस घाटे को सहने की ताकत दे ।

श्री वीरेन्द्र सिंह (नारनौंद) : स्पीकर साहब, सदन के नेता ने जो शोक प्रस्ताव रखा है, मैं उसका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं । पिछले 4– 5 महीनों में इस देश से बहुत सी विभूतियां हमारे बीच से चली गई हैं । डा० केसकर उन लोगों में थे जिन्होंने आजादी की लड़ाई में बद चढ़कर हिस्सा लिया था, जिनके सामने उस समय केवल एक ही लग्न थी कि यह देश किसी न किसी प्रकार आजाद हो, यहां के लोगों को आजाद हवा में जीने का मौका मिले, अपनी सरकार बने और

अच्छी तरह से राज चले । लेकिन जो वातावरण अश्व देश में हैं, यह मौका नहीं है कि उस बारे में इस समय मैं कुछ कहूं परन्तु जो लोग आजादी की लडाई में लड़े और हमारे बीच से एक एक होकर हट रहे हैं, उनकी आत्माओं को इससे सुख मिलता है या दुःख मिलता है, इस विषय में मैं कुछ नहीं कहना चाहता । (विघ्न)

स्पीकर साहब, मेरे ही जिले के रहने वाले चौधरी पोकर राम जी भी हमारे बीच से चले गए हैं । उनकी लगभग 80–61 साल की उमर थी । उनकी बहुत सेंटली परसनैलेटी थी । ये बहुत सादगी का जीवन व्यतीत करते थे । उनकी मौत से हरियाणा ने एक ऐसा आदमी जो दिया जो एक बहुत बड़ा समाजसेवी था । हिसार जिले के समाजसेवियों को विशेष तौर पर उनकी मौत से बहुत दुःख हुआ है ।

श्री रमेश और ज्ञानी प्रताप सिह, इन दो विभूतियों की हत्या जिस वातावरण में हुई, उसका अगर इस समय मैं जिक्र करूं तो अच्छा नही लगेगा परन्तु मैं यह कहे बिना नहीं रहूंगा कि इस समय देश में वातावरण बहुत बिगड़ चुका है । सरकार की गलत नीतियों से हमारा देश एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गया है कि परमात्मा खैर करे । कहीं यह देश छिन्न–भिन्न न हो जाए इस बात का मुझे डर है । आज ऐसी हालत इस देश में पैदा हो गई है कि ईश्वर ही जाने, यह कब ठीक होगी । श्री रमेश चन्द्र जी निर्भीक पत्रकार थे । वे अपनी कलम के धनी थे । उनकी अखबार मेरे ख्याल में वर्नेकुलर पेपर्ज में सबसे ज्यादा बिकती थी । वे बहुत अच्छे लेख लिखते थे । कई बार हमें उनके लेखों से इतफाक नही होता था लेकिन यह कहते हुए मुझे कोई झिझक

नहीं होती कि वे एक निडर पत्रकार थे और अपनी सूझ बूझ के हिसाब से अपने लेख लिखते थे ।

ज्ञानी प्रताप सिंह जी धार्मिक गुरु टाईप के आदमी थे । वे एक ऐसे बुजुर्ग थे जिनसे इन्सान को ज्ञान ही ज्ञान मिलता था ' । उनकी निर्मम हत्या का मुझे बहुत अफसोस है ।

स्पीकर साहब, पंजाब में सरकार के हुक्म से व्लू स्टार आपरेशन में भाग लेते हुए हरियाणा प्रान्त के जिन 92 नौजवानों ने अपनी जानें गवाई हैं वह भी बहुत दुरूखद् बात है । लेफ्टिनैटं प्रकाश नाम का एक नौजवान केवल 22–23 साल की उमर का था । वह मेरी कांस्टिचुऐंसी के गांव पाली का रहने बाला था । रिश्ते में वह मेरा भतीजा भी लगता था । वह छुट्टी पर आया हुआ था । काल आई कि फिरोजपुर पहुंचो । गाडियां सस्पैन्ड हो चुकी थीं, बसें सस्पैंड हो चुकी थीं, जाने का कोई साधन नहीं था । स्टेशन मास्टर हिसार को ऐप्रोच किया गया । उसने फौज के किसी अफसर को टैलिग्राम दी कि यह लड़का नहीं आ सकता क्योंकि आने का कोई साधन नहीं है परन्तु इस लड़के को अपनी ड्यूटी के प्रति लग्न इतनी थी कि इसने मेरे से कहलवा कर किसी से मोटर साईकिल ली तथा उसे चलाकर अपनी ड्यूटी पर पहुंचा । उसकी बाद में हत्या हो गई । वह वीर गति को प्राप्त हुआ । स्पीकर साहब, उसके बारे में मैंने मुख्य मती जी को पत्र लिखा था । इनका जवाब भी मुझे मिला था कि मामला जैरे गौर है । मैंने इन्हें लिखा था कि जो 92 लोग वीर गति को प्राप्त हुए हैं उनका मैमोरियल इरैक्ट किया जाए । स्पीकर साहब, लैफ्टिनैटं प्रकाश

अन–मैरिड था । उसका एक भाई एम०ए ० और दूसरा भाई ग्रैजुएट है । उसके पिता जी जे ०बी ०टी० टीचर हैं । जिस किसी स्कूल में वे गए हैं उसी स्कूल के चौथी जमात के शत–प्रतिशत बच्चों ने वजीफा लिया है । मैंने इन्हैं सुझाव दिया था कि इस बेहतरीन टीचर की इमदाद की जाए, लैफ्टिनैट प्रकाश के नाम से हांसी में या उसके गांव में एक पार्क बनाया जाए, डिफैन्स कालोनी में उसके परिवार वालों को प्लाट दिया जाए तथा उसके भाई को सर्विस दी जाए ताकि आने वाली पीढ़ी इस बात से प्रेरणा हासिल कर सके । लेकिन अफसोस कि अढाई महीने के बाद मुझे यह जवाब मिला कि इस मामले पर गोर हो रहा है । गौर कब पूरा होगा यह मुख्य मंत्री जी जाने । मैंने तो एक सुझाव देना था वह दे दिया । उसे ये माने या न माने मुझे इसमें कोई आपति नहीं है ।

स्पीकर साहब, डिप्टी स्पीकर साहब के पिता जी की मौत का भी हमें बहुत अफसोस है । इस बात का हमें तो आज ही पता लगा । मैं चौधरी वेद पाल जी से अपनी सहानुभूति प्रकट करता हूं । पिता का साया अब उनके सिर से उठ गया है । जब तक पिता जिन्दा रहता है, आदमी की उमर चाहे कुछ भी हो वह अपने आप को बच्चा महसूस करता है लेकिन जब जिम्मेवारी आती है तो वह दुखदाई हुआ करती है । चौधरी वेद पाल जी बहुत सज्जन और शांतिप्रिय आदमी हैं । इनमें वैसे तो परेशानियों का मुकाबला करने की हिम्मत है लेकिन भगवान इन्हें इस आघात को सहने की भी शक्ति दे यह मेरी उनसे प्रार्थना है ।

श्री पोसवाल जी पिछली बार मेरे साथ सदन के मैम्बर रहे हैं । उनकी धर्म पत्नी का स्वर्गवास हो गया है, इसका हमें बहुत दु:ख है

। बुढ़ापे' में यदि पत्नी चली जाए तो लोग कहते हैं कि एक बहुत अच्छी कम्पनी चली जाती है । इन शब्दों के साथ, अध्यक्ष महोदय, मैं अश्वनी तथा अपने दल की ओर से दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि प्रकट करता हूं ।

श्री मंगल सैन (रोहतक) : अध्यक्ष महोदय, सदन में मुख्य मैली महोदय ने जो प्रस्ताव रखा है तथा इधर बैठने वाले दो माननीय सदस्यों ने जिसका समर्थन किया है मैं भीं उसका अनुमोदन करने के लिए खड़ा हुआ हूं । स्पीकर साहब, पिछली विधान सभा की बैठक के बाद आज तक जो विभूतियां, जो पर्सनैलेटीज संसार से चली गई, उन्हें आज हम पास्ट प्रैक्टिस के अनुसार श्रद्धांजलि दे रहे हैं । श्री केसकर जी की बात सदन में आई है । उन्होंने स्वाधीनता संग्राम में बढ़ चढ़ कर भाग लिया था । वे हाईली ऐजुकेटिड थे । वे केन्द्रीय सरकार में सूचना तथा प्रसारण मती तथा विदेश मंत्रालय के उप– मैली भी रहे । इसी प्रकार से भारतीय सीमेंट निगम तथा नैशनल बुक ट्रस्ट के चेयर– मैन रहे । उन्होंने ये ओहदे बड़ी कामयाबी से निभाये । स्पीकर साहब, उनके चले जाने से बड़ा दु:ख है । एक बहुत गुणवान व्यक्ति संसार से चला गया ।

स्पीकर साहब, चौधरी पोकर राम गोदारा हिसार जिले के रहने वाले थे । आदरणीय मनी राम गोदारा के बड़े भाई थे । वे मेरे साथ पांच साल तक विधायक रहे हैं और कई कमेटियों में जिसका मैं चेयरमैन रहा हूं, उसके वे सदस्य रहे हैं इसलिए उनसे और भी अधिक सम्बन्ध रहा । स्पीकर साहब वे गांधीवादी होने के साथ साथ सच्चे

व्यक्ति थे । उनकी योग्यता को देखते हुए अमरजैन्सी के समय चौधरी भजन लाल जी को फारिग करके पोकर राम गोदारा को मंत्री बनाया गया था । आज वे संसार से चले गये । उन के चले जाने पर हमें बड़ा भारी दुःख है ।

कामरेड राम प्यारा जी जिला करनाल के ग्हने वाले थे । वे हमारे बहुत पुराने साथी थे और स्पीकर साहब उनका होनहार पुत्र तो आपके यहां करनाल में ही वकालत की प्रैक्टिस करता है जिसको आप भलीभांति जानते होंगे । वैसे तो वह आप से काफी जुनियर होगा । आपको मालूम होगा कि स्वयं कांग्रेसी होते हुए भी उन्होंने कांग्रेस के मुख्य मंत्री के खिलाफ और उसके बेटे के खिलाफ भ्रष्टाचार के विषय में आवाज उठाई । बड़ी निर्भयता और कर्त्तव्य परायणता को निभाते हुए मुख्य मंत्री के खिलाफ अभियान चलाया । आप यह भी जानते हैं कि उस समय उन्हें किस तरह से पीटा गया और उनके सहयोगियों को बुरी तरह से परेशान किया गया । उस समय वे कांग्रेस में थे और हम विपक्ष में थे लेकिन विपक्ष में होते हुए भी हमने उनको सहयोग दिया । श्री फतेह चन्द, एम०एल०ए० जो उसी जिले के रहने वाले हैं, इस बात के गवाह हैं कि उन्होंने किस प्रकार से कष्ट सहे क्योंकि मैं तो रोहतक से ही चुनाव लड़ता रहा हू परन्तु फतेह चन्द जी उन्हें काफी नजदीक से जानते हैं । स्पीकर साहब वे जिन्दगी के आखिरी सांस तक सतारूढ दल के भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज बुलन्द करते रहे । हाई कोर्ट के विषय में यहां जिक्र नहीं करना चाहता परन्तु वहां पर इन्होंने निडर होकर टक्कर ली । वे बड़े ही योग्य थे । उनकी योग्यता को जितनी

दाद दी जाये उतनी ही कम है । मैं उनके परिवार से भी भलीभांति परिचित हूं । उनके कई रिश्तेदार हमारे यहां रोहतक में रहते है इस लिए मैं उन्हें ओर भी नजदीक से जानता था । उनके चले जाने से हमें वडा भारी दु:ख है ।

सरदार सरूप सिंह जी भी पहले पंजाब में विधायक रहे है । अखबारों में उनके लेख आया करते थे । वे बड़े भारी एजुकेटिड व्यक्ति थे । उनके चले जाने से भी हमें बड़ा भारी दु:ख है । चौधरी ओम प्रकाश बग्गा जो पंजाब में एम ०एल०ए० थे, उनका भी मर्डर कर दिया गया था । अगर चीफ मिनिस्टर साहब उचित समझे तो उनका नाम भी इस लिस्ट में शामिल कर लें ।

चौधरी भजन लाल : अगर उनका नाम भी जोड दिया जाये तो हमें कोई एतराज नहीं ।

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहब रमेश चन्द्र जो पंजाब केसरी तथा हिन्द समाचार पत्रों के सम्पादक थे और मालिक भी थे, वह भी हमारे बीच से चले गये । उनके चले जाने से बड़ा भारी दुरूख है । रमेश चन्द्र जी की हत्या बड़े निर्मम ढंग से की गई । एक दिन पहले उन्होंने एक आर्टीकल लिखा था ''तह पर दर्द न आया'' । मैंने उस आर्टीकल को पढ़ा नही था लेकिन वह ज्ञानी प्रताप सिंह के मर्डर के बारे में था । स्पीकर साहब गुनाहगार, मुजरिम महान आत्मा पर भी हाथ उठाने से बाज नही आये । उग्रवादियों ने पहले बाप को गारा अरि फिर बेटे को मारा लेकिन पकड़े नहीं गये । सरकार की नालायकी और ।।

कायलियत की वजह से छिप कर भाग गये । जनरैल सिंह को बन्दी बनाया गया लेकिन उसे जेल कोठरी में बन्द न करके रैस्ट हाउस में रखा गया । इस बात को सारे हिन्दुस्तान की जनता जानती है । स्पीकर साहब पंजाब में उग्रवादियों ने आग लगा दी । उस आग से पिता जला और फिर बेटा जला । स्पीकर साहब कितनी बदकिस्मती की बात है कि उस आदमी को शमशान भी नसीब नहीं हुआ । क्या इसे ही लोकतन्त्र कहते है? लोकतत्र और अच्छा राज कहलाने वाले जमाने में शमशान भी नसीब नही होता है । इसी बात से आप अन्दाजा लगा लें कि इस सरकार के समय में कितनी लालैसनैस है और कानून को मैनटेन न करने में सरकार कितनी फेलोर रही है । यह मुह बोलती तस्वीर है । मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि यह आतंकवाद किसने पनपने दिया? मैं कहता हूं कि आतंकवाद केन्द्रीय सरकार ने और पंजाब सरकार ने पनपने दिया है । केन्द्रीय सरकार ही इसकी जिम्मेदार है ।

चौधरी भजन लाल : स्पीकर साहब अगर ये कहेंगे कि केन्द्रीय सरकार ने ला–लैसनैस को पनपने दिया है तो मैं यह कहूंगा कि अपोजीशन का ज्यादा रोल रहा है इसमें कोई गलत बात नहीं है । ये इस बात को उस समय उठायें जब हम भी जवाब दे सकें । (विघ्न)

Shri Mangal Sein : Then to whom should I say ? This I am saying because that State was being governed by the President.

श्री अध्यक्ष मेरे ख्याल में ला एन्ड आर्डर की सिचुएशन को डिस्कस करने के बारे प्रे काफी मौके आने हैं । उस समय आपको टाईम दे देंगे । इस लिए आप इस समय शोक प्रस्ताव पर ही बोलें ।

Shri Mangal Sein : I am not discussing the law and order problem of Punjab. I am also not competent to do so. (Interruptions). मेरा केवल इतना ही अधिकार है कि इस सदन में जो प्रस्ताव रखा गया है उस पर ही बोलू और उसी का समर्थन करूं । Speaker Sahib, if I am irrelevant, you are within your right to stop me.

श्री अध्यक्ष : मंगल सैन जी, जो आपके जजबात हैं, वे औरों के भी जजबात हैं ।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब मैं तो उन हालात को टच कर रहा हूं । (विघ्न)

I do not want to go in to their details, Sir (Interruptions)

श्री अध्यक्ष : यह क्रिटिसिज्म करना कि पंजाब गवर्नमैंट ने या सैन्ट्रल गवर्नमैंट ने यह सिचुएशन क्रियेट की है, यह इस समय कहना अच्छा नहीं है ।

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहब इस राज में उसे शमशान भी नसीब नही हुआ । If I am not allowed to speak this thing then there is o use of my being a member of this House (Interruptions).

स्पीकर साहब मै इस शोक प्रस्ताव के समय आलोचना या किसी किस्म की कन्ट्रोवर्सी में नही पडना चाहता और न ही इसे डायवर्ट करना चाहता हूं । स्पीकर साहब इन्हें तो हमारे सैंटीमेंटस को एप्रीशिएट करना चाहिए । अभी और भी मौके आयेंगे जब इनकी दुखती रग पर हाथ लगाने का समय मिलेगा । स्पीकर साहब बहुत ही योग्य

व्यक्तियों की हत्या की गई है । मैं कह रहा था कि पहले रमेश चन्द्र जी हत्या की गई और फिर उनके बेटे की भी हत्या करने की कोशिश की गई लेकिन भगवान ने उन्हें बचा लिया ।

स्पीकर साहब इन्होंने आगे फरमाया है कि देश की एकता और अखण्डता के लिए जो अफसर और जवान बलिदान हुए उन्हें भी श्रद्धांजलि अर्पित की जाए । अगर ये पहले कदम उठा लेते तो यह नौबत ही नही आती । इतने जवानों को बलिदान नही होना पड़ता । समय पर सिचुएशन को नही सभाला गया । भाई वीरेन्द्र सिंह जी ने बड़े दुख के साथ कहा कि उनके साथी का नौजवान लड़का अपनी कर्त्तव्य– परायणता को निभाता हुआ इस संसार से चला गया । इस नौजवान ने संसार में अभी बहुत कुछ देखना था । एक होनहार नौजवान के चले जाने से उस घर का चिराग बुझ गया 92 नौजवान मारे गए, सात सौ पंजाब के मारे गए, हजारों बच्चे अनाथ हुए और सात सौ माताओं के बुढापे के सहारे इस दुनियां से चले गए और कितनी ही बहिनों का सुहाग लुट गया । इस समय यह कहना ठीक नहीं है कि किस का कसूर था । कुछ गुनाहगार लोगों ने ही सब कुछ किया ।

स्पीकर साहब इसी सिलसिले में ब्रिगेडियर पुरी भी बिहार में मोर गए । वे भी अपने फर्ज को निभाते हुए मरे है । स्पीकर साहब बातें तो आज के दिन ऐसी हुई हैं जिनके विषय में कहना बड़ा ही जरूरी है । हमारा आज के दिन मन बहुत दु:ख पा रहा है लेकिन अब समय ऐसा है कि मजबूरी की हालत में हम कुछ कह नहीं सकते । अगर इन हालात को इसी प्रकार से होने दिया गया और विद पोलिटिकल

मोटिव एक्शन लिया गया तो जिस प्रकार से पहले पंजाब जलता रहा है इसी प्रकार से फिर जलता रहेगा ।

स्पीकर साहब उन जालिमों ने ज्ञानी प्रताप सिंह को भी माफ नहीं किया और भी इस तरह से कई मार दिए । दिल्ली गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी के प्रधान को भी मार दिया ।

मुख्य मन्त्री जी ने ठीक ही कहा है कि उन्होंने चार पुस्तकें लिखी है । प्रति लड़ी नाम का अखबार तो आप सब को पता होगा वह लाहौर से पहले छपता था । लाहौर में आप भी काफी देर तक रहे हैं । ग्रैजुएशन और ला ग्रैजुएशन आपने वहाँ से की होगी । प्रीत लड़ी नाम का अखबार बहुत पापुलर अखबार था । उसके नौजवान सम्पादक की भी हत्या कर दी गई । मैं मुख्य मन्त्री महोदय से यह कहूंगा कि इन शहीदों में उनका नाम भी शामिल कर लें । शायद इनके अलावा और भी कई नाम ओमिट हो गए हैं । पब्लिक रिलेशन डिपार्टमैंट या सम्बन्धित विभाग ने उनको बताया नहीं होगा । इस रोजन का एक डेली अखबार ट्रिब्यून है, उसके पहले एक सम्पादक होते थे श्री माधवन नैय्यर जो बहुत ही सफल पत्रकार थे । वे पत्रकार भी बड़ी हिम्मत वाले पत्रकारों में से थे । स्पीकर साहब वे पैदल चल नही सकते थे । क्रिप्लड थे और व्हिल चेयर पर चला करते थे । उनको अपने इरादों से कोई भी हटा नहीं सकता था । ऐसे महानुभाव इस संसार से चले गए । स्पीकर साहब, एक बात इसमें यह कही गई है कि हमारे डिप्टी स्पीकर' श्री वेद पाल जी के पूज्य पिता जी और श्री के० एल ० पोसवाल की धर्म पत्नी भी चली गयी । मुझे पूरी सहानुभूति है । मैं भी

परम पिता परमात्मा से यह प्रार्थना करता हूं कि वह उनको सदगति दे । आखिर में मैं एक बात कहना चाहता हूं, ब्लू स्टार आप्रेशन के समय तो एकता के लिए इन्होंने सारा काम किया चाहे वह सिचुएशन बनने दी गई या किसी मोटिव से ऐसा होने दिया गया .....
.....

श्री अध्यक्ष : यह रिकार्ड न किया जाए ।

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहब, देश की अखंडता भी जरूरी है और लोकतंत्र भी जरूरी है वरना तो देश में तानाशाही आ जाएगी । अतरू मेरा अनुरोध यह है कि मैंने जिन महान व्यक्तियों के नाम इस प्रस्ताव में शामिल करने के लिए कहे हैं, जैसे श्री माधवन नैय्यर, श्री ओम प्रकाश बग्गा, श्री सुमीत सिंह शम्मी एडीटर, प्रीत– खड़ी और ब्रिगेडियर पुरी के नाम भी इस प्रस्ताव थें शामिल कर लिए जाए ।

चौधरी भजन लाल : इनके नाम जोड़ने के लिए हमें कोई एतराज नहीं है ।

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहब, इन शब्दों के साथ मैं अपनी सहानुभूति दिवंगत आत्माओं के परिवारों से प्रकट करता हूं और इस प्रस्ताव में शामिल होता हूं ।

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैम्बर्ज, बजट सैशन के बाद हमसे बहुत सी परसनैलिटीज अलग हो गई हैं, जिनके बारे में अभी–अभी जिक्र किया गया है । आप मेरे से एग्री करेंगे कि जिन परसनैलिटीज का मैंशन इन औबिचुअरी रैफरैसिंज में किया गया है, वह इन फैक्ट ग्रेट

थीं in whose death the country has suffered a lot. मैं इस लिस्ट में से कुछेक के बारे में अपने व्यूक होमेज–पे करने के लिए कहना जरूरी समझता हूं ।

डा ० बी ० वी० केसकर, हमारे फार्मर यूनियन मिनिस्टर थे who took active part in the freedom struggle and underwent imprisonment too. He served the Indian National Congress in his capacity as General Secretary and the Constituent Assembly being its Member. He was first elected to the Parliament in 1952 and held various offices. उनकी डैथ से कंट्री ने एक एमीनैट एजुकेशनिस्ट एण्ड बैटर्न फ्रीडम फाईटर खो दिया है ।

चौधरी पोकर राम हमारी स्टेट के फार्मर मिनिस्टर थे । As a social worker, he took active part in the Congress Famine Relief Committee in 1952 and also undertcok Padyatra with Sant Vinobaji. वह हरियाणा असैम्बली के लिए 1972 में इलैक्ट हुये थे और अबाउट टू ईयर्ज तक मिनिस्टर भी रहे । I must say, he was a very good player of Football which he used to play while he was a Minister too. उनकी डैथ से हमने एक एक्टिव सोशल वर्कर खो दिया है ।

श्री रमेश चन्द्र हमारी सिस्टर स्टेट पंजाब के फार्मर मैम्बर थे । वह वैट्रन फीडम फाईटर लाला जगत नारायण के पुत्र थे । उन्होंने 1942 में क्विट इंडिया मूवमैंट में पार्ट लिया and he was jailed. He was a Gandhian and a very widely travelled journalist. His contribution to language journalism in the region was very substantial. Unfortunately, he fell victim to the wave of terrorism in Punjab.

उनकी डैथ से कंट्री ने एक फीयरलैस जर्नलिस्ट एण्ड ए सीजन्ड लैजिस्लेटर खो दिया है ।

कामरेड राम प्यारा, जिनके साथ मेरे निजी ताल्लुकात थे, उनके मुताल्लिक जो भी कहा जाये, वह कम है । में एक बात महसूस करता हूं कि वह एक ऐसे इन्सान थे जो बेखौफ थे । एक बार की बात मैं आपको बताऊं । वह मेरे साथ किसी काम से ग्वालियर चले गये । मध्य प्रदेश के आदमी उभेंको देखने के लिए आया करते थे कि क्या यह वही इन्सान है जौ सरदार पर्ताप सिंह के साथ लडाई लड़ता है । उनको मरते वक्त भी यही फिक्र था कि गरीब आदमी को इमदाद मिलनी चाहिए । He also took active part in Quit India Movement. वह 1957 औरें 1962 में करनाल कांस्टीच्यूएंसी से दो बार पंजाब विधान सभा के लिये इलैक्ट हुए थे । He held various offices in various organisations.

सरदार सरूप सिंह, ज्वायंट पंजाब के फार्मर एम ० एल ०ए ० थे । वह तकरीबन 10 साल तक पंजाब विधान सभा के मैम्बर रहे । He was an educationist.

Giani Partap, Singh, former Head Priest (Jathedar) Shri Akal Takht remained Head Priest for 3 years. He was a staunch nationalist who devoted his entire life to the promotion of religion and social service. He wrote a number of books. In his death, the country has lost a religious leader.

Ch. Bishan Singh was father of our Deputy Speaker, Ch. Ved Pal. He was a staunch Arya Samajist and a progressive agriculturist.

आनरेबल मैम्बर्ज, जैसा कि आप जानते हैं कि हमारी सिस्टर स्टेट पंजाब में एक टैरौरिस्ट मूवमैंट चली जिसमें हमारी कंट्री के ब्रेव आफिसर्ज, जे ० सी ०ओज ० एण्ड ज.वान्क आफ सिक्योरिटी फोसिज ने नैशनल इंटैग्रिटी को प्रिजर्ब रखने और गोल्डन टैम्पल अमृतसर की सैंक्टिटी को रैस्टोर करने के लिए जून, 1984 में अपनी प्रैशीयस लाइव्ज को सैक्रीफाईस कर दिया ।

Besides these, I also pay homage to the departed souls of Shri K.B. Chaudhri, M.P. and Smt. Ram Piari wife of Shri K.L. Poswal, our former Minister and at present Chairman of Tourism Corporation, Ch. Om Parkash Bagga, ex-M .L. A. , Punjab and Mr. Madhvan Nayar, Journalist.

मैं इस हाउस की डीप सिम्पथीज को ब्रीव्ड फैमिलीज तक पहुंचा दूंगा और आप सबसे रिक्वैस्ट करूंगा कि इन डिपार्टिड लीडर्ज को होमेज–पें करने के लिए खड़े होकर दो मिनट की साईलैंस ओब्जर्व करें ।

(इस समय सदन ने दिवंगत नेताओं के सम्मान में खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण किया)

सिचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला) : आन ए प्वायंट आफ आर्डर । स्पीकर साहब, वैसे तो मुख्य मती जी के कहने से पहले ही आपने वे शब्द रिकार्ड न करने के आदेश दे दिए थे

तेकिन मैं आपकी इस बारे में रूलिंग चाहूंगा कि क्या किसी सदस्य द्वारा औबीचुअरी रैफरैंसिज के दौरान किसी किस्म का राजनीतिक क्रिटीसिजम या कोई एक्सट्रैनुअस बातें कहीं जा सकती हैं या नही? स्पीकर साहब, है एक बात जरूर सबमिट करूंगा । अकसर अपोजीशन वाले मान–मर्यादा की बातें करते हैं कि जो पहले मान–मर्यादाएं होती थीं, वे अब नहीं रहीं हैं और धीरे–धीरे समाप्त होती जा रही हैं । मैं यह कहना चाहता हूं कि सबसे पहले इन मान–मर्यादाओं को टैरम्पल अपोजीशन के टाईम पर किया गया है । अब यह कैसे बढ़–चढ़ कर बातें कर रहे हैं । दरअसल अकाली पार्टी जिसका आनन्दपुर प्रस्ताव आज भी कायम है, को इन्होंने स्पोर्ट किया । अपोजीशन पार्टीज ने अकाली पार्टी को एनकरिज किया और देश की इन्टैग्रिटी को खतरे में डाल दिया ।

आवाजें : बिलकुल नहीं किया । (शोर एवं व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, आपने चौधरी शमशेर सिंह जो पार्लियामैन्टरी अफेयर्ज के मिनिस्टर हैं उनको बोलने का मौका दिया । आपने मौका दे दिया ठीक है वरना इसका कोई औचित्य नहीं था । अगर चौधरी शमशेर सिंह मर्यादा और डैमोक्रेटिक वैल्यूज का सबक हले पढ़ाना चाहते हैं तो हमें भी इसका जवाब देना पड़ेगा । (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला: चौधरी चरण सिंह जिनके साथ सत्तर आदमी थे । वे प्राईम मिनिस्टर बन गए तब आप लोग नही बोले थे । (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती चन्द्रावतीः चौधरी चरण सिंह ने तो उदाहरण रखा था । आपकी तरह वे नहीं हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, उस वक्त आपको जो शब्द अच्छे नहीं लगे वे आपने एक्सपंज करवा दिए । इस समय ऐसा कौन सा माहौल था जो इन्होंने उस मुद्दे को उठाया है, ऐसी क्या बात थी जो इन्होंने उस बात को फिर उठा दिया है । अगर ये उस बारे में वात करना ही चाहते हैं तो हम भी इनको पूरी तरह जवाब देना चाहते हैं । स्पीकर साहब, आप. उस पर जरूर रूलिंग दें लेकिन मैं एक बात पूछना चाहूंगा कि तीन दिन का सैशन जो इन्होंने बुलाया है क्या यह ठीक बात है? क्या इन पांच छरू महीनों में कुछ ऐसी बातें नहीं हुई हैं जिनके बारे में हमें बहुत कुछ कहना हे । मैं इस बारे में जब बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की 'रिपोर्ट आएगी उस समय भी कहूंगा । स्पीकर साहब, पहले 36 आदमियों के साथ चौधरी भजन लाल मुख्य मन्त्री बन गए, उसके बाद जम्मू कश्मीर के मुख्य मन्त्री को हटाया और इसके बाद आन्ध्र प्रदेश के मुख्य मन्त्री को हटाया । स्पीकर साहब, इन पांच–छः महीनोंमें तो बहुत कुछ हो गया है और कहने के लिए बहुत कुछ है लेकिन ये तीन दिन का सैशन बुला रहे हैं ।

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहब, आप चाहे जरूर रूलिंग दें लेकिन मेरा कहना तो यह है कि एक बात खत्म हो गई, उस बात पर सीन ड्राप हो गया । पार्लियामैन्टरी अफेयर्ज मिनिस्टर हाई प्रिसिपल्ज और डैमोक्रेसी की बात अपोजीशन वालों को समझाए यह ठीक नहीं लगती । हाई प्रिसिपल्ज और डैमोक्रेसी की हत्या तो इन्होंने की है ।

स्पीकर साहब, मैंने लाईब्रेरी से इंडियन ऐक्सप्रैस की कापी निकलवाई है । ये कहते हैंकि हमने अकालियों को एनकरिज किया लेकिन बात इसके उल्ट है । मैं इस अखबार से पढ़कर बताता हूं । इसमें लिखा है कि there were secret pariyes with Akali leaders by Bhajan Lal as well as Central Government कि चण्डीगढ को यहां रखो, अबोहर को काट दो । इस तरह का काम इन्होंने किया है । (शोर एंव व्यवधान)

श्री अध्यक्षः यह बात बाद में कर लेगें । आज सैशन शुरू हुआ है और मेरा ख्याल यह है कि अभी से गरमी न हो तो अच्छा है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री मंगल सैन : आप उनको कहें । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मैं उनको भी कहूंगा । जो बात चौधरी शमशेर सिंह जी ने कही है उस पर मेरी रूलिंग देने की कोई जरूरत नही हें । अफसोस और शोक के मौके पर हमारा कंडक्ट क्या होना चाहिए इस बारे में हरेक मैम्बर साहिबान को पता ही है ।

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहब, मेरी एक सबमीशन है कि हाई कोर्ट के जज ने श्री लीला कृष्ण के केस में रिटर्निंग औफिसर के खिलाफ रिमावर्स पास किए हैं । मैं आपके द्वारा जानना चाहता हूं कि उस रिटर्निंग औफिसर के खिलाफ इन्होने क्या कार्यवाही की है? कोर्ट ने उस रिटर्निंग औफिसर को कसूरवार ठहराया है (शोर एवं व्यवधान) ।

तारांकित. प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष : मैम्बर साहिबान अब सवाल होंगे । श्री मती चन्द्रावती ।

तारांकित प्रश्न संख्या 736

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, इस सवाल को पूछने से पहले मैं एक बात आपके नोटिस में लाना चाहती हूं ....

श्री अध्यक्षः क्वैश्चन की भाषा में इसलिए चेंज की जाती हैं ताकि वह कम्प्रीहैंसीबल और एडमिसिबल बन सके ।

श्रीमती चन्द्रावती : स्पीकर साहब, ...

श्री अध्यक्ष : अर्थ वाली बात के बारे में आप मेरे से चौम्बर में बात कर लेना ।

श्री मंगल सेन : स्पीकर साहब, मेरी आपसे चौम्बर में बात हुई थी । सरदार लछमण सिंह को गि रफतार किया था और उस बारे मैंने क्वैश्चन दिया था लेकिन मुझे जवाब दिया गया है कि रूल 46 (12) के तहत आपका सवाल डिसअलाउ किया जाता हे । स्पीकर साहब, यह कोई आर्डिनरी मामला नही है ।

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल) : इसके बारे में क्वैश्चन आवर के बाद कह लेना । बाद में जवाब दे देंगे ।

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, मेरी टेबल पर जो जवाब रखे हुए हैं आप देखेंगे कि उसमें मेरे सवाल का जवाब गल्त दिया गया है ।

Mr. Speaker : All right. If you are so much agitated, I defer this question for tomorrow.

Appointment made in Sugar Mills Shahbad

***732. Chaudhri Sahab Singh Saini :** Will the Min ister for Cooperation be pleased to state—

(a) the categorywise names of the employees appointed in the Sugar Mills, Shahbad upto 14-6-84 since its inception together-with their permanent addresses ; and

(b) the names of employees out of those referred to in part (a) above appointed on adhoc basis togetherwith their date/dates of appointment ?

Cooperation and Dairy Development Minister (Chaudhri Birinder **Singh) :**

(a) A statement is laid on the Table of the House (Annexure'A').

(b) A statement is laid on the Table of the House (Annexure 'B').

ANNEXURE—A

Sr.	Name of the		Name the employee	Remarks

No.	post		and address of	
1	2		3	4
			S/Shri	
1	Chief Engineer	1.	R.M. Mohrotra, C/o Dr. Vijay Kumar, M.B.B.S., 11-Bn. PAC, Sitapur (U.P.)	Resigned on 15-12-83.
		2.	.I. N. Khanna, S/o Sh. B.N. Khanna, DE-189, Ajit Nagar, Patiala.	
2	Chief Accounts Officer	1	I. M. Garg, Senior Auditor, Cooperative Deptt. Haryana,	Appointed on deputation. Reverted to parent deptt. on 31.1.84 (Cooperative Deptt.)
		2	S. K. Aggarwal, Ski Sh. F.C. Aggarwal, Headmaster, Jain High School, Ambala City.	

3	Civil Engineer	1	J. R. Sharma, 3/70 Krishanpura; Panipat.	
		2	R. K. Arora, 4-Lake View, TIT Colony, Bhiwani.	On deputation from PW 0 (Irrigation) Haryana
4	Sectional Officer	1.	Rajend er Kumar. S/o Sh. Ratti Ram, VPO. Khanpur, Distt. Karnal.	
		2.	V. K. Sharma, Sin Sh. Onkar Parshad, State Bank of Patiala Street, Bhatinda (Punjab).	
5	Purchase Officer		C.M. Mago, S/o Sh. R. P.Mago, B-I Umri, Road, Kurukshetra.	
6	Office Supdt.		Rur Chand, Assistant, Office of the Controller Printing & Stationery Department, Haryana.	On deputation from Printing & Stationery Deptt. Haryana.
7	Share Section	1.	Mahavir Parshad, Inspector, Cooperative	Appointed on deputation.

	Incharge		Soc ieties, Haryana.	Reverted to parent deptt. on 11.8.82 (Cooperative Deptt.)
		2.	Kapur Singh, Inspector. Cooperative Societies, Cooperative Department, Haryana.	Appointed on deputation (Coop. Deptt.) Reverted to parent Deptt. on 8.8.84.
8	Accountant		Pardeep Kumar, S/o Sh. Tilak Raj, H. No. 47-A, Ward No.4 Kurukshetra.	
9	Electrical Forman		Sumerjit Yadav, H. No. D-55/42, Organgabad, Janpad. Varansi (U.P.)	
10	Cane Inspector		Dharam Pal, S/o Sh. Neki Ram, VPO, Ah WI Distt. Kurukshetra	
11	P.A. (Steno)		Balbir Singh, S/o Sh. Inder Singh, V. Shahapura, P. O. Bhagumajra,	

			Distt. Kurukshetra.	
12	Store Keeper		R. K. Sahni, V. Bhoglan, P.O. Rajpura, Distt. Patiala (Pb.)	
13	Accounts Clerk		Inder Raj Singh, Sub-Inspector, Coopperative Societies, Haryana,	On deputation from Cooperative Deptt., Haryana.
17.	Farm Mate		Hoshiar Singh, S/o Sh. Ruldu Ram, V.P.O. Sisai, Distt. Hissar.	Terminated on 4.8.84
18.	Car Driver		Jai Singh. S/o Sh. Sardara, V. Sabka, P.O. Kesri, Distt. Ambala	
19.	Jeep Driver		Gurdeep Singh, S/o Sh. Bachan Singh, Sikh Fort, Shahabad, Distt. Kurukshetra.	
20.	D.G. Operator		Sucha Singh, S/o Sh. Munshi Ram V.P.O. Tangore, Distt.	

			Kurukshetra.	
21.	Wireman		Amar Nath Sharma, S/o Sh. Sentokhi Ram, Moti Nagar, 1087/7, Ambala City.	
22.	Electrical Helper		Ravinder Kumar, S/o Sh, Chutarbuj, V.P.O. Marsan Kalan, Distt. Sonepat	
23.	Daftri		Balwant Singh, S/o Sh. Sankar Lal, V.P.O. Gorakhpur, Distt. Hissar.	
24.	Peon	1.	Shyam Lal, S/o Sh. Soran Ram, V.P.O. Kalsana, Distt. Kurukshetra	
		2.	Kuldeep Singh, S/o Sh. Paira Lal, Bank Bazar, Shahabad Distt. Kurukshetra	
		3.	Harbhajan Lal, S/o Sh. Lazza Ram, Vill. Ratgal,	

			Distt. Kurukshetra.	
		4.	Raman Kumar, S/o Sh. Tilak Raj. 229/9. Ram Gali, Kurukshetra.	
		5.	Ram Niwas, S/o Sh. Paira Lal. V.P.O. Naguran, Distt. Jind.	
		6.	Krishan Kumar, S/o Sh. Shish Pal, V.P.O. Thurana, Distt. Hissar.	
		7	Raj Kumar, S/o Sh. Ram Kishan, V.P.O. Farmana, Distt. Rohtak.	Terminated on 18.7.84
25	Chowkidars	1.	Ranbir Singh. S/o Sh. Surat Singh, Vill. Sabka, P.O. Pasiala. Distt. Ambala.	
		2.	Ishwar Singh, S/o Sh. Moman Ram, V.P.O. Thurana, Distt. Hissar.	

		3.	Tej Pal, S/o Sh. Sardara Singh, V. Jalbera, P.O. Nehsi, Distt. Kurukshetra.	
		4.	Jagmal Singh, S/o Sh. Chotan Lal V. Kharal, P.O. Basni Distt. Alwar (Raj.).	
		5.	Marender Pal, S/o Sh. Khajan Singh, V.P.O. Diggal, Distt. Rohtak.	
		6.	Som Dutt, S/o Sh. Nathu Ram, Vill. Ismailpur, P.O. Dedhar,	
		7.	Bald ev Raj, S/o Sh. Ram Nath, V.P.O. Adohya, Distt. Ambala.	
26	Sweeper		Smt. Kanta Rani, Majri Mohalla, Shahabad. Distt. Kurukshetra.	

ANNEXURE-B

Sr. No.	Name of the post		Name & address of the employees	Date of appoint-ment	Remarks
1	2		3	4	5
1.	Purchase Officer		C. M. Mago S/o Sh. R.P. Mago, B-I, Umri Road, Kurukshetra.	4/2/1984	
2.	Sectional Officer		V.K. Sharma, S/o Sh. Onkar Parshad, State Bank of Patiala Street Bhatinda (Pb.)	1/2/1984	
9	Etectrical Helper		Ravinder Kumar, S/o Sh. Chutat Buj, VPO. Harsen Kalan, Distt. Sonepa t.	**7/5/1984**	
10	Daftri		Balwant Singh, S/o Sh. Shankar Lal,	7/5/1984	

			VPO. Gorakhpur, Distt. Hissar.		
11	Peon	1.	Shyam Lal, S/o Sh. Soran Ram, VPO. Kalsana, Distt. Kurukshetra.	12/4/1983	
		2.	Kuldeep Singh, S/o Sh. Paira Lal, Bank Bazar, Shahabad, Distt. Kurukshetra.	20-4-83	
		3.	Harbajan Lal, S/o Sh. Lazza Ram, V. Ratgal, Distt. Kurukshetra.	9/2/1984	
		4.	Raman Kumar, S/o Sh. Tilak Raj, 229/9, Ramgal i, Kurukshetra.	27-3-84	

		5.	Ram Niwas, S/o Sh. Prira Lal, VPO. Nagural, Distt. Jind.	12/3/1984	
		6.	Krishan Kumar, S/o Sh. Shish Pal, VPO. Thurana, Distt. Hissar.	22-3-84	
		7.	Raj Kumar, S/o Sh. Ram Krishan, VPO. Farmana, Distt. Rohtak.	20-4-84	Terminated on 18-7-84
12	Chowkidar.	1.	Ranbir Singh, S/o Sh. Surat Singh, V. Sabka, P.O. Pasiala, Distt. Ambala.	30-1-84	
		2.	Ishwar Singh. S/o Sh. Moman	8.3.84	

			Ram, VPO. Thurana, Distt. Hissar.		
		3.	Tej Pal, S/o Sh. Sardara Singh, V. Jalbera, P.O. Nehsi, Distt. Kurukshetra.	12/3/1984	
		4.	Jagmal Singh, S/o Sh. Chutan Lal, V. Kharial, P.O. Basni, Distt. Alwar (Raj.)	12/3/1984	
		5.	Narinder Pal, S/o Sh. Khajan Singh., VpPO. Diggal, Distt. Rohtak.	22-3-84	
		6.	Som Dutt, S/o Sh. Nathu Ram,	29-4-84	

			V.P.O. Ismallpur Dehar, Distt. Ambala.		
		7.	Baldev Raj S/o Ram Nath, VPO Adhoya Distt. Amblala	3/5/1984	

चौधरी साहब सिंह सैनी : स्पीकर साहब, जो जवाब दिया गया है उसके अनैक्सचर 'ए' में टोटल नम्बर आफ एम्पलाइज 65 बनते हैं और अनैक्सचर 'बी' में टोटल नम्बर आफ एम्पलाइज 43 बनते हैं । 22 का डिफरैन्स है । इन्होंने 43 एडहोक पर लगाए हुए हैं और कुल पोस्ट्स 65 हैं । क्या नली महोदय बताने की कृपा करेंगे कि बाईस पोस्ट्स कहां गई और इतने आदमी एडहोक पर क्यों लगाए है? क्या इन पोस्ट्स पर रैगूलर आदमी नही लगाए जा सकते थे?

चौधरी वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, अनैक्सचर 'बी' में सिर्फ उन लोगों का नाम है जो एडहोक पर लगाए हुए हैं और बाकी जो बचते हैं वे रैगूलर बेसिज पर हें । चार आदमी दूसरे डिपार्टमैंट्स से डैपूटेशन पर हैं और एक आदमी पार्ट टाईम बेसिज पर है और एक आदमी कान्ट्रैक्ट बेसिज पर है ।

चौधरी साहब सिंह सैनी : स्पीकर साहब, अनैक्सचर 'बी' की तरफ मैं मन्त्री जी का ध्यान दिलाना चाहता हुं । नम्बर आठ पर

वायरमैन है, नम्बर नौ पर इलैक्ट्रिकल हैल्पर और नम्बर दस पर दफ्तरी है इनकी डेट आफ अप्वांयटमैंट 7– 5– 1984 दिखाई है । स्पीकर साहब, पिछले बजट सैशन में मन्त्री जी ने और मुख्य मन्त्री जी ने आश्वासन दिया था कि शूगर फैक्टरी में जो भी अप्वांयटमैंट होंगी वे रैगूलर बेसिज पर होंगी और उसी एरिया से होंगी जिस एरिया में फैक्टरी लगाई जायेगी लेकिन आप देखेंगे कि इस केस में इस एरिया से बाहर के लोग, जैसे बिहार, पंजाब, सोनीपत और अम्बाला आदि से लिए गए हैं । क्या मन्त्री महोदय बताने की कृया करेंगे कि ये अप्वांयटमैंट बाहर से क्यों की गई और इतनी देर से क्यों की गई हैं?

चौधरी बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, जहां तक आश्वासन की बात है उसमें यह बात कही गई थी कि कोशिश यह की जाएगी कि जो भी स्टाफ उस इलाके से मिल सकेगा, जैसे नॉन टैक्तीकल, सैमी सिकिल्ड और अनसिकिल्ड, वह सारे का सारा उसी इलाके से लगाएंगे । जो सोनीपत या दूसरी जगहों से लोग लिए हें वे सारे के सारे एडहोक अप्वायंटमैंट हैं । सिलैक्शन बोर्ड ने अभी पिछले दिनों रैगूलर पोस्ट्स के लिए इन्टरव्यू लिया है लेकिन अभी तक रिजल्ट फाइनेलाइज नही हुआ है । इसलिए एडहोक अप्वायंटमैंट की गई है । जब रैगूलर सिलैक्शन की लिस्ट आ जाएगी तो उसके बाद ये सारे के सारे लोग चले जाएंगे ।

श्री अध्यक्ष : इनके कहने का मतलब यह है कि जो क्लेरिकल स्टाफ है और जो इजीली उस इलाके से अवेलेबल है, वह वहां से क्यों नहीं लगाया?

चौधरी बीरेन्द्र सिंह : मैं आनरेबल मैम्बर को बताना चाहूंगा कि कुरुक्षेत्र तथा अम्बाला का कुछ पार्ट जो उस जुरिसडिकशन में आता है इन दोनों जगहों से कुल 60 अप्वायंटमैंटस में से 34 आदमी लगाए गए हैं । उसके अलावा 3–4 आदमी ऐसे हैं जो सोनीपत से हैं, 5– 6 आदमी हिसार से हैं तथा एक–एक, दो–दो दूसरे जिलों से. है । इस बात को तो आप ओवर रूल नही कर सकते कि 60 में से 34 आदमी इन दोनों जिलों से लिए कुंए ।

चौधरी ओम प्रकाशः अध्यक्ष महोदय, मन्त्री जी ने अपने जवाब में डिफरैंट कैटेग्रीज की लिस्ट दी है उसके बारे में मैं यह कहना चाहता हूं कि अनेक्सचर 'एं सीरियल नं ० 2 पर पंजाब का आदमी लिया गया, सीरियल नं ० 1 और 9 पर यु ० पी ० के आदमी लिये गये हैं और डसी तरह से सीरियल नं ० 12 और 14 पर पंजाब तथा बिहार के आदमी लिये गये हैं । इसी ढंग से और प्रदेशों के आदमी भी लिये है । क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि क्या हमारे प्रदेश में इस क्वालिफिकेशन के आदमी अवेलेबल नही थे जो ये बाहर से लेने पड़े?

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, अभी तक 60 कर्मचारी भरती किए हैं इनमें से 54 हरियाणा के हैं, तीन पंजाब के तथा एक–एक राजस्थान, यू ० पी० और बिहार का है । इन्होंने जो अनैक्सचर 'ए' में बाहर से लिये गये आदमियों का जिक्र किया है उसका कारण यह छैं इन पोस्ट्स के लिए आदमी को शूगर टैक्नोलोजी और शुगर इंडस्टरी का एक्सपीरिएंस होना जरुरी है । जैसे चीफ इंजीनियर की पोस्ट है इसके लिये उसी को लगाएंगे जिसका शूगर इंडस्टरी में

एक्सपीरियंस होगा । हमने इंडियन एक्सप्रैस तथा दूसरे अखबारों में ऐसी पोस्टें बाकायदा एडवरटाइज की थीं उसके बाद सिलैकशन की है । इन कैटेग्रीज के आदमी हरियाणा में नही मिले ।

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, अनेक्सचर 'बी' में आप देखें सीरियल नं० 10 पर थी कंवर सिंह जिला हिसार का है, सीरियल नं० 14 पर मांगे लाल बिश्नोई भी हिसार का है.

श्री अध्यक्ष : ये तो छोड़ गए हैं ।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, वे दोबारा आ गए है । इसी तरह से और भी बहुत से आदमी हैं जो सभी आदमपुर कांस्टीच्यूएंसी के हैं । (शोर)

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): आदमपुर का एक भी नही है ये तो सम्पत सिंह जी के हलके भट्ठू कलां से हैं ।

श्री वीरेन्द्र सिंहः पहले ये गांव इन्ही के हल्के में थे अब पड़ोसी हो गए है । क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि इन्ही लोगों को क्यों सिलैक्ट किया गया, क्या इनकी कोई विशेष क्वालिफिकेशन थी या मुख्य मन्त्री जी के इशारे से इनको अकोमोडेट किया गया हे?

चौधरी बीरेन्द्र सिंह : ऐसी बात नही है । अगर हमारे दूसरे साथी भी कहते है तो उनके कहे मुताबिक भी लेना ही पड़ता है ।

श्री राम विलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि ये जो हिसार के लोग लिये गये और फिर टर्मीनेट हो गए यह क्या माजरा है? दूसरे इन्होंने कहा कि हरियाणा में आदमी अवेलेबल नही थे । इन्होंने एक चौकीदार अलवर जिले का लिया है । क्या मंत्री जी बतायेंगे कि क्या चौकीदार भी हरियाणा में अबेलेबल नहीं है?

चौधरी बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, जैसे एक हैड खलासी की पोस्ट है इसके लिये हरियाणा में कोई आदमी अवेलेबल नही था । हैड खलासी के लिये मशीनरी और दूसरी चीजों का ज्ञान होना भी जरुरी है लेकिन फिर भी हमने यह प्रावधान किया कि अगर उस क्वालिफिकेशन का आदमी हरियाणा में नही मिलता तो जो हमारी कमीशंड मिल हैं वहां से लैसर क्वालिफिकेशन का आदमी लेकर भी यहां भेज देंगे ताकि काम चल जाए ।

चौधरी कुन्दन लाल : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने पिछले सैशन में जीन्द शूगर मिल के बारे में ऐसा आश्वासन दिलाया था लेकिन मेरे हिसाब के मुताबिक वह आश्वासन पूरा नहीं हुआ है । मैं आपके माध्यम से मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि क्य उन्होंने हरिजनों और बैकवर्ड क्लासिज की रिजर्वेशन के मुताबिक भरती की है, अगर नही की तो कब करेंगे?

चौधरी बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय । जो 60 के करीब वैकैसीज थीं उनमें कई ऐसी वेकैंसीज थी जिनमें रिजर्वेशन नही है ।

करीब 43 वैकैसीज ऐसी थी जिनमें रिजर्वेशन थी । इनमें हमने शिड्युल्ड कास्टस की चार वैकैसीज के अगेंस्ट 6 लिये और तीन बैकवर्ड क्लासिज के लगे हुए है । यानी रिजर्वेशन से ज्यादा लगे हुए हैं । इसके अलावा चार आदमी और ऐसे लगे हैं जो जनरल पोस्ट्स के अगेंस्ट हैं । जैसे आफिस सुपरिनटैंडैट है यह बैकवर्ड क्लास का है । क्लर्कस की कोई रिजर्वेशन नही है उसमें भी कुछ लिये हैं । इसी तरह से डी० जी ० सैट आप्रेटर भी बैकवर्ड क्लास का है । एक दफ्तरी भी शिड्यूल्ड कास्टस का लिया है । इनके हिसाब से हमने डेढ गुना रिजर्वेशन कर दी है ।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिक : मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि जो 18 कलर्क लिय गये उनकी मोड आफ अप्वायंटमैंट क्या थी? अगर अखबार में एडवरटाइजमैंट की थी तो कौन कौन सी डेट्स को की । अगर एम्पलायमैंट एक्सचेंज से लिए तो वह बताएं । स्पीकर साहब, मेरी नालेज में यह बात है कि ये लोगों से सीधी एप्लीकेशन लेकर लगा देते हैं ।

चौधरी बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, एडहोक बेलिज पर रखने के लिए अखबार में नहीं निकालते बल्कि डायरैक्ट अप्वायंटमैंट करते हैं । बाकी जो 22 के करीब पोस्टें हैं उनमें से एम्पलायमैंट से भी लिए हैं और अखबारों में एडवरटाइजमैंट इनरके भी लिये हैं । मेरे पास पूरी डिटेल एं अगर आप कहें तो मैं बत' देता है ।

श्री अध्यक्ष : नही, उसमें बहुत टाइम लग जाएगा ।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, कोआप्रेशन मिनिस्टर साहब ने कहा कि शूगर टैकनोलोजी के ज्ञान की वजह से उन्हे कुछ आदमी राजस्थान, बिहार और यू ०पी ० से लेने पडे 1 दफ्तरी और चौकीदार भी बाहर से. इसलिये लेने पड़े कि वे हरियाणा में अवेलेबल नही थे । क्या चीफ मिनिस्टर साहब बताएने कि कही एसी बात तो नहीं है कि वे शूगर टैकजोलोजी को जानने वाले मिनिस्टर को भी बाहर से ले आएंगे?

श्री अध्यक्षः यह कोई सवाल नहीं है । कृपया आप बैठें ।

15.00 बजे।

चौधरी साहब सिंह सैनी : स्पीकर साहब, अभी मती जी ने बताया था कि इस शूगर मिल में रैगुलर भर्ती करने वाले हैं । मैं आपके माध्यम से मन्त्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या वे यह आश्वासन देगे कि जब इस शूगर मिल में कलैरीकल और टैक्नीकल स्टाफ की रैगुलर भर्ती की जाएगी उस समय इसी क्षेत्र के कैडीडेट्स लिए जाएंगे?

चौधरी वीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैंने यह कहा है कि अगर टैक्नीकल स्टाफ लैसर क्वालीफिकेशन और लैसर एक्सपीरिएंस का होगा तो उनको दूसरे शूगर मिल्ज में भेज देंगे और वहां से क्वालीफाइड आदमियों को इसमें लगाने की कोशिश करेंगे । जो नान टैक्नीकल स्टाफ है उसके बारे में मैंने पिछले सैशन में जब जींद शूगर मिल के बारे में बात आई थी तो उस समय भी कहा था कि उसी

इलाके के लोगों को प्रायरिटी बेस पर कंसिडर किया जाएगा और वहीं पर लगाया जाएगा ।

श्रीमती चन्द्रावती : स्पीकर साहब, अभी मंत्री जी ने यह बताया था कि हरियाणा में टैक्नीकल स्टाफ यानी फोरमैन बगैरह अवेलेबल नहीं है मैं आपके द्वारा मंत्री जी से यह जानना चाहती हूं कि क्या हरियाणा के किसी भी कैंडीडेट की दरख्वास्त टैक्नीकल पोस्ट के लिए नही आई थी?

चौधरी बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रान्त के कैडीडेट्स की भी दरख्वास्तें आई हुई है लेकिन सिलैक्शन कमेटी ने अभी तक जो रैगुलर सिलैक्शन होनी है वह फाइनल नहीं की है । ज्यों ही रैगुलर सिलैक्शन के बारे में फाइनल फैसला हो जाएगा ऐडहोक कर्मचारियों को हटा दिया जाएगा ।

Upgradation of Schools

***739. Chaudhri Balvir Singh Grewal :** Will the Minister of State for Education be pleased to state the district-wise details of the boys and girls schools upgraded in the State from the Fifth Class to Eighth Class and from Eighth Class to Tenth Class during the period from 1-1-1984 to-date ?

Minister of State for Education (Shri Jagdish Nehra) : The information (Annexure 'X') is laid on the Table of the House.

Annexure 'X'

The district-wise detail of schools upgraded during the said period is as under :—

Name of District	Primary to Middle		Middle to High		Total
	Boys	Girls	Boys	Girls	
Ambala	2	—	1	—	3
Bhiwani	—	3	1	—	4
Faridabad	—	—	2	—	2
Gurgaon	1	—	1	—	2
Hissar	9	1	8	1	19
Jind	6	3	2	1	12
Karnal	1	2	4	—	7
Kurukshetra	1	—	8	—	9
Rohtak	2	—	4	—	6
Mohindergarh	2	—	3	—	5
Sirsa	8	1	4	—	13
Sonepat	1	1	4	—	6
	33	11	42	2	88

Besides this, two primary schools, one each in Gurgaon and Jind Districts, were upgraded to High Schools.

चौधरी बलवीर सिंह ग्रेवाल : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से शिक्षा राज्य मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि प्राइमरी से मिडल और मिडल से हाई स्कूल अपग्रेड करने का क्या क्राइटेरिया है । स्कूल अपग्रेड करते समय पापूलेशन या बिल्डिंग का क्राइटेरिया अपनाते हैं या पोलिटीकल कंसिडेरशन? स्पीकर साहब दूसरी बात यह हैं कि नई क्लासिज का सैशन फर्स्ट अप्रैल से शुरू हो जाता है लेकिन अगस्त के अन्त में स्कूल अपग्रेड किए गए तो स्कूलों को अपग्रेड करने में देरी होने के क्या कारण है?

श्री जगदीश नेहरा : अध्यक्ष महोदय माननीय सदस्य ने पहला सवाल स्कूलों को अपग्रेड करने के क्राइटेरिया के बारे में पूछा है । स्कूल अपग्रेड करने का जो क्राइटेरिया है वह मैं पढ़ कर बता देता हूं । बिल्डिग के लिए क्राइटेरिया है, प्राइमरी से मिडिल स्कूल अपग्रेड करने के लिए 11 कमरे, मिडिल से हाई स्कूल के लिए 15 कमरे होने चाहिएं । जमीन के लिए क्राईटेरिया है, प्राइम री से मिडिल स्कूल के लिए तीन एकड़, मिडिल से हाई स्कूल के लिए पांच एकड़ जमीन चाहिए । एनरोलमैंट के लिए क्राइटेरिय । है, प्राइमरी से मिडिल स्कूल के लिए 150 बच्चे ओर मिडिल से हाई स्कूल के लिए 250 बच्चे होने चाहिएं । इसके अलावा स्कूलों के आपस के फासले का क्राइटेरिया हे तीन किलोमीटर प्राईमरी स्कूल से मिडिल स्कूल और पांच किलोमीटर मिडल स्कूल से हाई स्कूल दूर होना जरूरी है । जहां –तक इनके दूसरे सवाल का ताल्लुक है कि स्कूल अपग्रेड करने में इतनी देरी होने का

क्या कारण है, इस बारे में मैं अपने माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि जिन नार्मज के मुताबिक स्कूलों को अपग्रेड किया गया है उनके बारे मे डी० ई० ओ० से रिपोर्ट आने में कुछ देरी हो गई जिसकी बजह से स्कूल अपग्रेड करने में देरी हुई ।

श्री ए० सी ० चौधरी : स्पीकर साहब, पिछले सैशन में भी मैंने हाउस के सामने यह बात रखी थी कि गवर्नमैंट ने सारे हरियाणा में स्कूलों को अपग्रेड क रने की सारी रिक्वायरमैंटस एग्री करने के बाद स्कूल अपग्रेड किए थे लेकिन बाद में किन्हीं हालात की वजह से कुछ स्कुल डाउनग्रेड कर दिए गए । हालांकि वे सारी रिक्वायरमैंटस फुलफिल करते थे । फिर भी उनको डाउनग्रेड कर दिया गया था । उस वक्त मंत्री जी ने कहा था कि जो स्कूल डाउनग्रेड कर दिए हैं उनको अगली बार अपग्रेड कर दिया जाएगा । उस वक्त मैंने कहा था कि मेरे हल्के में जो दो गर्ल्ज स्कूल डाउनग्रेड किए गए हैं उनको कब तक अपग्रेड करेंगे । उस समय मुझे यह आश्वासन दिया गया था कि जब अगली बार स्कूल अपग्रेड करेंगे उस समय उन स्कूलों को अपग्रेड कर दिया जाएगा । लेकिन जब मैंने इस रिप्लाई को पढा तो इसमें फरीदाबाद हल्के के चार गर्ल्ज स्कूल जो अपग्रेड होने थे उनमें से दो स्कूल अपग्रेड करके डाउनग्रेड कर दिए गए, उन स्कूलों को अपग्रेड करने के बारे में कोई जिक्र नहीं है । बाकी जगहों पर कहीं 13, कहीं 17 और कहीं 19 स्कूल अपग्रेड किए गए हैं । मेरे हल्के में जो दो स्कूल अपग्रेड करके डाउनग्रेड किए गए हैं वे सभी नार्मज पूरे करते हैं लेकिन उनको इस बार भी अपग्रेड नहीं किया गया । फरीदाबाद हल्के

के साथ यह लापरवाही क्यों की जा रही है । मैं आपके माध्यम से मैली जी से कैटेगोरीकली यह आश्वासन चाहता हूं कि उन स्कूलों को क्या इसी साल अपग्रेड कर दिया जाएगा?

श्री जगदीश नेहरा : स्पीकर साहब, फरीदाबाद हल्के के साथ लापरवाही करने की कोई बात नहीं थी । उन स्कूलों को इसलिए अपग्रेड नही किया होगा क्योंकि वे स्कूल सभी नार्मज पूरे नहीं करते होंगे और न ही उन स्कूलों के नार्मज के बारे में डी ० ई० ओं ० ने रिपोर्ट भेजी ।

श्री ए ० सी ० चौधरी : स्पीकर साहब, पिछले सैशन में मंत्री जी ने जो बात कही थी वह मैं इनको वर्ड टू वर्ड याद दिलाना चाहता हूं । इन्होंने यह कहा था कि इस बार 500 स्कूल अपग्रेड करने थे लेकिन 514 स्कूल अपग्रेड कर दिए गए इसलिए 14 स्कूल डाउनग्रेड करने पड़े । जब अगली बार स्कूल अपग्रेड किए जाएंगे उस समय इन 14 स्कूलों को भी अपग्रेड कर दिया जाएगा । क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि अब कौन से नार्मज रहते हैं जिनकी बिना पर उन स्कूलों को अपग्रेड नहीं किया गया?

श्री जगदीश नेहरा : अध्यक्ष महोदय, जो फिगर माननीय सदस्य ने स्कूल्ज के अपग्रेडेशन की दी है वह ठीक नहीं है । पोजीशन यह है कि 1982– 83 में 200 प्राइमरी स्कूल से मिडिल स्कूल अपग्रेड किए गए थे और 100 मिडिल से हाई स्कूल अपग्रेड किए गए थे उसमें उनका नम्बर ज्यादा हो गया इसलिए फरीदाबाद के स्कूल्ज नम्बर में

नहीं आ सके थे । इस बार उनके बारे में डी ० ई० ओ ० से रिपोर्ट नहीं आई है इस वजह से अपग्रेड नही हो सके । जिस समय डी ०ई० ओं ० की रिपोर्ट उन स्कूलों के बारे में आ जाएगी और नार्मज पूरे करते होंगे तो उनको कंसिडर कर लिया जाएगा ।

श्री हीरा नन्द आर्य : राज्य शिक्षा मत्री जी ने बताया है कि इस साल 88 स्कूल अपग्रेड किए गए हैं । मैं आपके द्वारा शिक्षा राज्य मंत्री जी से यह जानना चाहता हू कि इस साल कितने और स्कूल अपग्रेड करने का विचार है । क्या विरोधी पार्टी के हल्कों में भी स्कूल अपग्रेड किए जाएंगे? मेरे हल्के में एक कालोदगुडा गांव है उस गांव का स्कूल सारे नार्मज पूरे करता बुश और उसके 8– 10 किलो– मीटर के एरिए में कोई स्कूल नहीं है क्या उस स्कूल को अपग्रेड किया जाएगा ?

श्री जगदीश नेहरा : अध्यक्ष महोदय, इस साल 50 प्राइमरी स्कूल से मिडिल स्कूल अपग्रेड किए जाएंगे और 50 मिडिल स्कूल से हाई स्कूल अपग्रेड किए जाएंगे । इस साल 90 या 92 स्कूल अपग्रेड किए गए हैं । जो स्कूल नार्मज पूरे करता है चाहे वह अपोजीशन के हल्के का स्कूल है चाहे पोजीशन के हल्के का स्कूल है उसको कंसिडर करके अपग्रेड कर दिया जाएगा ।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, शिक्षा राज्य मंत्री जी ने हमें गुमराह करने की कोशिश की है । उन्होंने हिसार किले में 19 स्कूल अपग्रेड कर दिए, अपने जिले में 13 स्कूल अपग्रेड कर दिए इसके अलावा फरमा रहे हैं कि जिन स्कूलों के बारे में डी ० ई ० ओ० लिख

कर हमारे पास भेज देंगे उनको अपग्रेड कर देंगे । एक माननीय सदस्य को यह शिकायत है कि उनके हल्के में चार स्कूल अपग्रेड कर दिए गए थे और फिर दो को डाउनग्रेड कर दिया गया वह माननीय सदस्य मुख्य मंत्री जी की नजरों से दूर हो गए इसलिए उन स्कूलों को डाउनग्रेड कर दिया गया । वह माननीय सदस्य डिसिडैंट बन गए इसलिए उनके हल्के के स्कूल डाउनग्रेड कर दिए गए । मैं शिक्षा राज्य मैली जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या यही कारण तो नहीं है कि वह माननीय सदस्य डिसिडैट बन गए इसलिए उनकी कांस्टीचूएंसी को सफर करना पड़ा?

श्री जगदीश नेहरा : अध्यक्ष महोदय, यह कारण बिल्कुल नहीं है । इसके अलावा डाक्टर साहब ने कहा कि हिसार और सिरसा जिले में ज्यादा स्कूल अपग्रेड किए गए हैं उसका क्या कारण है । क् इनको बताना चाहूंगा कि हिसार और सिरसा जिले शिक्षा के लिहाज से बैकवर्ड है इसलिए कंसिडर करके उन जिलों में स्कूल अपग्रेड किए गए हैं ।

चौधरी सुरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, अभी शिक्षा राज्य मंत्री जी ने स्कूलों को अपग्रेड करने के बारे में क्राइटेरिया बताया था कि जो–जो स्कूल ये–ये नार्मज पूरे करते हैं उनको अपग्रेड कर दिया जाता है । मेरे हल्के में एक भारीवास गांव है उस गांव की पंचायत ने बिल्डिंग बनाकर उसका नक्शा मुख्य मंत्री जी को दिया हुआ है और एक स्टेज पर शायद मुख्य मती जी ने उस गांव के स्कूल को अपग्रेड करने के लिए हां भी की थी । मैं आपके द्वारा शिक्षा राज्य मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या उस गांव के स्कूल को अपग्रेड कर देंगे

जबकि वह स्कूल बिल्डिंग, जमीन और बच्चों की संख्या के हिसाब से सारी जरूरियात पूरी करता हे?

श्री जगदीश नेहरा : अध्यक्ष महोदय, जैसा माननीय सदस्य ने बताया है कि वे सभी कन्डीशन्ज पूरी करते हैं तो उनको जरूर कन्सीडर किया जाएगा ।

चौधरी फूल चन्द : स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने कहा है कि इस बार वे स्कूल अपग्रेड किए गए हैं जिनके नार्मज पूरे होते थे । मैं मती जी से जानना चाहता हूं कि क्या ये नामर्ज 1983 में भी देखे गए थे क्योंकि उस साल बहुत अधिक माता में स्कूल अपग्रेड किए गए थे । यदि नार्म्ज उस समय नहीं थे तो क्या अब स्कूल अपग्रेड करने के लिए नए नार्म्ज फिक्स किए गए हैं । स्पीकर साहव, मैं कहना चाहता हूं कि जब स्कूलों की बिल्डिंग पंचायत ने ही बना कर देनी हे तो मुख्य मंत्री जी हरेक हल्के के अन्दर दो–दो स्कूल अपग्रेड कर दें और बिल्डिंग पूरी कराये जाने के लिए पचायतों से अन्डरटेकिंग ले लें । इसके साथ साथ मैं यह भी जानना चाहता हू कि वर्ष 1982– 83 मे जो स्कूल बगैर नार्म्ज पूरा किए अपग्रेड किए गए थे, उसका क्या कारण था?

श्री जगदीश नेहरा : अध्यक्ष महोदय, वर्ष 1982– 83 में भी यही नार्म्ज थे । लेकिन वर्ष 1982–83 के अन्दर इन नार्म्ज में कुछ ढील दी गई थी । उसका कारण यह है कि उस साल काफी स्कूल अपग्रेड करने थे, इसलिए इन– नार्म्ज के अन्दर ढील दी गई थी ।

दूसरा सवाल इन्होंने यह किया कि बिल्डिंग पूरी कराये जाने के लिए पंचायतों से अन्डरटेकिंगं ले ली जाये । इस बारे में मैं इन्हे बताना चाहूंगा कि 1982–83 के अन्दर भी बहुत सी पंचायतों ने अन्डरटेकिंग बिल्डिंग बनाये जाने के लिए दी थी लेकिन उनमें से बहुत सारी पंचायतों ने अभी तक अपनी अन्डरटेकिंग पूरी नहीं की है । जिन पंचायतों ने अन्डरटेकिंग दे रखी है, यदि वे बिल्डिंग बना कर दे देंगी तो उन स्कूलों को अपग्रेड कर देंगे ।

चौधरी बलवीर सिंह ग्रेवालः अध्यक्ष महोदय, मेरी कान्स्टीच्यूएंशी में एक नाथवास गांव है । उस गांव में वर्ष 1934 के अन्दर प्राईमरी स्कूल बना था । अभी इसी साल अप्रैल, 1984 के अन्दर उस स्कूल ने अपने 50 वर्ष पूरे होने पर गोल्डन जुबली मनाई है । अध्यक्ष महोदय, इससे पता चलता है कि यह स्कूल 50 साल के बाद भी प्राईमरी से मिडिल स्कूल नही बना है । जबकि यह स्कूल मिडिल की बजाये हाई स्कूल बनना चाहिए था । मैं मत्री जी से जानना चाहता हूं कि किसी स्कूल को अपग्रेड करने के लिए कितना समय लगता हे?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल) : अध्यक्ष महोदय, किसी स्कूल को अपग्रेड करते समय, समय का कोई ध्यान नहीं रखा जाता कि इतने समय के बाद किसी प्राईमरी स्कूल को मिडिल और मिडिल स्कूल को हाई स्कूल बनाया जायेगा । स्कूल अपग्रेड करते समय बच्चों की तादाद और बिल्डिंग आदि की सुविधा देख कर ही स्कूलों को अपग्रेड किया जाता है । अभी जिस स्कूल का इन्होंने जिक्र किया है यदि वह स्कूल सभी नार्मज पूरे करता है तो उसे टौप लैवल पर अपग्रेड करेंगे ।

इसी प्रकार से एक सवाल श्री ० ए ० सी० चौधरी साहब ने किया था कि उनके हल्के के दो स्कूलों को पहले तो अपग्रेड कर दिया गया लेकिन बाद में डाउन ग्रेड कर दिया गया जबकि वे दोनों स्कूल सभी शर्तें पूरी करते हैं । इस बारे में मैं इन्हें बताना चाहूगा कि यदि वे स्कूल नार्म्ज पूरे करते हैं तो इनको एक सप्ताह के अन्दर अन्दर अपग्रेड कर दिया जायेगा ।

श्री हरि चन्द हुडडाः सीकर साहब, जवाब के मुताबिक हिसार में 9 लड़कों के स्कुल अपग्रेड किए गए हैं और लड़कियों का एक स्कूल अपग्रेड किया गया है । इसी प्रकार से सिरसा जिला के अन्दर 8 लड़कों के स्कूल अपग्रेड किए गए है और एक स्कूल लड़कियों का अपग्रेड किया गया है । साथ ही साथ इन्होंने अभी बताया है कि ये एरिया बैकवर्ड हैं इसलिए यहां पर ज्यादा स्कूल अपग्रेड किए गए है । मैं जानना चाहता हूं कि क्या ये दानों जिले लडकों की साइड से बैकवर्ड हैं या लड़कियों की साइड से बैकवर्ड हैं, क्योंकि इन दोनो जिलों के अन्दर लड़कियों का सिर्फ एक– एक स्कूल ही अपग्रेड किया गया है? दूसरा सवाल मेरा रोहतक जिले के बारे में है । यहां पर इन्होंने 4 स्कूल अपग्रेड किए हुए दिखाए हैं । एक कोने के अन्दर दो स्कूलों को अपग्रेड किया गया है और दूसरी तरफ भी दो स्कूल अपग्रेड किए गए दिखाए हैं । मेरे हल्के के अन्दर तो इन्होंने कोई स्कूल अपग्रेड नही किया । जो भी शक्ल अपग्रेड किए है वे इनके अपने किसी खास व्यक्ति के या साथी के ही होंगे लेकिन मेरी कान्स्टीन्यूएंसी के अन्दर कोई रकूल अपग्रेड नही किया गया । तीसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि

भविष्य में जब भी स्कूल अपग्रेड किए जाये तो लड़कियों के स्कूलों को भी अपग्रेड करने में प्राथमिकता देनी चाहिए क्योंकि जो अब स्कूल अपग्रेड किए गए है उनमें लड़कियों के सिर्फ दो स्कुल ही अपग्रेड हुए है जो कि बहुत ही पुअर फिगर है ।

श्री जगदीश नेहरा : पहला सवाल तो इन्हेंने यह किया है कि आया यह एरिया लडकों की साइड से बैकवर्ड है या लड़कियों की साइड से बैकवर्ड है । इस बारे में मैं इन्हे बताना चाहुगा कि बैकवर्ड का मतलब दोनों से यानी लड़कों की साइड से भी और लड़कियों की साइड से भी है । यहां पर लड़कों के अधिक स्कूल इसलिए अपग्रेड किए गए है क्योंकि इन स्कूलों ने अपने नार्मज पूरे कर लिए थे । दूसरा सवाल इन्होंने रोहतक जिले के बारे में कहा है । मैं इन्हें बताना चाहूंगा कि रोहतक जिले के अन्दर 4 स्कूल अपग्रेड किए गए हैं । ये चार स्कूल है, सालहावास, बहादुर– गढ़, बादली और कलानौर । इन चार स्कूलों मै से दो अपोजीशन के हल्के के हैं ओर दो रूलिंग हल्के के छुरिया के छैं । बहादुरगढ और बादली अपोजीशन के हल्को काम आते है और सालहावास और कलानौर रूलिंग हल्कों में आते हैं । इनका यह कहना गलत है कि विरोधी पार्टी के एम ० एल ० एज ० के हल्कों में स्कूल अपग्रेड नहीं किए गए । बहादुरगढ़ और बादली अपोजीशन पार्टी के एम ०एल ०एज ० के हल्के है लेकिन यहां पर भी स्कूल अपग्रेड किए गए हैं । स्कूल अपग्रेड वही किए जाते हैं जो नार्म्ज पूरे करते है । स्कूल अपग्रेड करते समय अपोजीशन पार्टी और रूलिंग पार्टी को नही देखा जाता बल्कि नार्म्ज को देखा जाता है ।

श्री निहाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, जो जवाब मैली जी ने दिया है उसके मुताबिक 88 स्कूलों को अपग्रेड किया गया है । मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इन 88 स्कूलों में अपोजीशन के हल्कों के कितने स्कूल अपग्रेड हुए हैं और रूलिंग पार्टी के हल्कों के कितने स्कूल अपग्रेड हुए हैं? मेरा दूसरा सवाल यह है कि करीब दो महीने पहले चौधरी भजन लाल जी चौधरी फूसा राम जी की माता जी के देहांत पर नारनौल गए थे । जब वे वहां जा रहे थे तो उस वक्त इनके सामने एक कारोता गांव की पंचायत ने एक स्कूल को अपग्रेड किए जाने का प्रार्थना पल दिया था । उस समय इन्होंने पंचायत को कहा था कि इस स्कूल को जरूर अपग्रेड कर दिया जाएगा । लेकिन जब बाद में इन्हें यह पता चला कि वह गांव तो मेरे हल्के में पड़ता है तो वह स्कूल आज तक अपग्रेड नही किया । मैं मुख्यमंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या उस स्कूल को अब अपग्रेड कर दिया जायेगा?

श्री जगदीश नेहरा : यदि नार्म्ज पूरे होंगे तो जरूर अपग्रेड कर देंगे ।

चौधरी भजन लाल : राव साहब, उस स्कूल को अपग्रेड किए जाने के बाकायदा आर्डर कर दिए गए है । मुझे यह भी मालूम है कि वह गांव आपके हल्के में पड़ता है । उस स्कूल को अपग्रेड किए जाने का लैटर पहुंच गया है यदि नही पहुंचा है तो तीन–चार दिन में पहुंच जायेगा ।

Shri Nihal Singh : Thank you.

श्री भागी रामः स्पीकर साहब, लिस्ट के मुताबिक सिरसा जिले के अन्दर 13 स्कूल अपग्रेड किए गांव है । मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इन 13 स्कूलों में से रोडी कान्स्टीच्यूएंसी के कितने स्कूल और ऐलनाबाद काक्टीच्यूएंसी के कितने स्कूल अपग्रैड किए गए है? दूसरी बात मंत्री जी ने यह बताई है कि केवल वही स्कूल अपग्रेड किए जाते है जो नार्म्ज पूरे करते हों । क्या मैली जी बताने की कृपा करेंगे कि जहां पर बिना नार्म्ज पूरें किए स्कूल अपग्रेड किए गए हैं क्या उनकी जांच करवाये जाने के लिए मुख्यमंत्री जी कोई कमेटी बनाने के लिए तैयार हैं? इन्होंने कई कांस्टीचूएंसीज में बगैर नार्म्ज पूरे किए काफी स्कूलों को अपग्रेड कर दिया है जबकि अपोजीशन के हल्कों में स्कूलों को अपग्रेड क्रते समय नार्म्ज को देखा जाता है? इन्होंने अपने हल्के में कई स्कूल वे भी अपग्रेड कर लिए है जिनमें सिर्फ दो या तीन ही कमरे थे ।

श्री जगदीश नेहरा : जैसा माननीय सदस्य ने पूछा है उसी हिसाब से मैं इन्हे बताना चाहूंगा कि रोडी हल्के के अन्दर 5 स्कूल अपग्रेड किए है और ऐलनाबाद हल्के के 2 स्कूल अपग्रेड किए हैं ।

श्री भागी राम : ये दो स्कूल कौन कौन से गांव में अपग्रेड किए गए हैं ।

श्री जगदीश नेहरा : एक फिरोजाबाद में और दूसरा जोथड में । अध्यक्ष महोदय, स्कूल अपोजीशन के हल्के के भी अपग्रेड किए गए है । यह इनकी बात ठीक नही है कि रूलिंग पार्टी के हल्कों में ही

स्कूल अपग्रेड किए जाते हैं । इसके साथ ही साथ क् इन्हें यह भी बताना चाहूंगा कि मुख्यमंत्री जी के हल्के आदमपुर में भी सिर्फ दो स्कूल ही अपग्रेड किए गए हैं ।

Purchase of Gunny Bags by Haryana Agro industries Corporation

***743. Dr. Bhim Singh Dahiya :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether any gunny bags were bought during the years 1983-84 and 1984-85 to-date by the Haryana Agro-Industries Corporation;

(b) if so, the names of the firms from which the said bags were bought together with the specifications of the said bags; and

(c) whether any complaint has been received regarding the under weight of the bags as referred to in part (a) above, if any, purchased ?

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल) :

(क) जी हां ।

(ख) **वर्ष 1983– 84 में**

(1) मैसर्ज भारत ट्रेडिंग कम्पनी (कुण्डली) कटरा काशी नाथ, खारी बावली, दिल्ली ।

(2) मैसर्ज गन्नी टैक्स इण्डिया लिमिटेड (करनाल) नया बाजार, दिल्ली

वर्ष 1984– 85 में

(3) मैसर्ज नैशनल टैक्सटाईल इण्डस्ट्रीज 1716– 18 (प्रथम मजिल) क्वीनज रोड, नया बाजार, दिल्ली ।

1983–84 और 1984– 85 के लिए बोरियों की विशिष्टि

बीः टिबल बोरियां 112 X 67.5 सैन्टीमीटर (44" X 26")वजन 1020 याम (2½ पौंड) प्रति बोरी कीं उठाई/छंटाई 6 X 8 नीली स्टाईप ड्राई सीवन/ जो आईः एस आईः विशिष्टि 2566– 1965 की बनी हो ।

(ग) जी हां ।

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहब, मुख्य मन्त्री जी से पूछा था कि क्या उन्हें कोई शिकायत मिली है तो उन्होंने फरमाया 'जी हां' । क्या मैं जान सकता हूं कि वे शिकायत करने वाले कौन लोग हैं, उन्होंने अपनी शिकायत में क्या लिखा है और आपने उन शिकायतों पर क्या एक्शन लिया है?

चौधरी भजन लाल : स्पीकर साहब, हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज कारपोरेशन लिमिटिड ने बारदाना खरीदा था । इसके बारे फतेहाबाद मत्री, रतिया मण्डी और सिरसा से शिकायत आई कि बारदाने का वजन स्पैसिपिकेशन के मुताबिक पूरा नहीं है और इसके साथ ही साथ इसकी

क्वालिटी घटिया है । जब यह शिकायत आई तो मैंने बाकायदा आई० जी ० विजिलैंस, मिस्टर बाबा को इन्कवायरी के लिए लगा दिया और उन्होंने इन्यवायरी की । इन्होंने यह रिपोर्ट दी कि जितना वजन बारदाने का होना चाहिए उतना नहीं है । हमने फर्म पर जिससे हमने बारदाना परचेज किया था 1, 12, 519 रुपये की पैनल्टी डाल दी और यह पैनल्टी बाकायदा वसूल कर ली हैं ।

श्री मंगल सैन : क्या मुख्यमन्त्री बताने की कृपा करेंगे कि क्या इस फर्म को ब्लैक लिस्ट कर दिया गया है?

चौधरी भजन लाल : फर्म की पेमैंट 6 लाख की बाकी रहती है और इसको ब्लैक लिस्ट करने का फैसना बाकी है । इस रुपए में से पैनल्टी की रकम 1,12,51 9 रुपए काट लेंगे । पैनल्टी (उस पर डाल दी है (शोर) जो 6 लाख रुपए उसको देने हैं उसमें से काट लेंगे

श्री कंवल सिंह : स्पीकर साहब, बैग कम वजन के मिले हैं और जितना कम वजन होगा, उतना ही फालतू गेहूं किसान का गया होगा । क्या मुख्य मंत्री जी बताएंगे कि जितना गेहूं किसान का फालतू गया है, क्या सरकार इस को ध्यान में रखते हुए किसान को कम्पनसेट करेगी?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह बात ठीक है कि बारदाने का वजन कम पाया गया । आप जानते हैं कि बोरियों में मोयश्चर होता है और मई के महीने में बोरियां सूखती है लेकिन हुसके भी नार्म्ज हैं जिनके मुताबिक अनाज तोला जाता है और बारदाना भी ।

श्री फतेह चन्द विजः क्या मुख्य मन्त्री बताएंगे कि जितनी सब–स्टैडर्ड बोरियां पाई गई थीं, क्या उतनी ही बोरियां और खरीदनी पड़ी हैं, अगर खरीदी गई हैं तो क्या आप बताएने कि दोबारा खरीदने पर कितना एक्स्ट्रा रुपया खर्च हुआ और इस एक्स्ट्रा अमाउंट और पैनल्टी के अमाउट में कितना डिफेंस है?

चौधरी भजन लाल : इस में डिफेंस का सवाल नही है । एग्रो इंडस्ट्रीज कारपोरेशन ने 4 लाख 20 हजार बोरियां परचेज की थीं । जो बोरियां सब–स्टैंडर्ड पाई गई उनके कारण फर्म पर पैनल्टी डाली गई है । जब प्रचेजिंग करते हैं तो बाकायदा टैंडर इन्वाईट करते हैं । जिस फर्म का टैंडर लोएस्ट होता है उसी से खरीदते हैं । इस केस में 9 फर्मो से टैंडर आए और इस फर्म का लोएस्ट टैडर था ।

श्रीमती चन्द्रावती : क्या मुख्य मन्त्री महोदय बताएंगे कि जो बोरियां मैनुफैक्चरर ने सब–स्टैंडर्ड मैनुफैक्चर की हैं, क्या इनका सर्कुलेशन वापिस ले लिया है या नही?

चौधरी भजन लाल : जिस पार्टी ने बोरियां सप्लाई की थीं उस पर हमने पैनल्टी डाल दी है ताकि सरकार का कोई नुकसान न हो ।

श्री मंगल सैन : क्या मुख्य मन्त्री महोदय बताएंगे कि जिस आफिसर ने सब– स्टैडर्ड बोरिया खरीदी थीं, उसके खिलाफ क्या एक्शन लिया है (

चौधरी भजन लाल : इसके बारे में इन्क्वायरी चल रही है । कानून के मुताबिक रिस्पांसिबिलिटी फिक्स करनी पड़ेगी ।

Shri Mangal Sein : What is the cause of delay, Sir ?

चौधरी भजन लाल : हम यह देख रहे हैं कि कौन सा आफिसर कसूरवार है जिस आफिसर का कसूर होगा, उसके खिलाफ जरूर एक्शन लिया जाएगा ।

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहब, एन्क्वायरी पहले ही कम्पलीट हो चुकी है । इन्हेंने रिस्पासिबिलिटी फिक्स करनी है । मिस्टर बावा बड़े काबिल आफिसर हैं । क्या मुख्य मंत्री जी बताएंगे कि उन्होंने जो एक्वायरी रिपोर्ट दी है उस पर एक्शन लेने में क्यों संकोच कर रहे है?

चौधरी भजन लाल : मिस्टर बावा ने फौरी तौर पर बताया कि वारदाने का वजन कम है और इसकी क्वालिटी ठीक नही है ।

श्री मंगल सैन : मैं जानना चाहता हूं कि आपने फौरी तौर पर कसूरवार के खिलाफ एक्शन क्यों नही लिया?

चौधरी भजन लाल : जिसका कसूर होगा उसके खिलाफ एक्शन लेंगे । अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं, डिपार्टमैंट में कई आफिसर्ज होते हैं । यह देखना होता है कि' 'किसने आर्डर्ज प्लेस किए, किस ने चौकिंग की और इसके लिए कौन अधिकारी जिम्मेदार होगा । जो भी जिम्मेदार अधिकारी होगा, उसके खिलाफ हम एक्शन– लेंगे और जब एक्शन लेंगे आप को लिख देंगे कि यह यह एक्शन लिया है ।

चौधरी सुरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, मुख्य मन्त्री जी ने बताया कि 1,12,519 रुपए' की पैनल्टी डाली गई है । यह पैनल्टी इसलिए डाली गई है कि दी गई स्पैसिफिर्केशन के मुताबिक 72465 बोरियां सबनटैडर्ड पाई गई, ये गनी–बैग्ज 9.33 रुपऐ प्रति बैग के हिसाब से खरीदे गए लेकिन जो डिफैक्टिव निकले उनके मुताबिक 1,12, 519 रुपए की पैनल्टी डाली गई ।

श्री अध्यक्ष : आप सीधा सवाल पूछिए ।

चौधरी सुरेन्द्र सिंह : जो गन्नी बैग्ज खरीदे गए थे. वे सरकुलेट हो गए और डिफैक्टिव होने के कारण 1,12, 519 रुपए की पैनल्टी डाली गई जो वसूल कर लेंगे और 72, 465 बैग्ज जो डिफैक्टिव है उनके बारे में छ्ग्रो इंडस्ट्रीक कारपोरेशन को डायरैक्शन दी है कि वे वापिस कर दिए जाएं । अब जो बैग्क दोबारा खरीदे गए है उन का रेट 10.65 रुपए प्रति बैग है । इस प्रकार मेरे हिसाब से सवा लाख रुपए का घाटा बुश । क्या मुख्य मन्त्री बताएंगे कि यह घाटी कारपोरेशन बर्दाश्त करेगी या फर्म बर्दास्त करेगी?

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, उस वक्त ये बैग्ज 9.33 पैसे पर बैग के हिसाव से लिए थे । अब इसका भाव 10.65 रुपए है यानी पहले सें अब भाव बढ़ गया है । माननीय सदस्य समझते है कि भाव बढ़ने से नुकसान. हो गया । अध्यक्ष महोदय, एक चीज हम खरीदना चाहते हैं । इसका यही तरीका है कि चीज लो और पैसे दो गा चीज वापिस कर दो । जब चीज वापिस ही कर दी तो नुकसान का

सवाल ही पैदा नही होता । बाकि बोरियां डिफैक्टिव थीं इसलिए फर्म पर पैनल्टी– डाल दी गई ।

चौधरी सुरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, नुकसान तो सरकार को हो गया, लेकिन जो पैनल्टी फर्म पर डाली गई है वह नुकसान होने की वजह से ही डाली गई है। दूसरी तरफ महंगे भाव पर दोबारा बैग्ज खरीदे गए जिसके कारण दूसरी फर्म से होने वाला नुकसान खुद भुगत रहे है ।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, किसी दूसरी फर्म से खरीदे ही नही गए और न ही शिकायत की कोई बात है ।

श्रीमती चन्द्रावती : स्पीकर साहब, मैंने जो सवाल पूछा था उसका जवाब कहीं आया । मैं यह जानना चाहती हू कि जो गनी बैग्ज सर्कुलेशन में हैं क्या उनको विदड्रा किया गया है या नही?

श्री अध्यक्ष : उसका जवाब आ गया है ।

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर साहब, इंक्वायरी के बाद किसी आफिसर के खिलाफ तो कार्यवाही हो जाएगी लेकिन मैं यह जानना चाहता 'हूं कि क्या इस घपले में कोई राजनैतिक व्यक्ति भी शामिल था और यदि था तो उसके खिलाफ क्या कार्यवाही की जाएगी?

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, किसी राजनैतिक व्यक्ति के शामिल होने का कोई सवाल ही नहीं है । डिपार्टमैंट स्वयं चीजें खरीदता है । हमारे पास शिकायत आई और हमने फौरी तौर पर

विजिलैंस को केस सौंप दिया, । जब यह पता लगा कि गनी बैग्ज ठीक सप्लाई नही हुए है तो फर्म पर पैनल्टी डाल दी ।

श्री हरि चन्द हुड्डा : स्पीकर साहब, मुझे तो ऐसा लगता है कि रूल्ज में कुछ खामी है । अगर रूल्ज मजबुत होते तो लाजमी तौर पर किसी न किसी अफसर को फौरन गले से पकड़ा जा सकता था । मेरे ख्याल में तो जो रूल्ज बनाए गए है वे आफिसर्ज को फेवर करते है । क्या चीफ मिनिस्टर साहब यकीन दिलाएगे की रूल्ज को साउन्ड बनाया जाएगा ताकि गलती करने वाले अफसर को तुरन्त पकड़ा जा सके और करप्शन न फैले ।

चौधरी भजन लाल : स्पीकर साहब, मेंने सदन को बताया है कि विजिलैस डिपार्टमेंट के एक बहुत अच्छे और ईमानदार अफसर मि. बावा इस केस में इंक्वायरी कर रहे हें । जिसकी जिम्मेदारी वे फिक्स करेंगे उसके खिलाफ हर हालत में एक्शन लिया जाएगा ।

Additional Tank for Water Works at Sampla

***766. Shrimati Basanti Devi :** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to provide an additional water tank for water works at Sampla; if so, the amount, if any, sanctioned therefor togetherwith the time by which the said tank is likely to be constructed ?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): जी हां। 9 लाख रुपए, जून, 1985 तक पूरा होने की सम्भावना है ।

श्रीमती बसन्ती देवी : स्पीकर साहब, लगभग अढाई साल इस असैम्बली को बने हो गए हैं । मैं पहले दिन से ही यह सवाल पूछ रही हूं कि यह वाटर टैक कब बनेगा और हर बार मुझे यही जवाब दिया जाता है कि जल्दी बन जाएगा । अब मैं फिर यह पूछना चाहती हूं कि यह 9 लाख रुपये कब सैक्शन हुए और यह वाटर टैंक सचमुच कब तक बन जाएगा?

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, 9 लाख रुपए पिछले महीने स क्र मिटिंग में सैंक्शन हुए हैं और जून, 1985 से पहले इस टैक को बना कर तैयार कर देंगे ।

श्री कंवल सिंह : मैं मुख्य मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि अगर किसी गांव ने वाटर सप्लाई की ऐन्हांसमैंट के लिए अपने शेयर की रकम 15 साल पहले जमा करवा रखी हो तो क्या उस गांव को ज्यादा पानी मुहैया करवाने में प्रैफैन्स दी जाएगी? (विध्न) स्पीकर साहब, उस गांव का नाम भगाना है ।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, हालांकि इस सवाल का मेन कवैश्चन से कोई सम्बन्ध नहीं लेकिन फिर भी मैं सदन को बताना चाहूंगा कि अगर गांव वालों ने अपने हिस्से की राशि जमा करवा रखी है तो उसको पहले पानी देने की कोशिश करेंगे ।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने चू कि बडी फराख दिली से जवाब दिया है इस लिए इस फराख दिली का मैं भी फायदा उठाना चाहता हूं । रोहतक की दिक्कत मुख्य मती जी के

नोटिस में है । वहां की आबादी लगभग 2 लाख की है लेकिन पानी के टैंक केवल दो हैं । वहां पानी की बड़ी किल्लत है । इस किल्लत को ध्यान में रखते हुए क्या मुख्य मंत्री जी वहां तीसरा टैक बनवाने का विचार रखते हैं? यदि हां तो वह कब तक बन जाएगा?

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, रोहतक शहर के बारे में 2–3 दफा मीटिंग्ज हुई हैं और वहा सीवरेज, सड्कों, बिजली और सफाई आदि का वाकायदाकाम चल रहा है । इस पर्टिकुलर सवाल की मुझे जानकारी नही है लेकिन हम कोशिश कर रहे हैं कि जहां पानी की दिक्कत है उसे जल्दी से जल्दी दूर किया जाए ।

Irregularities in the Matric and Middle Examinations conducted by the Haryana Education Board

***751. Shri Hira Nand Arya :** Will the Minister of State for Education **be** pleased to state—

(a) whether the Government has received any complaints alleging irregularities/illegalities in the Middle and Matriculation Examinations held in March, 1984 by the Haryana Board of School Education; if so, the action, if any, taken thereon ;

(b) whether any students of more than twenty years of age appeared in the Matriculation Examination, as referred to in part (a) above; if so, the number thereof togetherwith the number out of them who appeared from the D. A. V. High School, Gohana ; and

(c) whether any cases of certificates of Middle and

Matric Examinations wherein dates of birth of students have been recorded as 29th February of a year other than leap year, 30th February, 31st February, 31st April, 31st June and 31st September have come into notice of the Government; if *so,* the number thereof to-date since 1970 ?

Minister of State for Education (Shri Jagdish Nehra) : The information (Annexure 'X') is laid on the Table of the House.

ANNEXURE 'X'

(a) Some verbal complaints regarding the results of the Matriculation Examination 1984 were received. The rechecking of the Matriculation results was done by the Board and the mistakes found in the results have been rectified. 40 Officials found responsible for serious mistakes have been placed under suspension and 19 other defaulting officials are being proceeded against for strict disciplinary action. There was no complaint regarding the Middle, 1984 results.

(b) v 6443 students of more than 20 years of age appeared in the Matriculation Examination 1984 out of which 144 students were from D.A.V. High School, Gohana.

(c) Fourteen cases of certificates wherein the dates of birth were wrongly recorded came to notice and these have already been corrected. Details are as below :—

Examination	Period	No. of cases	Remarks
Middle Examination	1978-1984	9	Date of birth was first introduced

			in Middle Examina-tion Gazette from 1978.
Matric Examination	1970-1984	5	

श्री हीरा नन्द आर्य : स्पीकर साहब, इन्होंने कहा है कि इन के पास शिकायतें आई है । क्या मती महोदय बताएंगे कि उन शिकायतों में एक शिकायत यह भी है कि जो अधिकारी दो या तीन साल पहले पे पर लीकेज के कांड में दोषी पाया गया था और जिस के बारे में मुख्य मंत्री जी का ध्यान भी आया था, उसी अधिकारी को ऐजुकेशन बोर्ड में ओं ० एस ० डी ० के पद पर लगाया गया है?

श्री जगदीश नेहरा : स्पीकर साहब, जैसा मैंने लिखित जवाब में कहा है, मेरे पास बहुत वर्बल कप्लेन्टस आई मैट्रीकुलेशन ऐग्जामिनेशन के रिजल्ट में कुछ गड़बड़ हुई है । मैंने फौरन चेयरमैन और सैक्रेटरी, हरियाणा ऐजुकेशन बोर्ड से कहा कि जो रिजल्ट आउट हुआ है उसके अवार्डशीट्स को रिजल्ट से कम्पेयर करके देखा जाए । ऐसा करने से, जैसा मैंने रिटन रिप्लाई के अनैक्चर 'एक्स' में बताया है, कुछ कमियां पाई गई, जिस के लिए दोषी लोगों को सजा दी गई । जहां तक ओं ० एस ० डी० की अप्वायंमैंट का ताल्लुक है, इसके बारे में अर्ज यह है कि इस व्यक्ति पर लगाए गए ऐलीगेशंज के बारे में जो इंक्वायरी हुई थी उस में यह दोषी नही पाया गया था । (विघ्न) चूंकि

यह व्यक्ति दोषी नहीं था इस लिए इनको ओ० एस ०डी० लगा दिया गया ।

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहब, हमारे लायक दोस्त श्री हीरा नन्द आर्य के सवाल के जवाब में हमारे बड़े काबिल वजीर साहब ने कहा है कि इन्होंने बड़ी स्वीफटनैस से वर्बल कंप्लेन्टस के ऊपर 40 आदमियों को ससपैडं कर दिया । लेकिन मैं आपके द्वारा मंत्री महोदय से जानना चाहता हू कि ये जो गल्तियां हुई हैं इनमें केवल क्लैरिकल स्टाफ ही इनवौलव्ड है या चौयरमैन या किसी रिसपौंसिबल आदमी या औफिसर की कनाईवैंस से ऐसा हुआ है?

श्री जगदीश नेहराः यह बात बिल्कुल गलत है कि चौयरमैन या सैक्रेटरी की कनाईवैस से ऐसा हुआ है । (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने कहा है कि बड़ी स्वीफ्टनैस की गई है । इस में कोई दो राय नही कि उस समय स्वीफ्टनैस की आवश्यकता थी । जब मुझे पता लगा कि कुछ गड़बड़ हुई है तो हम ने एक्शन लिया । जहां तक इस बात का सम्बन्ध है कि इसमें चौयरमैन की भी कोई बात है, यह बिल्कुल गलत बात है । चौयरमैन एजुकेशन बोर्ड का इसके साथ कोई सम्बन्ध नहीं हए । कुल 59 आदमी इसमें शामिल थे जिसमौं कलर्कस, आफिसर और डीलिंग हैन्ड थे । उनमें से 40 सस्पैड कर दिए गए हैं और 19 के खिलाफ कडी अनुशासनिक कार्यवाही की जा रही है ।

श्री ए ० सी ० चौधरी : स्पीकर साहब. मैं आपके शू मैली जी से जानना चाहता हूं कि क्या उन के नालेज में यह बात है कि कुछ

बच्चे जिनकी तादाद करीब सैकड़ों में है, को इस वजह से फेल कर दिया गया कि उन्होने अंग्रेजी के 'बी' पेपर में कम्पोजिशन किसी गाइड से एक प्रकार का ही किया हुआ था यानि वे पेपर मिलते जुलते थे? स्पीकर साहब, उन बच्चों को एक प्रैसक्राइब्ड गाइड दी गई थी जिस में से उन्होंने याद किया हुआ था इसलिए उन्होंने वही लिख दिया । वहां पर कोई विजिलैन्स की चौकिंग नहीं हुई, वहां की कोई शिकायत बोर्ड के नोटिस में नही आई । एक टाईप की किताब उन्हें प्रैसक्राइब्ड की गई थी उसी के याद किए हुए को उन्होंने लिख दिया । जैसे उन्होंने कोई लैटर लिखा है उस ने लिख दिया रोहतक डेटिड सो एरण्ड सो । इस तरह से कई बच्चों ने जो एक प्रकार की ही गाइड से याद किए हुए थे, लिख दिया और उन्हें फेल कर दिया गया । बच्चों ने फरीदाबाद, रोहतक और बल्लभगढ यानि कई जगहों पर ऐसा किया है लेकिन ऐजुकेशन बोर्ड ने उन्हें फेल कर दिया है । अगर यह इररैगुलैरिटी उन के नालेज में नही आई है तो मैं यह मांग करता हूं कि जिन बच्चों के साथ अन्याय हुआ है नन्हे न्याय दिया जाए ।

श्री जगदीश नेहरा : मुझे इस बात का कोई ज्ञान नही है । जैसा इन्होने कहा है, अगर ऐसा हुआ है तो इस बारे में इन्कवायरी करवा ली जाएगी ।

श्री अध्यक्ष : कुछ स्कूल और कालेज तो ऐसा भी कर देते है कि जो पेपर अथसे। है उसे नोटिस बोर्ड पर लिख देते है ।

श्री ए० सी ० चौधरी : स्पीकर साहब, जब इन बच्चों को भिवानी एजूकेशन बोर्ड में बुलाया गया था तो उन्होंने उस रेलेवैन्ट किताब से यह साबित किया कि फलां हैल्प बुक से हमने यह किया है ।

चौधरी सुरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, नेहरा साहब ने श्री मांगे राम के बारे में जो जवाब दिया है उससे में सन्तुष्ट नहीं हूं । इनका मामला दो साल पहले भी आया था । मती जी स्पैसिफिक तौर पर बतायें कि इस अफसर पर पहले भी कोई रिस्पोसिबिलिटी एस्टेबलिश हुई थी, अगर उनके ऊपर नहीं हुई तो और किस के ऊपर हुई थो और उन्हें दुबारा किस आधार पर ओं ० एस० डी ० लगाया गया है?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल) : जैसा कि अभी ओ० एस० डी ० के बारे में रहा कि इन्होंने पहले पेपर्ज लीक किये, उन्होंने उस टाईम पर कोई पेपर लीक नही किया । उन. पर दो साल पहले भी वेग एलीगेशन लगाया गया था । हम ने बाकयदा डी ० आई० जी ० (सी ० आई ० डी ०) से इन्कवायरी करायी है । इन्क्वारी में पाय है कि उनका कोई कसूर नहीं था और न ही पेपर्ज लीक हुए थे । जब उनके बारे दें हमारी पूरी तसल्ली हो गई और इनका कोई कसूर नही पाया गया, और अच्छा आदमी है, किसी प्रकार की कोई कमी नही है तो हमने इसे दुबारा ओ० एस० डी ० लगाया है ।

Mr. Speaker : Question hour is over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर ।

Telephones for the Officers of the Municipal Committee, Yamuna Nagar

***756. Chaudhri Roshan Lal Arya :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the telephone of any officer of Municipal Committee, Yamunanagar was got disconnected in June, 1984; if so, the reasons therefor ;

(b) whether it is also a fact that the said telephone was again got installed for the use of the same officer after a week of its disconnection ; if so, the reasons thereof ;

(c) whether the S T.D. facility of telephone has been provided at the residences of Administrator, Executive Officer and Secretary of Municipal Committee, Yamunanagar ;

(d) whether the S.T.D. facility of telephone has been withdrawn recently from the residences of some of the aforesaid officers ; if so, the designations of such officers ; and

(e) whether it is a fact that the S.T.D. facility has not been withdrawn from the residence of one of the officers as referred to in part (c) above; if so, the designation of that officer togetherwith the reasons therefor ?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) नहीं, सचिव, नगरपालिका यमुनानगर के निवास स्थान का दूरभाष चुंगी अधीक्षक के निवास स्थान पर प्रयोग के तौर पर बदला गया था ।

(ख) हां, ऐसा प्रशासकीय आधार पर किया गया था ।

(ग) केवल प्रशासक, नगरपालिका यमुनानगर के निवास स्थान' पर लगे दूरभाष पर एस० टी ० डी ० की सुविधा उपलब्ध की गई है । यह सुविधा कार्यकारी अधिकारी के निवास स्थान पर लगे दूरभाष पर भी उनके खर्च पर उपलब्ध है । सचिव, नगरपालिका को यह सुविधा उपलब्ध नहीं की गई हु ।

(घ) नहीं ।

(च) नहीं ।

Patients visiting Civil Hospital, Ladwa

***761. Sardar Sujan Singh & Chaudhri Om Parkash :**

Will the Minister for Health be pleased to state—

(a) the number of outdoor and indoor patients separately, who visited the Civil Hospital, Ladwa in district Kurukshetra for treatment during the period from 1-6-82 to 31-7-83 and from 1-8-83 to date; and

(b) whether it is a fact that the X-ray plant of the said Hospital has been lying out of order for the last one year upto 30-6-84; if so, the manner in which the services of the X-ray technician were utilized during the said period ?

स्वास्थ्य मन्त्री (श्रीमती प्रसन्नी देवी) :

(क)

		बहिरंग	अन्तरंग
(1)	1– 6– 82 से 31– 7–83 तक इलाज किये गये रोगियों की संख्या	52,089	773
(2)	1–8–83 से अब तक । अर्थात दिनांक 27– 8–84) ईलाज किये राय रोगियों की संख्या ।	17,502	315

(ख) हां ।

शहरी डिस्पैंसरी लाडवा के रेडियोग्राफर (एक्सरे तकनीशियन) की सेवाएं आवश्यकतानुसार लोक नायक जय प्रकाश नारायण हस्पताल कुरुक्षेत्र में तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रादौर में प्रयोग की गई । उसकी प्रतिनियुक्ति प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रादौर में मई, 1984 में की गई तथा उसका लाडवा से स्थानांतरण करने का मामला विचाराधीन है ।

Deaths of Stock Assistants in Service

***755. Chaudhri Kulbir Singh Malik : Will** the Minister for Animal Husbandry be pleased to state—

(a) whether any Stock Assistants of the Animal Husbandry department died, while in service, during the year 1983-84; if so, total number thereof ;

(b) whether employment has been provided to the family members of the Stock Assistants, if any, whose death occurred while in service in accordance with the Government instructions on the subject ; and

(c) if the reply to part (b) be in the negative, the reasons therefor?

पशुपालन राज्य मन्त्री (चौधरी लाल सिंह) :

(क) जी हां, पांच ।

(ख) तथा (ग) : सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है (अनुबन्ध ''क'') ।

अनुबन्ध 'क'

1 स्वर्गीय श्री राजेन्द्र सिंह, पशुधन सहायक ।

श्री राजेन्द्र सिंह, पशुधन सहायक की विधवा श्रीमती राजकला को वाटर कैरियर । (चतुर्थ श्रेणी) के पद पर लगाने के आदेश दे दिये गये हैं ।

2 स्वर्गीय श्री अजीत सिंह, पशुधन सहायक

श्री अजीत सिंह, पशुधन सहायक की विधवा ने सरकारी सेवा हेतु न स्वयं के लिए और न ही अपने बच्चों के लिए, जो अल्प आयु हैं, प्रार्थना पत्र दिया है ।

3, स्वर्गीय श्री फूसा राम, पशुधन सहायक ।

श्री फूसा राम, पशुधन सहायक की विधवा ने सरकारी सेवा में लगने हेतु आवेदन पत्र नहीं दिया है । परन्तु बह प्रार्थना की है कि उसके पुत, जो कि 10 वर्ष का है, को निर्धारित आयु पूर्ण करने पर सरकारी सेवा में रख लिया जाये ।

4. स्वर्गीय श्री बलबीर सिंह, पशुधन सहायक

सरकार ने श्री बलबीर सिह के पुत्र श्री विनोद कुमार को लिपिक के पद पर लगाने का निर्णय लिया है और उसके बारे चरित्र सत्यापन पुलिस एवं गुप्तचर विभाग द्वारा कराया जा रहा है ।

5. स्वर्गीय श्री महा सिंह, पशुधन सहायक

श्री सुरेश कुमार सुपुत्र स्वर्गीय श्री महासिंह, पशुधन सहायक जो कि मिल्ट्री साईस में एम० ए ० पास है, ने प्रार्थना की है कि उसकी योग्यता अनुसार उसे श्रेणी–II के पद पर लगाया जाये । उसे प्राध्यापक (मिल्ट्री साईस) के पद पर लगाने का मामला सक्रिय रूप से सरकार के पास विचाराधीन है ।

Supply of Electricity to Agricultural Sector and Burnt/Defective Transformers

***776. Shri Kitab Singh :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the number of hours for which electricity was supplied daily to the agricultural sector during the period from 20-

7-84 to 8-8-84; and

(b) whether any transformers, burnt or rendered useless during the period from 20-7-81 to 20-7-84, are lying in any division/subdivision of the Haryana State Electricity Board ; if so, the total number thereof, separately?

Irrigation and Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala):

(a) & (b) A statement containing the requisite information is laid on & the Table of the House.

STATEMENT

(a) The number of hours for which electricity was supplied daily to the agricultural sector during the period from 20-7-84 to 8-8-84 is as follows:—

Date	Daily average hours
20-7-84	8 Hrs
21-7-84	8 Hrs.
22-7-84	10 Hrs.
23-7-84	11 Hrs.
24-7-84	10 Hrs.
25-7-84	8 Hrs.

26-7-84	9 Hrs.
27-7-84	8 Hrs.
28-7-84	8 Hrs.
29-7-84	8 Hrs.
30-7-84	9 Hrs.
31-7-84	10 Hrs.
1-8-84	8.30 Hrs.
2-8-84	9.45 Hrs.
3-8-84	9.00 Hrs.
4-8-84	8.30 Hrs.
5-8-84	7.30 Hrs.
6-8-84	9.00 Hrs.
7-8-84	8.45 Hrs.
8-8-84	9.15 Hrs.

(b) The following transformer damaged or rendered useless from 20-7-1981 to 20-7-1984, in field are lying in various Circles of the Board :—

Sr. No.	Name of Circle	No. of transformers lying
	Ambala	84

	Bhiwani	Nil
	Kurukshetra	30
	Delhi	10
	Karnal	36
	Rohtak	28
	Faridabad	46
	Gurga on	Nil
	Hissar	41
	Total :	275

There are 36 Operation Divisions in the Board with 4-5 subdivisions attached with each division. Collection of the information from about 150 sub-divisions will take considerable time.

Building for Girls High School, Mohindergarh.

***778. Shri Ram Bilas Shrama :** Will the Minister of State for Education be pleased to state—

(a) whether there is any scheme under consideration of the Government to construct building for the Girls High School Mohindergarh ; and ;

(b) if so, the time by which the construction work of the aforesaid building is likely to be started ?

शिक्षा राज्य मन्त्री (श्री जगदीश नेहरा) :

(क) जी, हां ।

(ख) विद्यालय भवन के लिए जमीन उपलब्ध कराई जा रही है । जैसे ही जमीन उपलब्ध हो जाएगी और धनराशि उपलब्ध होगी निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा ।

Increase in the capacity of Electricity Sub-Stations.

***771 Shri Fateh Chand Vij :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the district-wise names of places in the State where 66 K.V., 220 K.V., 33 K.V. and 132 K.V. electricity Sub-Stations, have been set up; and

(b) whether the capacity of any of the Sub-Stations, as referred to in part (a) above, has been raised during the years 1980-81, 1981-82 and 1982-83; if so, the full details thereof together-with the reasons for the said increase?

Irrigation and Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala) :

(a)

& statement containing the requisite information is laid

(b) on the Table of the House.

STATEMENT

(a) The district-wise 'name of places where 220K.V.. 132 K.V., 66 K.V. and 33 K.V. Sub-stations have been set up ending

3/84 in Haryana, are as under :-

		Name	of	sub-station			I	
Name of Distt.		220 KV		132 KV		66 KV		33 KV
1		2		3		4		5
AMBALA	1	Jagadhri	1	Pinjore	1	Surajpur	1,	Naraingarh
	2	Dhulkote			2.	Jagadhri	2	Shahzadpur
		(Ambala)			3.	Mustafa bad	3	Bilaspur
					4	Gobindp uri	4	Kesri
					5	Babyal	5	Ashoka steel
					6.	Jansui		Ambala
					7.	Barora	6	Barwala
					.8.	Chhachr auli		

					9	Sadhaura		
					10,	Chaurmastpur		
					11	Paper Mill		
						Yamuna Nagar		
KURUKSHETRA								
	1	Kuruksh etra	1	Kaithal	1	Pipli	1	Kaithal
			2	Pehowa	2	Rad our	2.	Pehowa
			3.	Cheeka	3	Ladwa	3	Ismailabad
			4	Thana	4	Shahbad	4	Pundri
							5.	Babain
							6.	Cheeka

							7.	Siwan
							8.	Jyotisar
							9.	Bhore
							10.	Dhand
							11.	Kurukshetra
							-	University
							12.	Khanpur
								Kulian
							13.	R.E.C.
								Kurukshetra
							14.	Malikpur
							15	Chakludana
							16.	Dewana
							17.	Ajran Kalan
							18.	Mathna

KARNAL								
	1	Panipat	1	Karnal	1,	Indri	1	Assandh
		(400 KV)	2	Nissing			2	Israna
			3	Gharaund a			3.	Jundla
			4	Nilokheri			4	Sagga
			5	Panipat			5	Munak
				(Switching			6	Nowal
				Stn.)				
			6	Smalkha			7	Amin
							8	Chhajpur-
								Kalan
							9	Jalmana
							10	Nagla Mogha
							11	Bhadson
							12	Biholi
							13	Madhuban
							14	Garhi Birble
							15	Matlaud a

							16	Smalkha
							17	Chandoli
							18	Jamba
							19	Raisina
							20	Rambha
							21	Ghoor
							22	Assan
JIND								
	1	Narwana	1	Jind			1	Julana
			2	Narwana			2.	Uchana
			3.	Safidon			3	Kheri Taloda
			4	Jind (New site)			4	Naguran
							5.	Garhi
							6.	Hatt
							7.	Kalayat
							8.	Dhamtan
							9.	Bibipur

							10.	Rajaund
FARIDABAD	1	Ballabgarh	1	Palwal			1	Hyderabad Asbestos
			2	Globe Steel			2.	Good-year
			3	Faridabad A-2			3	Escorts Ltd.
			4	Palla A-3			4.	Hassanpur.
			5.	Dabriwala			5	Mathura Road
			6	Oswal Steel			6	Partap Steel
			7	Northern India			7	S.G. Steel Ballabgarh
			8	Partap Steel			8	Ford Faridabad
			9	U.S.A. Ltd.			9	Mandkaula
			10	Badraula			10	Chhansa
			11	Idgah			11	Chandhut

			12	A-5 Faridabad			12	Hathin
			13.	A-4 Faridabad				
			14.	Hodel				
GURGAON								
	1	Badshapur	1	Gurgaon			1	Taoru
			2	Pataudi			2.	Farukh
								Nagar
			3.	Soh na			3	Gurgaon
			4	Maruti			4	Nuh
			5	Manesar			5	Punhana
			6	Taoru			6	Ferozepur
								Zirka
			7	Bhadas			7	Badshahpur
			8	Farukh Nagar				

SONEPAT								
			1	Sonepat			1	Kundli
			2	Ganaur			2.	Kharkhoda
							3.	Murthal
							4.	Kaliana
							5.	Larsauli
							6.	Farmana
							7.	Tejpur
							8.	Rai
							9.	Paper Mill
								Bahalgarh
							10.	Sonepat
							11.	Gohana
							12.	Kathura
HISSAR								
	1	Hissar	1	Hansi			1	Uklana

			2	Poly Steel			2.	Barwala
				Hissar			3.	H.T.M.
			3	Tohana			4	Fatehabad
			4	Fatehabad				
			5	Ratia			5	Hissar
			6	Adampur			6.	Adampur
			7.	Jindal Strip			7	Jindal Strip
				Hissar			8.	Bhattu
							9.	Badopal
							10.	Dharsul
							11.	Narnaund
							12.	Vidyut
								Nagar
							13.	Bhuna
							14.	Haronli
							15.	Mundhal

							16.	Jakhal
							I 7.	Boor
							18.	Jindal
								Motal
							19.	Bhutan
								Kalan
							20.	Tolewara
ROHTAK			1	Rohtak	1	Bahadur garh	1	Sampla
			2	Kalanaur			2.	Jhajjar (Town)
			3.	Kosli			3	Jhajjar (Semi-permanent)
							4.	Bahadurgarh
							5.	Machhrauli
							6.	Beri

							7.	J.F.-2
							8.	JC-1
							9.	JF-1 Akheri
								Madanpur
							10.	MC-I
							11.	Meham
							12.	Katharu
							13.	HNG
								Bahadurgarh
							14.	Rohtak
							15.	Ladiana
							16	Bahu
							17	Jassia
							18.	MC-2
SIRSA								
			1.	Sirsa			I.	Rori
			2.	Jeewan-			2	Ludasar

				nagar			3.	Jagmalora
							4.	Ellanabad
							5.	Ding
							6.	Dabwali
							7.	Farwain
							8.	Madhu Singharana
							9.	Panjuwana
							10.	Kalanwali
							11.	Bhura
							12.	Rania
							13.	Sikandarpur
BHIWANI								
	1	Dadri	1	Bhiwani			1	Digwan Jattan
			2	Dadri			2	Jhajjar Kalan

				(Old)				
			3	Jui			3	Siwani
			4	Atela			4	Badhra
			5	Dadri (New)			5.	Loharu
							6.	Behal
							7.	Miran
							8.	Bhiwani (Ind. Area)
							9.	Tosham
							10.	Rudrol
							11.	Berla
							12.	Sanwar
							13.	Satnali
MOHINDERGARH								
			1	Mohindergarh	1	Dharuhera	1	Barauli
			2	Narnaul (Old)			2.	Nangal Chaudhry

			3.	Narnaul (New)			3	JC-2 Pump
								House
			4	Rewari			4	Mundia Khera
			5	Ateli			5	MC-3 Pump
								House
							6	M.C. 4 -do-
							7	M.C.-5 -do-
							8	Kanina
							9	Palawas
							10	Nizampur
							11	Bawal
							12	Pali
							13	NB-1 Pump
								House
							14	Khatodi Khurd
							15	NB-II Pump

								House
							16	NB-III -do-
							17	JC-4 do-
							18	Dahina
							19	NB-4
							20	NB-5
							21	Nangal Sarohi

(b) The augmentations of the capacity of the sub-stations is undertaken only when the load growth in the areas necessitates the **increase** in installed capacity of the sub-stations.

The name of the sub-stations where the capacity has been raised by Haryana Srate Electricity Board during 1980-81, 1981-82 and 1982-83 are as under ;—

	Name of District.			1980-81		1981-82					1982-83		
		Name of Sub-station		Capacity Augmented (in MVA)		Name of Sub-station		Capacity Augmented (in MVA)		Name of Sub-station		Capacity Augmented (in MVA)	
				From	To			From	To			From	To
	1	2		3	4	5		6	7	8		9	10
1.	Ambala												
		132 KV	—			66 KV	Barara	6	14	66 KV	Barara	14	16
		66 KV	—			33 KV	Barwala	4	7		Mustafaba	10	16

											d		
											Yamuna Nagar	25	30
		33 KV	Sadhaura	4	6						Chhachrauli	10	16
										33 KV	Shahzadpur	5	9.3
2.	Kurukshetra												
		66 KV	Shahbad	18	23	132 KV	Pehcwa	36	52	66 KV	Radaur	'12	'14
						33 KV	Kurukshetra	4	8		Shahbad	23	28
							REC						
							Pundri	8	10.3	33 KV	Dhand	8	12.6
3.	Karnal												

		66 KV	Indri	19.5	21.5	33 KV	Jalmana	4	8	132 KY	Nissing	16	24
		33 KV	Boholi	4	8						Gharaunda	16	36
										66 KV	Indri	21.5	23.5
											Nangla Megha	4	8
4.	Jind												
		132 KV	Safidon	16	24	132 KV	Narwana	8	24	33 KV	Kalay at	2	
						33 KV	Garhi	4	6				
5.	Faridabad												
		132 KV	—			66 KV	Northern India	15	23.5	66 KV	Palwal	24	28.5
		66 KV					U.S . A.				Oswal	15	17.5
		33 KV	Hassa	4	8		Faridabad	12	22.5		Idgah	10	20

			npur										
			Bhadas	2	4	33 KV	Ferozepur Zirk a	2	4	33 KV	Ford	4	8
6.	Gurgaon												
		66 KV	Hodel	11.5	21.5	66 KV	Pataudi	15	17.5	66 KV :	Gurgaon	14	22
		33 KV	Bhadas	4	6	33 KV	Power	3.5	5	House JC-IV			
7.	Sonipat												
8.	Hissar												
		33 KV	Bharsul	4	8	132 KV	Tohana	16	24				
			Hisar	12.5	14	33 KV	Bhatu	1	2				
			Barwala	2	4		Bhuna	5	6				

9.	Rohtak												
		1 132 KV	Kosli	16	20	132 KV	Kosli	16	32	132 KV	Rohtak	24	32
		33 KV	MC-I	3.5	7								
			Bahu	6	g								
			Sampl a	2	4								
			Beri	2	4								
10.	Hissar												
		33 KV	Jagmal era	4	8	132 KV	Sirsa	24	32	33 KV	Rori	1	
11.	Bhiwani												
		33 KV	Satnali	2	4	132 KV	Jui Kalan	20.5	28.5	132 KV	Dadri-1I	12.5	28.5
						33 KV	J.F.-II	10	15		A tela	24	32

12.	Mohinder garh												
		33 KV	M.C-2	3.5	7	132 KV	Mohinder garh	25	41	132 KV	Rewari	47	53
						66 KV	Dharuhera	10	30	33 KV	Bawal	10	14.3
						33 KV	Kanina	8	12.6				
							Mundia Khera	4	8				

विभिन्न विषयों का उठाया जाना

श्री वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, 2 9. 8 1984 को मैंने कुछ मोशन्ज दी थीं । आज उनको दिये हुए पांच दिन हो गये हैं लेकिन अभी तक मेरे पास जवाब नहीं पहुंचा कि वे एडमिट हुई हैं या नहीं । मैंने एक मोशन भाखडा कैनाल के बारे में रूल 84 के तहत भी दी थी । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : भाखडा कैनाल वाली मोशन के बारे में भेने गवर्नमैंट के कमैंन्टस मंगवाये हैं ।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब दो मौशन्ज उसी दिन और भी दी थी । उनमें से एक फार्मेसी ट्रैंनिंग कालेज में स्कैन्डल के बारे में थी । वहां पर करोड़ों रुपये का स्कैन्डल हुआ है जिसमें एक मंत्री भी इन्वाल्वड हैं ।

श्री अध्यक्षः इस पर भी मैंने कमैन्टस मंगवाये हैं ।

श्री वीरेन्द्र सिंह : एक और काल अटैन्शन मोशन हरियाणा एग्रीकलचरल यूनिवर्सिटी हिसार के बारे में है । वहां पर बड़ी भारी अफडा–तफडी मची हुई है ।

श्री अध्यक्षः वह मैंने डिस–अलाऊ कर दी है और उसका जवाब भी आपको भेज दिया है ।

श्री वीरेन्द्र सिंह : सर, यह मेरी काल–अटैन्शन मोशन रूरलाइट्स की रिजर्वेशन के बारे में थी । जब से यह यूनिवर्सिटी बनी

है तभी से रूरलाइट्स की रिजर्वेशन रही है । वहां पर 35 परसैन्ट रिजर्वेशन होती थी लेकिन मौजूदा बाइस चान्सलर ने आठ परसैन्ट कर दी है । इस यूनिवर्सिटी के तकरीबन सभी कोर्सिज रूरलाइट्स बेस्ड हैं । यह यूनिवर्सिटी रूरल लोगों को बैनिफिट देने के लिए बनाई गई थी लकिन अब वहां पर 35 परसैन्ट की बजाए आठ परसैन्ट रिजर्वेशन कर दी है । दूसरे वहां पर स्टूडैन्टस का डायरेक्ट इलैक्शन होता था । उन्हें यूनियन बनाने का राइट हुआ करता था लेकिन अब उसे भी इन–डायरेक्ट कर दिया है और कुछ और भी बातें हैं जो काल–अटैन्शन में दी हुई हैं । यह मोशन मैंने रूल 73 के तहत दी हुई थी । आपने रूलिंग दे दी और वह फाइनल भी है परन्तु आप ही बतायें कि हम इस मामले को किस डल के तहत हाउस में उठायें इस बारे में आप ही गाइड करें ।

Mr. Speaker : Chaudhri Sahib, University is an autonomous body and we cannot interfere in the day to day working of the University.

श्री वीरेन्द्र सिंहः सर, हम यहां हाउस में इस मामले को कैसे उठायें? (विघ्न)

श्री अध्यक्षः मैंने आपको जवाब लिख कर भेज दिया है, आप पढ़ लें ।

श्री वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब हमारे प्रदेश के हजारों स्टूडैन्टस के साथ ज्यादती हो रही है । यह बात रूरल लोगों के मुताल्लिक है । यह मामला हरियाणा के 80 परसैन्ट लोगों से रिलेट

करता है इसलिए आप ही इस बारे में गाइड करैं कि इस मामले को कैसे उठाये?

Mr. Speaker : Chaudhri Sahib, I am bound by the Rules and have to go according to the rules of this House (Interruptions).

Shri Verender Singh : But how can I raise that matter, Sir ?

श्री अध्यक्षः आप मेरे चैम्बर में आ कर बात कर लें । जैसे भी यह मामला हाउस में आ सकता है वहां पर बात कर लेगे । (विघ्न)

श्रीमती चन्द्रावती : जनाब यूनिवर्सिटी एटोनोमस बौडी है । यहां पर उसका मामला उठाया जा सकता है क्योंकि यह सरकार से फण्डज लेती है । (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप मेरे चौम्बर में जग जायें वहां बात कर लेगें । We have to discuss certain things in the House according to the rules. (Noise and interruptions).

श्री वीरेन्द्र सिह : सर, वहां पर 35 परसैन्ट रिजर्वेशन की बजाए अब आठ परसैन्ट कर दी है । हम सब लोग दैहात के रहने वाले हैं । पता नहीं वहां पर कहं कैसे कर दिया है?

श्री अध्यक्ष : मैंने आपको कहा है कि आपको जबाब भेज दिया है । अगर उस पर आपको कोई शक हो तो मेरे चौम्बर में आ कर बात कर लें ।

श्री मंगल सैन : स्पीकर सांहब आज सैशन' का पहला दिन है और क्वैश्चन आवर के पश्चात आप बोलने का मौका दे रहे हैं । स्पीकर साहब हेमने बहुत से मोशन्ज डिफरेन्ट रूल्ज के तहत सबमिट किये हैं । मैंने आज भी आपसे मीटिंग में प्रार्थना की थी कि ..... ज्यों ही हम हाउस में पहुंचते हैं तो हमारे हाथ में मोशन आदि का जवाब पकड़ा देते हैं कि आपकी मोशन इस कारण से डिस–अलाऊ कर दी है । रूल 84 के तहत भाखडा नहर के बारे में भी मोशन दी हुई है । भाखडा कैनाल को दो बार तोड़ा गया है । यह नहर केन्द्रीय सरकार की गफलत की वजह से टूटी हे । चार जिलों के एक करोड़ तीस लाख लोग पानी के बिना तडफ रहे हैं । जब सुरजेवाला साहब वहां पर गये थे तो मुझे भी साथ ले गये थे । उन लोगों ने एक लाइफ लाईन तोडी थी इसलिए यह मोशन बड़ी जरूरी है । मेरे पास इसके बारे में कोई जवाब नहीं आया कि यह एड1इमट हुई है यं। नही । दूसरे मैंने आपसे वरबल रिक्वैस्ट भी की थी कि हरियाणा टैक्नीकल एजूकेशन डिपाटमैंट के नीचे फार्मेसी के टेरनिंग कालेज होते है । उन ट्रैनिंग कालेजों में दाखलों में लोगों को लूटा जा रहा है ।

श्री अध्यक्ष : भाखडा कैनाल और फार्मेसी कालेजिज के बारे में मैंने गवर्नमैंट के कमैन्टस मांगे हुए हैं ।

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहब मैं एक बात और अर्ज करना चाहता हूं । मैंने मैडिकल कालेज रोहतक में डिफरेन्ट कोर्सिज जैसे एम ० बी ० ए ०, एम०बी०बी०उएस ० तथा टी ० टी० आई ० भिवानी में एडमिशन में इररैगूलेरिटीज के बारे में काल–अटैन्शन मोशन दी हुई है

। यह बात आपकी ठीक है कि वह एटोनोमस बौडी है । हम उसके इन्टरनल मामलों को टच रहीं कर सकते लेकिन पौलिसिज तो डिस्कस कर सकते हैं । आपने यह कहा है कि इस मैटर को हम टच नही कर सकते । मैं भी बहिन जी की बात में शामिल होता हू और आपसे गाइडैंस सीक करता हूं कि आप हमें इस बारे में एनलाईटन कीजिये कि हम फिर कैसे उसको यहां पर उठा सकते है? आप कहते हैं कि हम उसके बारे में कुछ नहीं कह सकते । हम उसको आखिरकार फाइनांस करते हैं । हमारे कारण से ही उसको यूनिवर्सिटी ग्रान्टस कमीशन से एफीलिएशन की ऐप्रूवल मिली हुई है । हमारा इस बारे में बड़ा भारी रोल है । स्पीकर साहब, आप इस हाउस को इतना पंगु या इतना इन–कम्पीटैट न बनायें कि हम इसकी किसी बात को यहां पर उठा ही न सकें और ये अपनी मनमानी करतें रहें ।

श्री अध्यक्ष : मैं तो नहीं बना रहा हूं । मेरे प्रैडीसैसर बना गये है ।

श्री मंगल सैन : आप फिर एक अच्छा काम कर दीजिये । अच्छा काम तो आप कर ही सकते हैं ।

श्री अध्यक्ष : जैसे मैंने पहले भी कहा है कि अगर आप जरूरी समझते है, तो मेरे चौम्बर में आयें, डिस्कस करें । अगर इसके लिये रूल्ज चेंज करने जरूरी हुए तो वह भी मैं देख लू गा ।

श्री मंगल सैन : मैंने व्हाईट पेपर के बारे में भी एक मोशन दिया था । उस व्हाईट पेपर में हरियाणा के इन्टैरस्ट्स को भी टच

किया गया है । 10 बार सैट्रैल गवर्नमैंट की पंजाब सरकार से और अकाली दल से गुप्त वार्ता हुई है । कभी तो कहा गया कि चंडीगढ़ को बांट दो, कभी कहा गया कि फाजिल्का अबोहर बांट दो (व्यवधान व शोर)

श्री अध्यक्ष : व्हाईट पेपर वाला मोशन तो मैंने डिस–अलाऊ कर दिया है और मैं उम्मीद करता हू कि आपको उसका जवाब मिल गया होगा ।

श्री मंगल सैन : सर, मैं इसी लिए तो आपकी सेवा में अर्ज करना चाहता हूं । (शोर व व्यवधान) सर, इसी के लिए तो मैं प्वायंट बिल्ड–अप करने की कोशिश कर रहा हूं । व्हाईट पेपर के बारे में एक बात हरियाणा को रैफर करके आ रही है । क्या यह हाऊस उसको डिस्कस नहीं कर सकता । रूल 84 के तहत आप हमें इजाजत दे दीजिए ।

श्री अध्यक्ष : आप मुझे बताएं कि जो ओमीशन्ज एण्ड कमीशन्व आफ दी सैट्रैल गवर्नमैंट हैं, या जो सैट्रल गवर्नमैंट की कार–कारदगी है या जो चीजें इन दी एम्बिट आफ दी सैट्रल गवर्नमैंट है, उनमें हरियाणा विधान सभा कैसे इन्टरफीयर कर सकती है ।

श्री मंगल सैन : अगर हरियाणा के हितों की वह बात करती है, अगर हरियाणा के इन्ट्रैस्ट्स की बात उसमें इन्वाल्बड है, this House is fully competent to discuss that issue. तो अगर हम नही करेंगे तो हम अपने प्रदेश का इन्ट्रस्ट कैसे वाच कर सकेंगे ।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल) : स्पीकर साहब, मैं डाक्टर साहब से अपील करूंगा कि वह मेहरबानी करके सदन को गुमराह करने की कोशिश न करें । हमने चण्डीगढ फाजिल्का और अबोहर के बारे में जब भी बात की है, अपने अपोजीशन के भाइयों को विश्वास में लेकर बात की है । जितनी बार भी बात हुई है, डाक्टर साहब हमारे साथ थे, इनको एक–एक बात का पता है । डाक्टर साहब यों ही बात कहे जायें, यह कोई अच्छी बात नही है । हरियाणा के इन्टैरस्ट्स का जहां तक सवाल है, हम उनको वाच कर रहे हैं और प्रधान मंत्री के हाथों में वह पूरी तरह से सुरक्षित हैं । (व्यवधान व शोर)

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहब, मैं उनकी मजबूरी समझता हूं । उनकी यह चीफ मिनिस्ट्री प्राईम मिनिस्टर पर निर्भर करती है । यह उनके आगे पीछे घूमते रहते हैं और उनकी तारीफ के सिवा कोई बात नहीं करते (हंसी) । मैं इनसे क्या एक बात पूछ सकता हूं । 31– 12– 1981 को जो एक लिखकर एग्रीमैंट हुआ था कि दो साल में यह नहर बन कर तैयार हो जाएगी और इन्हेंने यह एलान किया था कि अगर यह नहर नहीं खुदी तो मैं इस्तीफा दे दू गा । क्या ये अब इस्तीफा देंगे ।

चौधरी भजन लाल : इनको एक बात की दाद देनी चाहिए । 31– 12– 1981 को प्रधान मंत्री जी ने कस्सी मार कर नहर का उद्घाटन किया । (शोर व व्यवधान)

श्री मंगल सैन : वह तो कस्सी मारी की मारी रह गयी । स्पीकर साहब, मेरा कहना यह हए कि जो मैंने एडजर्नमैंट मोशन दिया है, वह एडमिट होना चाहिए । इसमें हरियाणा के मुस्तकबिल का सवाल है । हरियाणा के एक करोड़ 30 लाख आवाम का सवाल है जो पानी के लिए तरसते रहे हैं । दो बार नहर तोड़ने के कारण आपको पता है कि आवाम को कितनी परेशानी उठानी पडी है । हमने जो मोशन दिया है, वह एडमिट होना चाहिए ।

श्री अध्यक्ष : अब आप बैठिए ।

16.00 बजे

श्रीमती चन्द्रावती : जनाब, मैंने एक तो इसी भाखडा नहर के बारे में मोशन दिया था । एक बाजरे के सीड के बारे में भी मोशन दि या था । 4 साल से सरकार बाजरे का खराब सीड दे रही है ।

श्री अध्यक्षः मैं कंसीडर कर रहा हूं ।

श्रीमती चन्द्रावतीः 14–8–1984 की फ्लाईट के बारे में भी मैंने मोशन दिया है । बड़ी सीरियस बात है । गवर्नर साहब को लाने के लिए भेजे गए हवाई जहाज में सिविल एवीएशन हरियाणा के एक अफसर के परिवार को लाया गया है । (शोर)

श्री अध्यक्षः मेरे नोटिस में तो आपका यह मोशन आया नहीं है ।

श्रीमती चन्द्रावतीः जनाब, मैंने आज 12 बजे ही यह मोशन दिया है । मैं खुद देकर आयी हूं । (व्यवधान व शोर) स्पीकर साहब कितनी सीरियस चीज है कि गवर्नर साहब को भी ये बीच में घसीट लाए हैं ।

श्री अध्यक्ष : वह मैं देख लू गा ।

श्रीमती चन्द्रावती : पानीपत में अम्बा मिल के बारे में भी मैंने एक मोशन आज 12 बजे ही दिया है कि वहां पर इस मिल को 4500 गज जमीन कौडियों के भाव दे दी गयी है और उसमें करोड़ों रुपये का घपला है । (व्यवधान व शोर)

श्री अध्यक्ष : मैं उसे देख लूं गा लेकिन आप 12 बजे ही क्यों कहती हैं । (हंसी)

श्रीमती चन्द्रावतीः जनाव मैं बता रही थी कि पानीपत में हाली पार्क की जमीन में जहां पर पेडू लगे हुए हैं, फूल लगे हुए हैं, एक स्टेज बनी हुई थी और जिसके साथ बाथरूम भी बना हुआ है, किस तरह से करोड़ों रुपयों का घपला किया गया हे । उसमें इनके एक आफिसर ..... का हिस्सा है । यह भी बहुत जरूरी है, उसको भी यहां पर डिस्कस किया जाए । (व्यवधान व शोर)

श्री अध्यक्ष : यह जो आफिसर का नाम लिया गया है, इसे रिकार्ड न किया जाए ।

चौधरी भजन लाल : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर । बहिन जी इस हाउस की बहुत पुरानी मैम्बर हैं । हम इनका बहुत आदर करते हैं लेकिन जब भी यह बोलने लगती हैं तो इतनी गैर–जिम्मेदाराना बात करती हैं, जिसका कोई अन्त नहीं होता । इन्होंने एक बात एक अफसर के बारे में कह दी कि उसकी भी हिस्सा है । इन्होंने उस अफसर के बारे में कहा जो यहां पर अपने आपको डिफैंड नहीं कर सकता । इनको ऐसा नहीं कहना चाहिए था कि उनक। भी हिस्सा है । अध्यक्ष महोदय, मैंने सारी बात का पता करवाया हे । वह सारी साढ़े तीन कनाल जमीन है । पानीपत में एक इंडस्ट्री वाला, जिसकी कि वहां पर आलरेडी इंडस्ट्री लगी हुई है, ने आज से बहुत पहले 1981 में यह मांग रखी थी । उसकी फैक्ट्री के साथ लगती हुई यह जमीन है । वहां पर पहले सड़क थी । अब वह सड़क दूसरी साईड से चली गयी है । सड़क अबनडन हो गई है । बजाये इसके कि लोग उस पर नाजायज कब्जा करते, हमने वह जमीन उस फैक्ट्री वाले के कहने पे र 41 रुपये गज के हिसाब से दे दी छउ । आप देखिए टोटल जमीन है साढ़े तीन कनाल । हमने बाकायदा कायदे–कानून के हिसा ब से काम किया है । डी० सी ० ने और फाइनैसं वालों ने केस को रिकमैंड किया था । उसी के आधार पर हमने यह किया है । कम से कम किसी दूसरे पर इल्जाम लगाने से पहले अपने गिरेबान में तो झांक कर देख लें कि वह कितनी दूध की कुली हुई हैं । (व्यवधान व शोर) इनके भाई ने एक गलत औरत को खड़ी करके रजिस्ट्री करवाई और बाकायदा उस पर केस चला और सजा हुई । बहन जी ऐसी बात करती हैं, यह पहले अपने गिरेबान में झांके । (शोर व व्यवधान)

श्रीमती चन्द्रावती : स्पीकर साहब, अगर मेरे भाई ने कोई जमीन ली हो तो या तो मैं इस्तीफा दे दू 'गी या चौधरी भजन लाल इस्तीफा दे दें (शोर एवं व्यवधान) ।

चौधरी भजन लाल : हरियाणा प्रांत के एक–एक आदमी को इस बारे में पता है ।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, इस जमीन के बारे में आप इंक्वायरी करवा ल । (शोर एवं व्यवधान) ।

श्री अध्यक्ष : आप कृपया बैठिए ।

ब्रीच आफ प्रिविलेज का प्रश्न

श्री मंगल सैन : अध्यक्ष महोदय, इस सदन के माननीय सदस्यों की अवमानना और मर्यादाओं के बारे में जब प्रश्न उठाया गया तो कुछ हीट जनरेट हुई और उसके बाद ही आपने मुझे मौका दे दिया । स्पीकर साहब, हमारे एक माननीय सदस्य जो मन्त्री भी रहे हैं उनको तीन बार कालका में पुलिस उनके घर से पकड़ कर चण्डी मन्दिर ले गई । उनका बेटा हाई कोर्ट में गया और उनके साथ वारन्ट आफिसर भी चण्डी मन्दिर थाने में गया और वहां पर थानेदार को पूछा कि इनको क्यों लाए हो और इनको जीप में क्यों बिठा रखा है । उसने जवाब दिया कि इनसे हम कुछ इंक्वायरी कर रहे हैं । स्पीकर साहब, मेरे पास कागज हैं जो वारन्ट आफिसर ने दिया हुआ है ।

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल) : स्पीकर साहब, यह हाई कोर्ट का मसला है, इस लिए यहां पर नही उठाया जाना चाहिए ।

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहब, आप इस बात को ऐप्रीशिएट करेंगे कि हमको संविधान ने कुछ अधिकार दिए हैए और हम कुछ दायित्व में बंधे हुए हैं । मुख्य मंत्री जी खफा न हों । मुख्य मन्त्री जी आप वही माननीय सदस्य हैं जब चौधरी बंसी लाल ने आपेको हटा दिया था । हमारे कुछ अधिकार हैं । स्पीकर साहब, मैं कह रहा था कि जब थानेदार को पूछा तो उसने जवाब दिया कि इनको इन्टैरोगेट कर रहे हैं । किस बात के लिए इन्टैरोगेट कर रहे हैं यह कुछ नहीं पता । उन दिनों मैं हरियाणा में नही । था, मैं मद्रास में था । मैंने वहां पर मुख्य मन्त्री का बयान पढ़ा कि इनको अरैस्ट नहीं किया गया । इसका मतलब यह हुआ कि वे शौकिया थाने में चले गए । वारन्ट आफिसर जाकर ले आए लेकिन दस तारीख को फिर पकड़ लिया और तेरह तारीख को फिर रिहा कर दिया । I am concerned with that part only. Speaker, Sir, that police officer must have been suspended then and there. स्पीकर साहब, इनका यह कहना कि इनको अरैस्ट नहीं किया गया कितना गलत है । स्पीकर साहब, अगर अरैस्ट नही किया गया था तो उस पुलिस आफिसर की क्या मजाल है कि एक औनरेबल मैम्बर को उठाकर थाने में रखें । स्पीकर साहब, अगर इनका कोई दोष नहीं था और सिर्फ हिम्यूलेट करने, जलील करने का कोई इरादा था तो इसके खिलाफ मैंने आवाज उठाई है (शोर एवं व्यवधान) । वह इस सदन के एक माननीय सदस्य हैं । आपका उनके साथ डिफरैन्स आफ ओपिनियन हो सकता है

लेकिन अगर आप इस सदन के किसी मैम्बर की आजादी को छीनेगे तो इस सदन के प्रत्येक सदस्य का फर्ज है कि वह उसके खिलाफ आवाज उठाए । इसलिए रूल का फायदा उठाते हुए मैंने यह बात कही है कि इसको प्रिविलिज कमेटी को रैफर किया जाए और जिसने कसूर किया है he must be punished.

श्री अध्यक्षः वह एग्जामिन हो रहा है ।

विभिन्न विषयों का उठाया जाना (पुनरारम्भ)

चौधरी साहब सिंह सैनीः स्पीकर साहब, मैंने एक मोशन दी थी जिसमें यह कहा है कि मुख्य मन्त्री ने सिरसा, हिसार और जींद जिलों को ड्राउट अफैक्टिड एरिया डिक्लेयर किया है । स्पीकर साहब, इसी प्रकार से कुरूक्षेत्र जिले में भी पिछले दिनों बहुत कम बिजली और पानी मिलने के कारण पैडी को काफी नुक्सान हुआ है और इससे वहां के किसान काफी परेशान हैं । इसलिए वहां के किसानों को भी मुआवजा दिया जाना चाहिए और दूसरे जिलों की तरह से कुरूक्षेत्र को भी ट्रीट किया जाना चाहिए ।

श्री अध्यक्ष : वह मुझे मिला नही है, जब मिलेगा तो देखू गा ।

चौधरी कुलबीर सिंह : मलिक स्पीकर साहब, मैंने एक काल अटैन्शन मोशन दी थी । 15 अगस्त को चौधरी लाल सिंह, स्टेट मिनिस्टर एनीमल हस्बैन्डरी जींद गए थे और वहां पर कुछ काँग्रेसी उनसे मिले और इनसे कहा कि कांग्रेस भवन थोड़ी जगह में है और

इसकी ऐक्सटैन्शन के लिए रुपया दिया जाए । इन्होंने वहाँ पर पचास हजार रुपया कम्युनिटी हाल के नाम से दे दिया जो कि काग्रेस भवन पर खर्च होगा । यह बहुत नाजायज बात एं और गवर्नमैंट ऐक्सचौकर पर भारी बोझ है । जो लोग इनसे मिले वे सब कांग्रेसी हैं और वे हैं प्रेजीडैन्ट, डी. सी. सी., प्रेजीडैन्ट, सिटी कांग्रेस, प्रेजीडैन्ट, ब्लाक कांग्रेस, जींद प्रेजीडैन्ट, यूथ कांग्रेस और एक्स एम. एल. ए. (कांग्रेस)...

श्री अध्यक्षः अगर कोई डिवैलपमैंट का काम डिसक्रिशनरी फण्ड से हो जाए तो क्या हर्ज है?

चौधरी कुलबीर सिंह मलिक : कांग्रेस भवन के लिए वह रुपया नही दिया जाना चाहिए । अगर कम्युनिटी हाल के लिए पचास हजार की मैचिग ग्रांट दी गई है तो मैचिंग ग्राँट तो उसको कहा जाता हे जब उस जगह के लोग जमी न दें और उतना ही पैसा पह ले जमा करा दें ।

श्री अध्यक्ष : आपका मोशन मेरे पास पहुंचा नही है, जब पहुंचेगा तो मैं देखूंगा ।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, आज बारह बजे नही बल्कि 29 तारीख को मैंने एक मोशन हरियाणा ऐग्रीकलचर यूनिवर्सिटी के बारे में दिया था और आपने कहा था कि चौम्बर में मुझे मिल लेना.....

श्री अध्यक्ष : आप भी आ जाना ।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, यहां पर फर्ज और डैमोक्रेसी के बारे में बात कही गई । मैं सदन को बताना चाहता हूं कि आज दोपहर पौने दो बजे हम सात आठ सदस्य जिनमें एक मैं था, चौधरी हुकम सिंह थे, ढाँडा साहब और दूसरे कई सदस्य थे, हम सब लोग एम. एल. ए. होस्टल से बस में आ रहे थे । विधान सभा के बाहर बस को डिटेन कर लिया और दो तीन मैम्बर्ज से तो यहां तक किया कि बस रोककर उनकी तलाशी ली और इस तरह से हम पन्द्रह मिनट लेट हो गए । स्पीकर साहब, हम विधान सभा का सैशन अटैन्ड करने आ रहे हैं तो हमारी सुरक्षा का प्रबन्ध होना चाहिए और सदस्यों की बेइज्जती नहीं होनी चाहिए।

Shri Mangal Sein : Sir, it is a matter of privilege. If his statement is correct, the official must be punished.

Mr. Speaker : I will look into the matter.

श्री कंवल सिंह : स्पीकर साहब, मैंने भाखडा मेन लाइन के बारे में एक काल अटैन्शन मोशन तीस तारीख को बारह बजे से पहले दी थी लेकिन उसका अभी तक जवाब नहीं मिला है ।

श्री अध्यक्षः मैंने उस बारे में सरकार के कमैन्टस माँगें हैं ।

श्री कंवल सिंह : स्पीकर साहब, अभी साढ़े तीन कनाल जमीन के बारे मे सदन के अन्दर बात चल रही थी और मुख्य मन्त्री ने उसको डिफैन्ड किया था । स्पीकर साहब, हिसार के बारे में भी सदन के अन्दर बात आई थी कि वहां पर चालीस एकड़ जमीन चुनिन्दा

औफिसर्ज को कौडियों के भाव दे दी गई जबकि एक जिम्मेदार आदमी को अढाई सौ रुपए के भाव से वह जमीन दी है । स्पीकर साहब, मेरा कहना यह है कि इस तरह के केसिज की बाकायदा इन्कवायरी होनी चाहिए और जिस औफिसर का नाम लिया गया है अगर वह बीच में शामिल नही है तो कोई बात नहीं है और यदि कोई औफिसर शामिल है तो ऐक्शन लिया जाना चाहिए ।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, भाखड़ा कैनाल में बीच के बारे में मेरी एक एडजर्नमैंट मोशन थी । मेरी सबमिशन यह है कि इससे हरियाणा के प्रत्येक इन्सान का नुक्सान ददुआ है, हर पशु का नुक्सान हुआ है । इसलिए इसको एडमिट किया जाना चाहिए ।

श्री अध्यक्ष : एडजर्नमेंट मोशन तो डिसअलाउ कर दी है । एडजर्नमैंट मोशन इसलिए नही बनती कि जो कट है वह पंजाब टैरेटरी में है । मैंने काल अटैन्शन मोशन के लिंए कमैन्टस मांगे है ।

श्री हीरा नन्द आर्य :आप यह देखें कि उस कट का असर कहाँ पर पड़ा है ।

श्री अध्यक्ष : एडजर्नमैंट मोशन वैसे बनता नहीं हे । मैंने सारे रीजन्ज जवाब ने दे दिए हैं । काल अटैन्शन मोशन सरकार के पास कमैन्टस के लिए भेज दिया है ।

श्री हीरा नन्द आर्य : अध्यक्ष महोदय मेरा निवेदन है कि आप इस पर पुनर्विचार करें । मैं समझता हूं कि ट्रैजरी बैंचिज और मुख्य मन्त्री महोदय को इस बारे पुनर्विचार करने के लिए कोई एतराज नही

होना चाहिए । अगर ये थोड़ी बहुत भी हरियाणा के हित की बात समझते है तो सारी कार्यवाही सस्पैंड कर के यह मामला डिस्कस करना चाहिए ।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल) : हमें कोई एतराज नहीं है ।

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहब, सी एम. साहब ने कहा है कि उनको कोई एतराज नही है । इस लाइट में आपको भी कोई एतराज नही होना चाहिए । यह मोशन एडमिट हो जाए तो ठीक हैं ।

श्री अध्यक्षः जैसे मैंने पहले भी कहा कि रूल्ज के मुताबिक हमें चलना पड़ेगा । भाखडा कैनाल के बारे में हर आदमी का इन्ट्रैस्ट है । हरियाणा का कोई आदमी ऐसा नहीं है जो इससे अफैक्टिड नहीं है । यह एक मैम्बर का नहीं 7–8 मैम्बरों का मोशन है । अगर यह काल अटैन्शन मोशन में कन्वर्ट हो जाता है तो भी उससे आ पका मतलब हल हो जाएगा ।

श्री हीरा नन्द आर्य : अध्यक्ष महोदय, इस बारे में मुख्य मंत्री जो का पहले भी ब्यान आया था कि चूंकि अपोजीशन के मैम्बरों की मांग थी इसलिए हमने सैशन जल्दी बुलाया है । इसलिये आप इस मामले पर पुनर्विचार करे । जब सदन के नेता को इस बारे में एतराज नही है तो क्यों न इस मामले पर विच । र किया जाए ।

श्री अध्यक्ष : आपको जो जवाब गया है वह पढ़ लीजिए । मैंने सारे रूल्ज कोट करके जवाब दिया है ।

अध्यक्ष द्वारा घोषणा

(1) पैनल आफ चेयरमैन

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैम्बर्ज, हरियाणा विधान सभ– के रूल्ज आफ प्रोसीजर एंड कंडक्ट आफ बिजनैस के रूल 13 (1) के अधीन मैं फालोइंग मैम्बर्ज को पैनले आफ चेयरमैन में काम करने के लिये नौमिनेट करता हूं :–

1. श्री सागर राम गुप्ता

2. श्री इन्द्र सिंह नैन

3. श्री महेन्द्र प्रताप सिंह

4. श्री रोशन लाल आर्य

(2) कमेटी आन पैटीशंज

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैम्बर्ज, हरियाणा विधान सभा के रूल्ज आफ प्रोसीजर एंड कंडक्ट आफ बिजनैस के रूल 286 (1) के अधीन मैं फालोइंग मैम्बर्ज को कमेटी आन पैटीशंज मे काम कश्ने के लिए नौमिनेट करता हूं ––

1. चौधरी वेद पाल, डिप्टी स्पीकर, एक्स औफिशियो चेयरमैन

2. चौधरी बलवीर सिंह ग्रेवाल

3 चौधरी धर्मवीर गाबा

4 श्री निर्मल सिंह

5. श्री रोशन लाल आर्य

सचिव द्वारा घोषणा

(1) राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गए वित सम्बन्धी

श्री अध्यक्ष : अब सैक्रेटरी अनाउसमैंट करेंगे ।

सचिव : मैं उन विधेयकों को दर्शाने वाला विवरण, जो हरियाणा विधान सभा ने अपने बजट (मार्च–अप्रैल) सत्र, 1984 में पारित किए थे तथा जिन पर राज्यपाल महोदय ने अनुमति दे दी है सादर सदन में प्रस्तुत करता हूं––

स्टेटमैन्ट

1. The Faridabad Complex (Regulation and Development) Amendment Bill, 1984.

2. The Haryana Affiliated Colleges (Security of Service) Amendment Bill, 1984.

3 The Punjab Land Revenue (Haryana Amendment) Bill, 1984.

4. The Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendment Bill, 1984.

5. The Faridabad Complex (Regulation and Development) Fees Validation Bill, 1984.

6. The Haryana Rural Development Fund (Amendment) Bill, 1984.

7. The Haryana Development and Regulation of Urban Areas (Amendment) Bill, 1984.

8. The Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Second Amendment Bill, 1984.

9. The Punjab Entertainment Duty (Haryana Amendment) Bill, 1984.

10. The Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) Amendment Bill, 1984.

11. The Haryana Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries and Allowances (Amendment) Bill, 1984.

12. The Haryana General Sales Tax (Amendment and Validation) Bill, 1984.

(2) राष्ट्रपति द्वारा बिलों पर अनुमति रोकने सम्बन्धी

सचिव : मुझे सदन को सूचित करना है कि राष्ट्रपति महोदय ने निम्नलिखित दो विधेयकों पर जो हरियाणा विधान सभा ने अपने सितम्बर, 1982 में हुए सत्र में पारित किए थे, अपनी अनुमति रोक दी है –

1. पैप्सू अभिधृति तथा कृषि भूमि (हरियाणा संशोधन) विधेयक, 1982

2. पंजाब भू–धूति सुरक्षा (हरियाणा संशोधन) विधेयक, 1982

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव––

हरियाणा में खरीफ क्रौप के डैमेज होने आदि सम्बन्धी

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैम्बर्ज मुझे सर्वश्री राम बिलास शर्मा तथा हीरा नन्द आर्य एम ० एल० एज० की ओर से हरियाणा में ड्राफ्ट की वजह से खरीफ क्राप के डैमेज होने, ग्रीन फीडर तथा इलैक्ट्रीसिटी की शोर्टेज तथा फारमर्ज के लोन को रिमिट करने के बारे में काल अटैन्शन मोशन के नोटिस मिले हैं । मैं इन्हें एडमिट करता हूं । अब श्री राम बिलास शर्मा नोटिस पढ़ दें । उसके बाद यदि मन्त्री महोदय आज स्टेटमैंट देना चाहें तो दे दें ।

Shri Ram Bilas Sharma : I want to draw the attention of the august House towards a matter of public importance that draught has badly effected the 'Kharir crops throughout Haryana and particularly in Mahandergarh, Bhiwani, Gurgaon, Faridabad and Rohtak districts. Crops of `Bazra', `Gawar' and `Moong' are totally damaged in these districts. Due to acute shortage of green fodder farmers are facing difficulty in surviving their animals. Farmers are in trouble. The supply of electricity to these areas is so meagre and miserably less that can not cater even to the drinking water supply schemes. People are feeling ignored and the resentment against the Government is increasing with the difficulties of the farmers. I want that this should be discussed and the Government should clarify its stand on this issue and announce relief for the peasantry.

(इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए)

वक्तव्य–

राजस्व मंत्री द्वारा उक्त ध्यानाकर्षण प्रस्ताव सम्बन्धी

राजस्व राज्य मंत्री (श्री लछमन दास अरोडा): इस वर्ष मौनसून काफी अनिश्चित् तथा कम रही हैं जिस से खरीफ फसलों खास तौर पर कपास, धान तथा बाजरा की बुआई पर असर पड़ा है । मौनसून से पहले कोई बारिश न होने के कारण राज्य के कास्ता एरिया में कमी आई है । जुलाई के महीने में बहुत से जिलों में वर्षा सामान्य से कम रही है इस लिए खरीफ फसलों का कास्ता छुरिया लक्ष्य से कम रहा । अगस्त के पहले पखवाडे में भी वर्षा नाकाफी रही जिस से महेन्द्रगढ़, भिवानी, गुड़गांव, फरीदाबाद और रोहतक' जिलों में खरीफ फसलों पर बुरा असर पड़ा । बाजरा, गवार धान तथा कपास की फसलों में नमी की कमी रही । सारे राज्य में बाजरे की फसल नौ सौ हजार हैक्टेयर के लक्ष्य के विरूद्ध आठ सौ दस हजार हैक्टेयर ये बुआई की जा सकी । धान की फसल का लक्ष्य पांच सौ चालीस हजार हैक्टेयर था जब कि केवल चार सौ अस्सी हजार हैक्टेयर में ही बुआई की जा सकी । इसी प्रकार कपास की फसल के तीन सौ पचास हजार हैक्टेयर के विरूद्ध दो सौ पचास हजार हैक्टेयर में बिजाई की जा सकी ।

2. जून और जुलाई, 1984 के महीनों में भाखडा मे न लाईन नहर के लगातार दो बार तोड़े जाने से तथा ना काफी वर्षा से सिरसा, हिसार और जीन्द जिलों में कपास तथा धान की फसलों पर बुरा प्रभाव पड़ा । यह अनुमान लगाया जाता है कि कपास की 8. 50 लाख गट्ठों

की आशा के विरूद्ध केवल 3. 50 लाख गट्ठों की पैदावार ही होगी । भाखडा नहर द्वारा सिंचित इलाके में पानी की आव– श्यकताओं को पूरा करने के लिए पश्चिमी यमुना नहर के पानी को इन इलाकों में पहुंचाया गया जिस से राज्य के दूसरे जिलों में भी खरीफ फसलों पर प्रभाव पड़ा । शुरू में ऐसा जान पड़ता था कि राज्य के दूसरे जिलों में खरीफ की फसलों में 20 से 35 प्रतिशत का नुक्सान होगा । परन्तु अगस्त महीने के पिछले पखवाड़े में पर्याप्त वर्षा होने के कारण खरीफ फसलों के अच्छे होने की सम्भावना बन गई है । जहां तक पशुओं के लिए हरे चारे का सवाल है, राज्य के किसी भी भाग में इस की कमी नहीं रही है । उपायुक्तों से प्राप्त रिपोर्टों से भी पाया जाता है कि हरा चारा पशुओं के लिए आवश्यकतानुसार पर्याप्त माना में उपलब्ध है ।

3. अप्रैल से अगस्त, 1984 के महीनों में कृषि के क्षेत्र में बिजली सप्लाई उतनी ही रही है जितनी कि पिछले साल इस अवधि में थी । किन्तु भाखडा मेन लाईन नहर में कटावों के फलस्वरूप दूसरे सभी सम्भव साधनों से पानी प्राप्त करने के लिए प्रभावित जिलों में बिजली की मांग में असामान्य वृद्धि हुई । फिर भी महेन्द्रगढ़, भिवानी, गुड़गांव, रोहतक तथा फरीदाबाद जिलों की कृषि क्षेत्र की आवश्यकताओं को प्रतिदिन 8 से 9 घण्टे बिजली देकर अधिकतर पूरा किया गया । बहुत से ग्रामीण वाटर–वर्कस ग्रामीण फीडरों से जुड़े हुए हैं और इनकी आवश्यकताओं को भी पूरा करने के हर सम्भव प्रयत्न किए गए ।

4. हाल में सभी इलाकों में हुई वर्षा से सूखे की स्थिति में पहले से काफी सुधार हुआ है । सरकार स्थिति से पूरी तरह सचेत है

तथा हर सम्भव तरीके से किसानों की सहायता करने के लिए सभी उपाय किये जा रहे हैं ।

श्री राम विलास शर्मा: डिप्टी स्पीकर साहब, अभी मंत्री जी ने मेरे काल अटैंशन मोशन का जवाब देते समय यह स्वीकार किया है कि महेन्द्रगढ़, भिवानी, गुडगांवां, फरीदाबाद और रोहतक जिलों में बाजरे की बुआई काफी कम हुई है । (इस समय भी अध्यक्ष पदासीन हुए) अध्यक्ष महोदय, सरकार की इनएफिसिएंसी के कारण भाखडा मेन लाइन लगातार दो बार टूट गई जिसके कारण हिसार और सिरसा जिले में कपास की फसल खराब हो गई । मैं मंत्री जी से स्पैसीफिकली यह जानना चाहता है कि महेन्द्रगढ़, भिवानी, गुडगांवा, फरीदाबाद और रोहतक जिलों के किसानों को राहत देने के लिए क्या उनका ऋण मुलतवी करेंगे और क्या उन जिलों में अभबियाना माफ करेंगे? इसके अलावा मैं यह भी जानना चाहता हूं कि क्या उन जिलों में एग्रीकल्चर परपज के लिए बिजली की माला ज्यादा देंगे या नहीं? He should give some specific answer. This is no answer to my call attention motion.

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल) : अध्यक्ष महोदय, भाखडा मेन लाइन लगातार दो बार तोड़ने की वजह से तीन जिलों में कपास की फसल नहीं बोई गई । भाखडा मेन लाइन तोड़े जाने की वजह से हिसार, सिरसा और जींद इन तीन जिलों में कपास की फसल नहीं बोई गई । इन तीनों जिलों के किसानों के तकावी और बैंकों के कर्जे अगली फसल तक के लिए मुलतबी कर दिए हैं । इसके अलावा मैं

माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि महेन्द्रगढ़ और भिवानी जिलों. में ठण्डी हवा के कारण पिछली फसल खराब हो गई थी उस समय हमारे पास भारत सरकार से 80 लाख रुपया आया था । वह पैसा भी इन जिलों में बांटना है । इसके अलावा इन दोनों जिलों के किसानों को खाद पर भी 25 परसैंट सबसिडी देंगे ताकि महेन्द्रगढ़ और भिवानी जिलों के किसानों को कुछ राहत मिल सके ।

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, महेन्द्रगढ़ जिला में बाजरा, गवार और मूंग तीन फसलें होती हैं । उस जिले में भाखडा नहर का पानी भी नही जाता । जब ये तीनों फसलें बोई गई थीं उस समय के तीन महीने बाद तक बरसात नहीं हुई जिसके कारण सारी फसलें बरबाद हो गई है और पिछली फसल भी खराब हो गई थी । किसान बाजरे की फसल को घास के तौर पर काटेंगे । महेन्द्रगढ़ जिले के किसान बाजरे की फसल को रो कर काटेंगे । मैं आपके द्वारा मुख्य मंत्री जी से यह जानना चाहता हू कि क्या महेन्द्रगढ़ और भिवानी जिले के किसानों के कर्जे की वसूली और तकावी माफ करेंगे?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, महेन्द्रगढ़ और भिवानी जिलों की स्पेशल गिरदावरी करवा लेंगे यदि वहां पर फसल खराब हो गई है तो जो नार्म्ज बने हुए हैं उनके हिसाब से उन जिलों के किसानों के कर्जे और तकावी मुलतवी किए जाएंगे ।

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर साहब, महेन्द्रगढ़ और भिवानी दोनों जिले के किसानों की फसलें बिल्कुल तबाह हो गई हैं इसलिए

उनके कर्जे और तकावी माफ किए जाएं ताकि किसान राहत की सांस ले सकें ।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, जहां तक बाजरे की फसल का ताल्लुक हैं अब बरसात अच्छी हो गई है और टाइम पर हो गई है इसलिए बाजरे की फसल अच्छी हो जाएगी (शोर एवं विध्न) मैं भी जमींदार हूं मुझे सारा पता है । इन जिलों की स्पेशल गिरदावरी करवा लेंगे अगर वहां पर फसल खराब हो गई है तो नार्म्ज के हिसाब से किसानोंको रियायत दी जाएगी ।

श्री हीरा चन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, अभी मती जी ने यह स्वीकार किया है कि भिवानी जिले के कई इलाकों में फसल खराब हो गई और कई इलाकों में फसल की पूरे तौर पर बुआई भी नहीं हुई । क्या सरकार इस बारे में किसानों को राहत देने के लिए विचार करेगी? भिवानी जिले में कुछ इलाके ऐसे हैं जिनमें पिछले तीन चार साल से लगातार फसल खराब होती आ रही है उन इलाकों में किसानों को राहत देने के लिए क्या सहायता के रूप में कर्जा दिया जाएगा? अध्यक्ष महोदय, जिन इलाकों में लगातार कहत पड़ जाए और बरसात न हो तो क्या सरकार उन इलाकों के किसानों को कोई राहत देने के बारे में विचार करेगी?

चौधरी भजन लालः हरियाणा प्रान्त में ऐसा कोई भी इलाका नही है जहां पर लगात्तार पिछले तीन चार साल से बरसात न हो रही

हो और कहत पड़ रहा हो । इसलिए सरकार के सामने ऐसी कोई भी बात विचाराधीन नही है ।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मैं इनको रिकार्ड की बात कहना चाहता हूं । लोहारू के एरिया में लगातार पिछले तीन चार साल से बरसात नही हुई है और कहत पड़ता आ रहा है ।

चौधरी भजन लालः अगर ऐसी बात है तो हम रिकार्ड देखेगे ।

श्री हीरा नन्द आर्य : स्पीकर साहब, मेरी कांस्टीच्यूएंसी लोहारू में आज भी किसानों से कर्जे की वसूली जारी है ।

चौधरी भजन लाल : उस इलाके का रिकार्ड देख लेगे । अगर वाक्ई में उस इलाके में तीन चार साल से बरसात नहीं हो रही है तो किसानों को राहत देने के बारे में विचार कर लेंगे लेकिन हरियाणा में ऐसा कोई इलाका नही है जहां पर तीन चार साल से कहत पड़ रहा हो ।

श्रीमती चन्द्रावती : जनाब स्पीकर साहब, मैंने बडखल लेक के पास सिलिशिया सैड के बारे में एक काल अटैंशन मोशन का नोटिस दिया था उसके बारे में आपने क्या फैसला किया है ।

श्री अध्यक्ष : वह अभी मेरे पास नहीं पहुँचा है जब पहुंच जाएगा तो मैं उसे कंसिडर करूंगा ।

श्रीमती चन्द्रावती : जनाब स्पीकर साहब, वह मैंने आज से तीन चार दिन पहले आपको भेज दिया था ।

श्री अध्यक्षः मैं अभी अपने चौम्बर में जा कर देबू गा ।

श्री राम विलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी सारे हरियाणा के हैं वे केवल हिसार और सिरसा जिले के ही नहीं है । महेन्द्रगढ और भिवानी जिलों में गिरदावरी करवाने की जरूरत नहीं है केवल एग्रीकल्चर डिपार्टमैंट का रिकार्ड देख कर ही वहां के किसानों को सहायता दें । महेन्द्रगढ़ जिले में केवल बाजरा, गवार और मू न तीन फसलें होर्ती हैं और वे तीनों फसलें समय पर बरसात न होने के कारण बरबाद हो चुकी हैं, खत्म हो गई हैं । इन तीन फसलों के अलावा वहां के किसानों के पास जीवन निर्वाह का दूसरा कोई आल्टरनेटिव नहीं है । इसलिए वहां के किसानों का. कर्जा और तकावी माफ किए जाएं ।

श्री अध्यक्षः अभी मुख्य मंत्री जी ने आपको आश्वासन दिया है कि वहां पर स्पेशल गिरदावरी करवा लेंगे ।

चौधरी भजन लालः माननीय सदस्य ने कहा कि मैं केवल हिसार और सिरसा जिले का ही मुख्य मंत्री नहीं हूं. बल्कि सारे हरियाणा का मुख्य मंत्री हु । माननीय सदस्य की यह बात बिल्कुल ठीक है मैं सारे हरियाणा का मुख्य मंत्री हूं और मैं सारे हरियाणा के किसानों को हर तरह की पूरी राहत देता हू ।

श्री राम विलास शर्मा : स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मुख्य मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि जो सुविधा हिसार और सिरसा के किसानों को दी जाएगी क्या वह सुविधा महेन्द्रगढ़ जिले के किसानों को भी दी जाएगी क्योंकि वहां पर लोगों को पीने के पानी की भी बहुत भारी समस्या हे?

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, पीने के पानी की समस्या तो हिसार और सिरसा जिले में भी काफी है । भाखडा मेन लाईन के तोड़े जाने के कारण हिसार और सिरसा जिले में कपास की फसल नही बोई गई इसलिए उन जिलों के किसान कर्जा कहां से देंगे इसीलिए हमने वहां के किसानों का कर्जा म्उलतवी किया है । हरियाणा प्रान्त के सारे जिलों में फसलों का नुक्सान होता रहा है और हम जितनी किसानों की. मदद कर सकते थे उतनी मदद करने की पूरी कोशिश की है । माननीय सदस्य को याद होगा महेन्द्रगढ़ और भिवानी जिलों के किसानों को बिजली के फलेट रेट में जो रियायत दे रखी है उसके बारे में बाकी प्रान्त के किसानों ने हाहाकार मचा रखी है । आज की सरकार ने किसानों को बहुत मदद दी है ।

श्री हीरा नन्द आर्य : स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी गलत कह रहे है किसानों को जो राहत दी हुई है वह चौधरी देवी लाल जी जब मुख्य मंत्री हुआ करते थे उस समय की दी हुई है ।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं झगड़े में नही पड़ता हमने किसानों को पूरी राहत दी है । हमने किसानों को राहत पहुंचाने

के लिए जो भी आबियाना या मालिया माफ किया जा सकता था वह करते रहे हैं । मैं आज ही वहां पर स्पेशल गिरदावरी के लिए आदेश दे दू गा और ज्यों ही हमारे पास रिपोर्ट आएगी उसको देख कर जितनी मदद किसानों की हम कर सकते हैं वह अवश्य की जाएगी ।

श्री हीरा नन्द आर्य : स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मुख्य मंत्री जी को बताना चाहता हूं कि लोहारु इलाके में काफी गांव ऐसे हैं जिनके अन्दर पिछले तीन चार साल से फसल नहीं हुई है ऑर कहत पड़ रहा है आप रेवेन्यू. रिकार्ड देख सकते है, एग्रीकल्चर डिपार्टमैंट का रिकार्ड देख सकते हैं । आप उस इलाके के किसानों का कर्जा माफ कर दें ताकि उनको कुछ राहत मिल सके ।

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहब, एजेन्डे की अगली आइटम पर रोशनी डालने से पहले मैं आपसे एक प्रार्थना करना चाहता हू । आपके सामने हमने काफी काल अटैंशन मोशंज दी हुई हैं उनमें से आपने कुछ एडमिट की होंगी और कुछ रिजैक्ट की होगी आप हमें उनके बारे में अपना फैसला बता दें ताकि हमें पता लग जाए और हम लाइन आफ एक्शन तय कर सकें ।

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, मैं आपको आज 5. 30 बजे बता दूंगा ।

बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, अन्य मैं वेरियस बिजनैस के बारे में बिजनैस एडवाइजरी कमेटी द्वारा फिक्स किया गया टाईम टेबल रिपोर्ट करता हूं

'The Committee met at 11.00 A.M., on Monday, the 3rd September, 1984, in the Chamber of the Hon'ble Speaker.

The Committee, after some discussion, recommends that the Business on the 3rd, 4th, 5th, 6th and 7th September, 1984 be transacted by the Assembly (Sabha) as follows :-

Monday, the 3rd September, 1984 at 2.00 P.M.

1. Obituary References.

2. Questions Hour.

3. Presentation and adoption of the First Report of the Business Advisory Committee.

4. Papers to be laid.

5. Presentation of Supplementary Estimates for the year 1984-85 (First Instalment) and the Report of the Estimates Committee thereon.

6. Presentation of (three) Preliminary Reports of Privileges Committee.

7. Legislative Business (Bills for leave to introduce/introduction) :-

(i) The Haryana Private Colleges (Taking over of Management) Amendment Bill, 1984.

(ii) The Punjab Ayurvedic and Unani Practitioners (Haryana Amendment and Validation) Bill, 1984.

(iii) The Maharshi Dayanand University (Amendment) **Bill,** 1984.

(iv) The Punjab Security of Land Tenures (Haryana Amendment Bill, 1984.

(v) The Pepsu Tenancy and Agricultural Lands (Haryana Amendment) Bill, 1984.

(vi) The Haryana Urban Development Authority (Second Amendment) Bill, 1984.

Tuesday, the 4th September, 1984 at 9.30 A.M.

1. Questions Hour.

2. Discussion and voting on the Supplementary Estimates (First Instalment) for the year 1984-85.

3. Legislative Business.

(i) The Maharshi Dayanand University (Amendment) Bill, 1984.

(ii) The Punjab Security of Land Tenures (Haryana Amendment) Bill, 1984.

alongwith motions for disapproval of the ordinances.

Wednesday, the 5th September, 1984 at 9.30 A.M.

1. Questions Hour.

2. Papers to be laid/re-laid.

3. Legislative Business.

(i) The Pepsu Tenancy and Agricultural Lands (Haryana Amendment) Bill, 1984.

(ii) The Haryana Urban Development Authority (Second Amendment) Bill, 1984.

alongwith motions for disapproval of the ordinances.

Thursday, the 6th September, 1984 at 9.30 A.M.

1. Questions Hour.

2. Non-Official Business.

Friday, the 7th September, 1984 at 9.30 A.M.

1. Questions Hour.

2. Motion under rule 15 (Regarding not-stop sitting).

3. Motion under rule 16 (Regarding Sine-die).

4. Legislative Business.

(i) The Haryana Appropriation Bill in respect of Supplementary Estimates (First Instalment) for the year 1984-85.

(ii) The Haryana Private Colleges (Taking over of Management) Amendment Bill, 1984.

(iii) The Punjab Ayurvedic and Unani Practitioners (Haryana Amendment and Validation) Bill, 1984.

5. Motions under rule 84, if any."

Irrigation and Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala) Speaker, Sir, I beg to move—

That this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ– कि यह सदन बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की फर्स्ट रिपोर्ट में दी गई सिफारिशों के साथ सहमत है ।

श्री मंगल सैन (रोहतक): स्पीकर साहब, मैं इस रिपोर्ट के साथ सहमत न होते हुए आपके द्वारा सदन में प्रार्थना करना चाहता हूं कि बिजनैस एडवाइजरी कमेटी के कार्य के मुताल्लिक जो आपको अधिकार रुल्ज में दिए हुए हैं उसके मुताबिक आपने आज सुबह हमें याद किया था । उस समय भी हमने आपसे प्रार्थना की थी कि यह जो समय दे रहे हैं वह बहुत ही कम है । स्पीकर साहब, आप विधान समा का रिकार्ड उठा कर देख लें । जब से चौधरी भजन लाल जी मुख्य मंत्री बने हैं तब से हमेशा इनकी यही कोशिश रहती है कि सदन की कम से कम बैठक हों । आपके जरिए मैं सदन को बताना चाहूंगा कि अब इन्हें किस चीज का खौफ या डर है जिस कारण यह सदन की कम से कम बैठक करना चाहते है । बहुमत तो इन्होंने जैसे–तैसे बना लिया । तपासे साहब भी यहां से चले गए हैं । उससे अच्छा रिकार्ड .... कर गए हैं । इनके रिकार्ड से तो उनकी लकीर भी छोटी पड़ गई है ।

श्री अध्यक्ष : जो नाम अभी लिया गया है वह रिकार्ड न किया जाए ।

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहब, नाम लेना कोई बुरी बात तो नही है । आप जैसा करें ठीक है । इनके राज में हमें बोलने तक का भी मौका नहीं मिलता । सदन के अन्दर ही मैम्बर बैठ कर सारी बातें कह सकते हैं । कुछेक बातें ऐसी होती हैं जो बाहर पब्लिक मीटिंग में नही कही जा सकती । उन बातों को यहां पर सदस्य कह सकते हैं । लेकिन ये किसी सदस्य को बोलने का मौका ही नही देते । हमें जो जिम्मेदारी जनता ने पांच साल के लिए सौंपी है उसके बारे में हम यहां पर हाउस में बैठकर कह सकते हैं । हम यहां पर बैठ कर जनता की अधिक सेवा कर सकते हैं । यदि बोलने का मौका ही नही देंगे तो जनता ने जो जिम्मेदारी हमें सौंपी है उसको हम कैसे पूरा करेंगे । जो काम सरकार करती है उसके ऊपर नुक्ताचीनी करने का हमें पूरा पूरा समय मिलना चाहिए । जो काम सरकार गलत करती है उसके बारे में हम कहना चाहेंगे और जो काम ठीक है उनके बारे में भी कहना चाहेंगे । लेकिन ये सब बातें उसी समय कही जा सकती है जब हमें बोलने का मौका मिले । पार्लियामैंटरी सिस्टम आठ गवर्नमेंट में बाई डैलीब्रेशन ही एक ऐसा तरीका है जिससे हम विधान सभा में अपनी बात कह सकते हें । जब भी बैठक शुरू होती है तो मुख्य मत्री जी कहते हैं कि काम तो सिर्फ एक ही दिन का है । इन्होंने आज भी कहा था कि काम सिर्फ एक ही दिन का है । अब एक दिन के पांच दिन तो हो गए हैं । हमने सुबह कहा था कि 10 दिन तक सैशन चलना चाहिए । इन्होंने हमारी

इस बात को नही माना । स्पीकर साहब, बहुत से ऐसे मुद्दे हैं जो हम यहां पर कहना चाहते हैं । ये हमेशा ही इधर–उधर दौरों पर रहते हैं । कई बार इनको हाई कमांड के जनरल सैक्रेटरी को भी लेकर आना होता है । इस प्रकार के इधर उधर के बहुत से काम इन्हें करने पडते हैं । यदि आप यहां पर बैठ कर काम करें तो हम भी अपनी बात अच्छी प्रकार से कह सकेंगे और जनता का काम भी अच्छी प्रकार से हो सकेगा और आप भी इस बहाने कम से कम यहां पर बैठे तो रहेंगे । अप्रैल, 4 को सैशन समाप्त हो गया था । आज 3 सितम्बर है । यानि 5 महीने बाद सैशन बुलाया गया हे । इन 5 महीनों के दौरान जो काम सरकार ने किए हैं उसके बारे में तो अपोजीशन के साथी यहीं पर ही अच्छी प्रकार से कह सकते हे । यहां पर हमें जनता की दु:ख तकलीफ को बता ने का मौका मिलना चाहिए । करोड़ों रुपये के घपले फरीदाबाद और गुडगांवां में माइन्ज के हो रहे है । मैं कोई बात किसी व्यक्ति विशेष के बारे में नहीं कहना चाहता बल्कि सिस्टम के बारे में कहना चाहता हूं । एक अखबार ने हिम्मत करके इस बारे में लिखा । इन्होंने उस अखबार वाले को भी सजा दे दी । स्पीकर साहब, बहुत से ऐ से मुद्दे हैं जो हम यहां पर कहना चाहते हैं । पहली से पांचवी तक नाबालिग अबोध बच्चों की किताबें अभी तक नहीं छपी हैं । शिक्षा राज्य मंत्री जी यहां पर बैठे हैं । इनको मैं बताना चाहूंगा कि 13 किताबें मन्जूर हुई थीं । इनमें से अभी तक सिर्फ 11 किताबें ही छपी हैं । ये किताबे 6 लाख के करीब छपनी थी । जबकि अभी तक सिर्फ 4 लाख किताबें ही छप पाई हैं । किताबों की कमी के कारण इन पुस्तकों की

ब्लैक हो रही है । किताबें न मिलने के कारण बेचारे अबोध बच्चे एक्सप्लायट हो रहे है ।

स्पीकर साहब, नहर के मामले को ही आप ले लें । यह भाखडा कैनाल एक बार नहीं टूटी बल्कि दो वार टूटी एं । इस नहर के टूटने के कारण करोड़ों रुपये का नुक्सान अपने प्रान्त को हुआ है । इस नहर के टूटने से चार जिलों में पानी नहीं पहुंचा । फलड कमेटी का मैं भी मैम्बर हूं । एक मीटिंग इन्होंने बुलाई थी । उसमें मैंने इनसे पूछा कि यह नहर बार बार क्यों टूट रही हैं । इस पर मुख्य मैली जी फरमाते है कि इस नहर को पंजाब वाले वे लोग तोड़ रहे है जो हमारे व देश के दुश्मन है । स्पीकर साहब, इसी प्रकार बहुत सारी ऐसी बातें हैं जो हम यहां पर कहना चाहते हैं । समय–समय पर सुरजेवाला जी फरमाते हैं कि आज के बाद हरियाणा में बिजली का कट समाप्त हो गया है । लेकिन अगले ही दिन लोगों के घरों में तेल के दिये जगमगाते नजर आने लगते हैं । सरकार की डिफरेन्ट–डिफरेन्ट पार्टस पर क्या पालिसी है उस बारे में भी हम यहां पर डिटेल में कहना चाहत्ते हें । सरबत खालसा के बारे में बहुत सारी बातें हुई हें । कई मामलों में सरकार अपनी पावर को मिसयूज कर रही है । हमने आपको काफी क्वैश्चन्ज भेजे है । आपने कहा कि वे एडमिट कर लिए गए हैं । जब टाईम देने की बात करते हैं तो आप फरमाते हें कि टाईम तो इन्होंने देना है । आप तो यह कह कर पीछे हट जाते हैं कि जो समय मुझे दिया जायेगा, उसके अन्दर बिजनैस को एडजैस्ट करूंगा । क्वैश्चन्ज तो आपने एडमिट कर लिए । लेकिन जब तक हमें इन पर बोलने के लिए

समय नहीं मिलेगा तब तक एडमिट करने का क्या फायदा हुआ । यह बात समझ में नही आती कि सरकार टाईम देने में क्यों संकोच कर रही है ।

स्पीकर साहब, इसके अलावा मैं यह भी कहना चाहूंगा कि जून के महीने में हमने सैशन बुलाने के लिए मुख्य मंत्री जी को कहा था । इन्होंने बाद में एक प्रैस काफ्रैंस में कहा था कि सैशन तो अक्तूबर के महीने में बुलाना था लेकिन अपोजीशन के कहने पर हम सैशन जल्दी बुला रहे हैं । हमने तो सैशन जून में बुलाने के लिए कहा था । लेकिन इन्होंने हमारे कहने के बावजूद भी दो महीने के बाद सितम्बर में सैशन सिर्फ तीन दिन के लिए बुलाया है जबकि हम 10 दिन की मांग कर रहे थे । आज इन्होंने उस तीन दिन को पांच दिन में बदला है । समय कम देने के कारण हम बहुत सारी बाते कह नहीं पाते । स्पीकर साहब, भाखडा मेन लाईन में बीच होने के बारे में हमने एक एडजर्नमैंट मोशन दी थी । स्पीकर साहब, आप मुझे मुआफ करेंगे, आपने कहा था कि इस पर गौर कर रहे हैं लेकिन अभी तक आपने गौर नही किया । यह हमारे घावों पर नमक छिडकने वाली बात है । अगर नहर टूट जाए और हमें इतना भारी नुक्सान हो जाप तो क्या हम बोल भी नहीं सकते? पंजाब वाले हमें इतना भारी नुक्सान पहुंचा दें और हम फरियाद भी न कर सकें? इसलिए स्पीकर साहब, मैं आप से प्रार्थना करना चाहता हूं कि सैशन में बात करने का जो सिस्टम है इसको पंगु न होने दीजिए । हमें 7 दिन बोलने का मोका दीजिए । आपने शुक्रवार तक सैशन चलाने की बात की है और हम दो दिन और बढ़ाने की बात कह रहे हैं ।

मुख्य मंत्री जी बड़े उदार आदमी हैं । अगर इनसे 20 मांगें मांगते हैं तो ये 24 मांगें मान लेते है । हमारी तरफ से 7 दिन ही मान जाएं ताकि गुड सैस प्रिवेल हो जाए ।

श्रीमती चन्द्रावती (बाढडा): स्पीकर साहब, मैं बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की रिपोर्ट पढ़ नही सकी हू । आपने अभी रिपोर्ट हाउस के सामने पढ़ी है और मैने आप से सुना है कि नान स्टोप सिटिंग आखिरी दिन हो रही है । यह चीज तो हमने कमेटी में मानी नहीं थी?

श्री अध्यक्ष : नान–स्टोप सिटिंग आखिरी–डे को होती है ।

श्रीमती चन्द्रावती : कमेटी मीटिंग में नान–स्टोप वाली बात नहीं हुई थी।

श्री अध्यक्ष : लास्ट–डे को नान–स्टोप सिटिंग होती है और यह रूटीन की बात है ।

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल) : बहन जी, आप वकील हैं और बहुत पुरानी मैम्बर हैं । हमेशा यही होता आया है कि आखिरी दिन नान–स्टोप सिटिंग होती है ।

श्रीमती चन्द्रावती : स्पीकर साहब, सारे प्रान्तों के मुकाबले में हरियाणा प्रान्त में सब से कम सिटिंग्ज होती हैं और यह बात मैं आपके नोटिस में लाई हूं । (व्यवधान) स्पीकर साहब, जो टाईम आपने सैशन का रखा है, मैं समझती हूं कि यह बहुत कम है क्योंकि कंट्रोलर एण्ड

आडिटर जनरल की रिपोर्ट हाउस में आई है, इस पर डिस्कशन होना बहुत जरूरी है । इसके इलावा और भी कई चीजें हैं जिन को पास करना है और इन रिपोर्टस को बिना पढ़े हम कैसे डिस्कस कर सकते हैं । इसलिए कम से कम 10 सिटिंग्ज जरूर होनी चाहिएं । आप देखें, 6 महीने के बाद सिर्फ तीन दिन का सैशन बुला कर खत्म कर दे तो ठीक बात नहीं है । हम तीन दिन में क्या बात कर सकते हैं? मैं चाहती है कि कम से कम 10 सिटिंग्ज होनी चाहिएं ।

श्री वीरेन्द्र सिंह (नारनौंद) : स्पीकर साहब, बिजनैस एडवाईजरी कमेटी की रिपोर्ट को सदन से पास करवाने के लिए चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला ने जो मोशन मूव किया है, मैं इसका विरोध करता हूं । स्पीकर साहब, आप डैमोक्रेसी पर यकीन रखते हैं और मैं समझता हूं कि आप शरीफ इन्सान हैं, इसलिए आप जरूर महसूस करेंगे कि आज वाकई ही अनर्थ हो रहा है । स्पीकर साहब, मेरे आदरणीय मिल डा० मंगल सैन जी ने काफी मुद्दे आपके नोटिस में और इस हाउस के सामने लाये हैं । 4 अप्रैल से लेकर आज तक काफी विषय हरियाणा प्रान्त में इकट्ठे हो गये हैं जिन पर सदन में विचार होना जरूरी है । यह सैशन आज नहीं बल्कि तीन महीने पहले ही बुला लेना चाहिए था । आप जानते हैं, डा ० साहब ने ध्यान दिया था और उसके बाद मैंने ध्यान दिया कि असैम्बली का सैशन फौरी तौर पर बुलाया जाए क्योंकि सारा हरियाणा लपेट में आ गया है । मुख्य मन्त्री जी ने इस बात को माना है कि कपास की फसल आधी भी नहीं बोई गई, पैडी की फसल आधी काश्त नहीं हुई थी जब भाखडा मेन लाईन में बीच हुई थी ।

हार्डली 20 प्रतिशत फसल काश्त हो पाई थी । इसके बाद हरियाणा को पानी नही मिला । सारे हरियाणा में बरसात नहीं हुई, अब दो दिन से बारिस हुई है । बिजली पहले से ही मुल है, ट्यूबवैल्ज से पानी नही मिलता । स्पीकर साहब, काग्रैंस में पूछा गया कि 24 तारीख की मीटिंग के बाद फौरी तौर पर कैसे सैशन बुला लिया गया । चीफ मिनिस्टर साहब ने कह दिया कि अपोजिशन की मांगें थी, इसलिए जल्दी बुलाया । बडा अफ्सोस है, क्या इनको सैशन बुलाने की चिन्ता नही होनी चाहिए? इनको तो इतनी भी चिन्ता नहीं है जितनी आम आदमी को होती छउ । ये हेराफेरी कर के मजाक उड़ाते हैं । ये खुद डायरैक्ट कर सकते थे कि सैशन बुलाना जरूरी था । कौन सा इशू जरूरी नहीं है? क्या भाखडा नहर में बीच होने का इशू हरियाणा के लिए जरूरी नही है? क्या माइन्ज का मसला, जिस में करोडों रुपये की लूट मची हुई है और बड़े–बडे लोग पौलिटीकल लीडर्ज से सम्बन्ध बनाकर, नाजायज तरीके से पैसा इक्ट्ठा कर के अपनी तिजोरियों में डाल रहे हैं, क्या यह इम्पौटैंट इशू नहीं है? अभी अभी डा ० मंगल सैन जी ने सदन के नोटिस में लाया है कि प्राईमरी क्लासिज की छः लाख किताबे छपनी थी लेकिन छपी केवल चार लाख किताबें । ये तो प्राईमरी क्लासिज के बच्चों को शिक्षा नहीं दे सकते और न ही टाईमली किताबे छाप सकते है, क्या यह इम्पोर्टेट इशू नहीं है? स्पीकर साहब, पब्लिक सर्विस कमीशन को कांस्टीच्यूट किया जाता है । इस के मैम्बर्ज की नियुक्ति किस ढंग से होती है, यह भी हम यहाँ डिस्कस करना चाहते हैं । क्या इस बात को डिस्कस करने का यह फौरम नहीं है? असैम्बली का केवल यही काम नहीं है कि बिलों को ही लैजिस्लेट करें । स्पीकर साहब, मुझे

अफ्सोस से कहना पड़ता है कि असैम्बली के बिजनैस में डैमोक्रेसी के नाम की तो ए०बी०सी० भी नहीं चल रही है । इसके मुकाबले में हमारे पड़ौस में हिमाचल प्रदेश की असैम्बली है । इस की रूल्ज कमेटी ने पिछले साल एक रैजोल्यूशन पास किया और इस रैजोल्यूशन को असैम्बली ने यूनानिमसली पास किया । मैं इस रैजोल्यूशन की कुछ लाईनें पढ़ कर सुनाता हूं ––

"Subject to Article 174 the House shall meet often enough for its duties to be amply fulfilled and shall normally meet at least in three sessions each year for not less than 35 sittings in aggregate."

स्पीकर साहब, यह है हमारे पड़ौसी प्रदेश की डैमोक्रेसी । स्पीकर साहब, हम आपको मानते हैं । ठीक है, आपकी भी कुछ लिमिटेशन्ज हैं परन्तु आपका रोल बहुत बड़ा है । टाईम आप अलौट– करते हैं लेकिन टाईम देना इन का काम हे । स्पीकर साहब, आपका स्टैटस बहुत ऊंचा है । अगर आप इनको परसुएड करेंगे तो ये मानेंगे, यह हमारी मान्यता है । अगर ये नही मानते तो असैम्बली का कोई फायदा नहीं है । जिस असैम्बली के स्टैंडर्ड को म्युनिसिपल कमेटी की हैसीयत में खड़ा कर दिया हो, उस असैम्बली का कोई फायदा नहीं है । आज हालत यह है कि लोग असैम्बली में मजोरिटी लिए बैठे रहते हें और समझते है कि मुख्य मन्त्री मैजोरिटी पार्टी का बनेगा लेकिन उनकी मैजोरिटी को कोई नही पूछता । भास्कर राव 20 एम० एल ० ए ० दिखाकर मुख्य मन्त्री बन बैठा । क्या यह डमोक्रेसी है? इन्होंने डैमोक्रेसी का जनाजा निकाल दिया । असैम्बली को म्युनिसिपल कमेटी

के स्टैटस के बराबर कायम करके रख दिया । आज जो वातावरण चल रहा है और असैम्बली का जो स्टैटस गिर रहा है, इसके लिए हम खुद ही जिम्मेदार हैं । आप देखें, 70 करोड़ की जनता में पौलिटीशियन का क्या इमेज है । हम रोजाना दल बदलते रहते हैं । स्पीकर साहब, मुझे बड़े अफ्सोस से कहना पडता हैं, स्पीकर और डिप्टी स्पीकर के लैबल के लोग पहले दिल्ली में राष्ट्रपति के पास आते है और फिर वापिस जाते ही भास्कर राव की पार्टी में मिल कर ओथ लेकर मिनिस्टर बन गये । (व्यवधान)

स्पीकर साहब, हम पौलिटिशियन्ज ने जिस प्रकार से अपनी इज्जत गिरा ली है उसके लिए जनता हमें माफ करने वाली नहीं है । किस प्रकार से यह सरकार डैमोक्रेटिक वैल्यूज की अवहेलना करती जा रही है वह इस बात से सिद्ध होता है कि हमें चौधरी भजन लाल जी जैसे मुख्य मंत्री से यह प्रार्थना करनी पड़ती है कि कुछ टाईम बढ़ाओ, कुछ टाईम बढ़ाओ । अगर इसी प्रकार से सिलसिला चलता रहा तो यह डैमोक्रेसी दम तोड जाएगी । मैं आज मुख्य मती जी को चेतावनी देना चाहता हूं कि अपर इसी प्रकार से डैमोक्रेटिक वैल्यूज को कुचला गया तो हो सकता है कि विपक्ष के सारे सदस्य सामूहिक तौर पर असैम्बली से रिजाईन कर जाएं । (विघ्न) स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा रूल्ज कमेटी के चेयरमैन और मैम्बरान से, यदि यहां कोई रूल्ज कमेटी है, अर्ज करना चाहता हूं कि वह अपनी मीटिंग करे और जो बात मैंने कही है उस पर गौर करे । (विघ्न) मैंने अर्ज किया था कि हमारे पड़ौसी प्रदेश हिमाचल की असैम्बली ने यह फैसला किया है कि साल में कम से

कम तीन बार सैशन बुलाया जाए तथा उसकी 35 सीटिंग्ज हों । इस तरह का रैजोल्यूशन इस हाउस में भी पास होना चाहिए । स्पीकर साहब, मैं आपसे भी एक गुजारिश करना चाहता हूं । आप बहुत अच्छे वकील रहे हैं । आप मंत्री भी रह चुके हैं । अब भी बडे आनरेबल पद पर विराजमान हैं । मैं मानता हूं कि डैमोक्रेटिक वैल्यूज में आपकी आस्था है । अगर आप डैमोक्रेटिक वैल्यूज को कायम रखना चाहते हैं तो सरकार को कहें कि यह गलत काम न करे । अगर यह नहीं मानती है तो मैं समझता हूं कि आपकी कांशियस भी बगावत करेगी और आप इस ओहदे से इस्तीफा देंगे । यही कह कर मैं अपना स्थान लेता हूं ।

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला) : अध्यक्ष महोदय, आज सवेरे जब बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की मीटिंग हुई तो लीडर औफ दी अपोजिशन, श्रीमती चन्द्रावती जी और डा० मंगल सैन जी उसमें उपस्थित थे । पहले तीन दिन का सैशन करने का टैंटेटिव फैसला था ।

श्री मगल सैन : टैटेटिव फैसला आपका था ।

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : ठीक है फैसला हमारा था लेकिन इन्होंने बगैर इस बात को जाने कि बिजनैस कितना है' मुख्य मत्री जी से कहा कि सैशन ऐक्सटैड किया जाना चाहिए । (विघ्न) मुख्य मती जी ने कहा कि डिटेल में बात कर लेते हैं और अगर सैशन ऐक्सटैंड करने की ऐक्चुअली जरूरत हुई तो ऐक्सटैड कर लेगे लेकिन ये दोनों यह कह कर कि 10 दिन से कम सैशन नही होना चाहिए

मीटिंग से चले आए । मुख्य मंत्री जी ने इनकी बात को ध्यान में रखते हुए बड़ी फराख दिली से यह माना कि सैशन 3 दिन के बजाए 5 दिन कर लिया जाए (विघ्न) । स्पीकर साहब मैं यहां पर कोई ऐक्सट्रैनियस बात नही कहना चाहता था लेकिन बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की बात को लेकर के विरोधी पक्ष के जो तीन सदस्य बोले है इन्हेंने चू कि सारे दुनियां के इशूज की चर्चा की है, हालांकि इनको पता है कि बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की रिपोर्ट पर डिसकशन का स्कोप बड़ा लिमिटिड है और इस तरह के इशूज रेज नही किए जा सकते, इसलिए चन्द अल्फाज में मैं उन इशूज की चर्चा करूंगा जो इन्होंने रेज किए है । चौधरी वीरेन्द्र सिंह और डाक्टर साहब ने डेमोक्रेसी की दुहाई देते हुए ऐसा नक्शा खीचा जैसे डेमोक्रेसी का मापदण्ड केवल बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी ही रह गई हो और उसके बगैर डेमोक्रेसी का हनन हो जाएगा । जिस प्रकार मगरमच्छ के आंसू इन्होंने बहाए हैं, मैं इनसे आपके माध्यम से एक सवाल करना चाहूंगा कि डैमोक्रेसी का हनन हमने किया है या उस पार्टी ने किया है जो प्रजातन्त्र प्रणाली में गरीब हरिजनों और बैकवर्ड क्लासिज के लोगों को गांव में वोट नहीं डालने देते तथा बूथ कैप्चर करते हैं । वह पार्टी अगर डैमोक्रेसी का नाम यहां लेती है तो बड़े ताज्जुब की बात है । (शोर)

श्री वीरेन्द सिंह : उस पार्टी का नाम तो आप लें ।

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : वह चौधरी चरण सिंह की पार्टी है । (शोर)

श्रीमती चन्द्रावतीः वह आपकी पार्टी है जिसने अन्ध प्रदेश में बहुमत वाले मुख्य मंत्री को हटाकर भास्कर राव को मुख्य मंत्री बना दिया । (शोर)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, हमने इनकी बात बड़े आराम से सुनी है । इन्हे चाहिए कि ये हमारी बात भी आराम से सुनें ।

चौधरी रोशन लाल आर्य (छछरौली) : अध्यक्ष महोदय, चौधरी सुरजेवाला जी बढा चढ़ा कर इसलिए बातें कर रहे हैं क्योंकि ये उप–मुख्य मंत्री बनना चाहते हैं । मुख्य मत्री जी को चाहिए कि वे ऐसे ही इन्हें उप–मुख्य मंत्री बना दें ताकि इन्हे ज्यादा जोर न मारना पडे । (हंसी)

श्रीमती चन्द्रावती :. .....

श्री अध्यक्ष : यह रिकार्ड न किया जाए ।

चौधरी सुरेन्द्र सिंह (तोशाम) : स्पीकर साहब, काफी देर से चौधरी वीरेन्द्र सिंह और विरोधी दल की नेता जन्हूरियत की चर्चा कर रहे है । इसलिए बेहतर होगा कि खुलकर हरियाणा की डैमोक्रेसी पर बहस कर ली जाए । यदि यह संभव नही है तो इनको इस बात का ख्याल होना चाहिए कि हिन्दुस्तान में कौन सी ऐसी पब्लिक मीटिंग होती है जिसमें हरियाणा की डैमोक्रेसी का जिक्र नही होता ।

17.00 बजे ।

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, आन्ध्र प्रदेश और दूसरे प्रदेशों की भी चर्चा की गई लेकिन मैं इन माननीय सदस्यों से एक बात पूछना चाहता हूं कि जिस समय चौधरी चरण सिंह जी देश के प्रधान मती बने थे, क्या उस समय उनके साथ पार्लियामैंट में बहुमत था? (शोर) जिस प्रकार से चौधरी चरण सिंह जी देश के प्रधान मती बने थे उसी प्रकार से काश्मीर और आन्ध्र में सरकारें बनी हैं । काश्मीर और आन्ध्र प्रदेश में कांग्रेस की स्पोर्ट से सरकार बनी है । चौधरी चरण सिंह. जी पहल प्रधान मतो थे जो पार्लियमेंट को फेस नहीं कर सके और पार्लियामैंट का सैशन नहीं बुला सके । यह इनके लीडर का हाल है । प्रजातन्त्र में एक सबूत है कि वे एक दिन भी पार्लियामैंट नहीं चला सके । (शोर)

श्री अध्यक्षः आप बैठिए । बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग फर इतनी लम्बी डिस्कशन नहीं हुआ करती है । पहले आप लोगों ने डिस्कशन शुरू की थी । (शोर)

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, सुरजेवाला साहब ने फरमाया कि इररैलेवन्ट बातें कही गई हैं । मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि जिस प्रकार से. चौधरी चरण सिंह जी ने राष्ट्रपति से इलैक्शन डिकलेअर करा दिया था क्या ये मैडम प्राईम–मिनिस्टर साहिबा से आन्ध्र प्रदेश में चुनाव कराएंगे । इनकी पार्टी में हिम्मत है तो वहां पर नए चुनाव करवा दें तब सही पोजीशन का पता लग जाएगा ।

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : अगर वहाँ के मुख्य मंत्री का बहुमत नही होगा तो वहां पर चुनाव हो जाएगा । स्पीकर साहब इन्होंने यहां हाउस में यह भी कहा कि जब से चौधरी भजन लाल सी ० एम ० बने हैं तब से बिल्कुल ही सैशन नहीं होता है । में हाउस के सामने फिगर्ज बताना चाहूंगा कि जब से हरियाणा बना है कितने–कितने दिन सैशन चला है यानी मैं इस सैशन की बात बताऊंगा कि अगस्त के महीनों में कितने–कितने दिन सैशन चली है

अगस्त, 1969 में छः दिन ।

अगस्त, 1970 में चार दिन ।

अगस्त. 1971 में चार दिन ।

अगस्त, 1972 में सात दिन ।

नवम्बर, 1973 में पांच दिन ।

जुलाई, 1974 में नौ दिन और अगस्त, 1974 में दो दिन ।

जुलाई, 1975 में तीन दिन और अगस्त, 1975 में एक दिन ।

जुलाई, 1976 में पांच दिन और नवम्बर, 1976 में तीन दिन ।

जुलाई, 1 977 में चार दिन और अक्तुबर, 1977 में चा र दिन ।

अगस्त, 1 978 में तीन दिन और दिसम्बर, 1978 में चार दिन ।

सितम्बर, 1979 में दो दिन ।

जुलाई, 1980 टे पांच दिन और सितम्बर, 1981 में चार दिन ।

सर, अब इससे ज्यादा मैं हाउस के सामने क्या बताऊं कि जो मगरमच्छ के आंसू यहां पर बहाते है उनके टाईम पर इस महीने में केवल दो दिन सैशन बुलाया हे । इसलिए मैं आपसे निवेदन करुगा कि बिजनैस एडवाइजरी की रिपोर्ट को पास किया जाए ।

श्री कंवल सिंह (घिराई) : स्पीकर साहब मैं भी थोड़ा सा अर्ज करना चाहता हूं । चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला जी ने हमारी पार्टी के ली डर चौधरी चरण सिंह के विषय में एक बात कही । (शोर)

श्री अध्यक्ष : बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग के बा रें में हाउस में आधा घण्टे से ज्यादा डिस्कशन नहीं होती है लेकिन आप लोगों ने बहुत ज्यादा समय ले लिया ।

श्री कंवल सिंह : स्पीकर साहब चौधरी चरण सिंह के बारे में यहां चर्चा क्यों आया । आपने जब उन्हें कहने का मौका दिया है तो हमें भी जवाब देने का मौका दे । (शोर) स्पीकर साहब शुरू में इन्होंने जिक्र किया है इसलिए उत्तर देना जरूरी हो गया । इन्होंने कहा कि

चरण सिंह की गवर्नमैंट इनकी मदद से बनी थी । आपको भी पता है कि चौधरी चरण सिंह जी ने इनसे मदद नही मांगी बल्कि इन्दिरा जी माला लिए हुए खड़ी थीं कि वे उनकी माला डलवाएंगे । (शोर एव विघ्न) जब चौधरी चरण सिंह को प्रधान मंत्री बनाया ग या उस समय उन्हीं के पास मैजोरिटी थी, किसी और के पास नहीं थी । (शोर एवं विघ्न) वाक आउट

श्री वीरेन्द्र सिंह : अगर आप हमारी बात मानने को तैयार नही हैं तो हम सदन से सभी वाक–आउट करते हैं । (शोर)

(इस समय विरोधी पक्ष के सभी सदस्य सदन से वाक–आउट कर गए।)

बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है–

कि यह सदन बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की फर्स्ट रिपोर्ट में दी गई सिफारिशों के साथ सहमत हए ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

सदन की मेज पर रखे गए कागज–पत्र

Mr. Speaker : Now a Minister will lay the papers on the Table.

Irrigation and Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala) : Sir, I beg to lay on the Table-

1. The Punjab Security of Land Tenures (Haryana Amendment) Ordinance, 1984 (Haryana Ordinance No. 4 of 1984).

2. The Pepsu Tenancy and Agricultural Lands (Haryana Amendment) Ordinance, 1984 (Haryana Ordinance No. 5 of 1984).

3. The Haryana Urban Development Authority (Second Amendment) Ordinance, 1984 (Haryana Ordinance No. 6 of 1984).

4. The Maharshi Dayanand University (Amendment) Ordinance 1984 (Haryana Ordinance No. 7 of 1984).

5. The Appropriation Accounts 1982-83, Finance Accounts 1982-83 and the Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year 1982-83 (Civil) relating to the Government of Haryana in pursuance of the provisions of clause (2) of Article 151 of the Constitution of India.

6. The Excise and Taxation Department Notification No. G.S.R. 29/H.A. 20/73/S.64/Amd. (1)/84, dated the 30th March, 1984, regarding the Haryana General Sales Tax (First Amendment) Rules, 1984, as required under section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

7. The Excise and Taxation Department Notification No. G.S.R. 48/P.A.16/55/S.3A/Amd. (1) 84, dated the 29th June, 1984, regarding the Punjab Entertainments Duty (Haryana First Amendment) Rules, 1984, as required under section 20 (3) of the Punjab Entertainments Duty Act, 1955.

8. The Excise and Taxation Department Notification No. G.S.R. No. 56/H.A.20/73/S.64/Amd. (2)184, dated the 24th July, 1984, regarding the Haryana General Sales Tax (Second

Amendment) Rules, 1984, as required under section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

9. The General Administration Department Notification No. G.S.R.39/H.A.9/79/S.8/84, dated the 24th May, 1984, regarding the Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) First Amendment Rules, 1984, as required under section 8(3) of the Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) Act, 1979 alongwith its Corrigendum dated the 10th July, 1984.

10. The General Administration Department Notification No. G.S.R. 40/H.A.2/79/S.8/84, dated the 24th May, 1984, regarding the Haryana Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's (Advance for Motor-Car) First Amendment Rules, 1984, as required under section 8(2) of the Haryana Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries and Allowances Act, 1975.

11. The General Administration Department Notification No. G.S.R. 53/H.A.3/1970/S.8,9/84, dated the 5th July, 1984, regarding the Haryana Ministers Travelling Allowance (First Amendment) Rules, 1984, as required under section 9 (2) of the Haryana Salaries and Allowances of Ministers Act, 1970.

12, The 16th Annual Report and Accounts of Haryana Financial Corporation for the year ending 31st March, 1983, as required under section 38 (2) of the State Financial Corporation Act, 1951.

वर्ष 1984–85 की सप्लीमैंटरी एस्टीमेट्स (पहली किश्त) पेश करना

Finance Minister (Chaudhri Katar Singh Chhokar) :

Sir, I beg to present the Supplementary Estimates .(First Instalment) 1984-85.

एस्टीमेट्स कमेटी की वर्ष 1984–85 की सप्लीमैंटरी एस्टीमेट्स (पहली किश्त) पर रिपोर्ट पेश करना

Rao Vijay Vir Singh (Chairman, Estimates Committee) : Sir I beg to present the Report of the Committee on Estimates on the Supplementary Estimates (First Instalment) 1984-85.

ब्रीच आफ प्रिवलेज के मामलों में प्रिवलेज कमेटी की प्रिलिमिनरी रिपोर्टस पेश करना तथा अन्तिम रिपोर्ट पेश करने के लिए समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष: अब चेयरमैन प्रिवलेजिज कमेटी, कमेटी की प्रिलिमिनरी रिपोर्टस पेश करेंगे ।

(1) 24– 5– 1982 को राजभवन में हरियाणा के राज्यपाल का कथित अपमान करने, गाली देने तथा बल प्रयोग करने के लिए चौधरी देवी लाल एम०एल०ए ० के विरुद्ध ।

Shri Inder Singh Nain (Chairman, Committee of Privileges) : Sir, I beg to present the Fifth Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of privilege against Chaudhri Devi Lal, M.L.A. for alleged insulting, abusing and man-handling the Governer of Haryana in Raj Bhawan on the 24th May, 1982.

Sir, I also beg to move—

That the time for the presentation of the final Report to

the House be extended upto the first sitting of the next Session.

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ

कि सदन को अन्तिम रिपोर्ट पेश करने का समय अगले सत की प्रथम बैठक तक बढ़ाया जाये ।

श्री वीरेन्द्र सिंह (नारनौद) : स्पीकर साहब, जब से यह मौजूदा विधान सभा एग्जिस्टैसं में आई है तब से ही यह मैटर पैडिंग पड़ा हुआ है । हर बार नैन साहब रिपोर्ट देने के लिए टाईम बढवाने की कत करते है । चेयरमैन प्रिविलेज कमेटी और मैम्बरान प्रिविलेज कमेटी को यह पता है कि यह मामला हाई कोर्ट में चला गया है । स्पीकर साहब, जब कोई मामला हाई कोर्ट में चला जाए तो उस मामले में प्रोसीडिंग्ज स्टे हो जाती हैं । चेयरमैन, प्रिविलेज कमेटी एक अच्छे वकील हैं, मेरे कोलीन हैं और हिसार में मेरे साथ प्रैक्टिस भी करते रहे हैं । क्या ही अच्छा होता अगर प्रिविलेज कमेटी की प्रोसीडिंग्ज भी तब तक इस मामले में सुओ–मोटो स्टे कर देते जब तक वह मामला हाई कोर्ट में पैंडिंग है । हाई कोर्ट का जब तक कोई फैसला न आ जाये, तब तक इनको प्रोसीडिंग्ज स्टे कर देनी चाहिए थी । लेकिन बड़े अफसोस के साथ मुझे यह कहना पड़ रहा है कि इन्होंने आनरेबल मैम्बर को एक और नोटिस सर्व कर दिया है किं वह कमेटी के रूबरू पेश न होकर इस हाउस की मानहानि कर रहे हैं । मैं आपके द्वारा बिनती करूंगा कि इस मसले में हम पहले भी कई बार कह चुके हैं कि अगर इसे ड्राप कर दिया जाए तो बेहतर रहेगा । इस किस्म का मसला अगर पोलीटीकल रंजिश की वजह से उठाया गया है तो फिर इसका

कोई अन्त नहीं है । चौधरी भजन लाल और उनके लोग ताकत में छैं । यह तो प्रजातंत है । कल को इस प्रदेश में दूसरे लोग भी ताकत में आ सकते हैं और किसी दूसरे मैम्बर के खिलाफ भी इस प्रकार का मोशन फिर आ सकता है। इस सिलसिले को हम ज्यादा तूल न दें और इसको समाप्त कर दें । मैं आपसे यही गुजारिश करूंगा कि सारे हाउस के मैम्बरान की राय यही है कि इसको ड्राप कर दिया जाए ।

श्रीमती चन्द्रावती (बाढड़ा) : स्पीकर साहब, आपकी सेवा में इस मामले पर जो कि आज हाउस के सामने जेरे गौर है, क्योंकि इन्द्र सिंह नैन साहब ने टाईम मांगा है, हम कई बार आपके सामने अर्ज कर चुके हैं । जैसे अभी चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने कहा कि इसको ड्राप कर दिया जाना चाहिए । यह सिर्फ पोलीटीकल रजिश की वजह से मामला चल रहा है । उस दिन हमारे साथ जो साहेबान थे उनमें से कुछ भाई तो आज मिनिस्टर बने बैठे हें । हम तो सिर्फ प्रौटैस्ट करने गये थे । आप एक बात बताइये । कोई कत्ल होता है । एक साथी जो यह कहता है कि कत्ल कर दें या हथियार पकडाता है, वह भी उसमें उतना ही दोषी है जितना कत्ल करने वाला । मैं कोई इतनी बड़ी वकील नहीं हूं । अगर उन दोस्तों को भी उनके साथ ही बांधते तब तो हम मानते कोई बात है । लेकिन आपने तो सिर्फ एक आदमी जिसके साथ आपकी रंजिश थी, उसके खिलाफ इशू बनाया । हम तो सिर्फ प्रोटैस्ट करने गये थे । आज वह सवय आ गया है जब हमें राज्यपालों की संस्था के बारे में भी लोगों के सामने जाना पडेगा कि यह संस्था रहनी चाहिए या नहीं रहनी चाहिए । अपज यह संस्था तो केन्द्र के पास

उचित और प्रजातांत्रिक सरकार को गिराने के लिए एक हथियार बन गई है ।

सिंचाई तथी बिजली मंत्री (चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला) : जब 1977 में आपने सारी असैम्बलीज तुड़वा दी थी, तब क्या गवर्नर्ज किसी खास किस्म के थे । (व्यवधान व शोर)

श्रीमती चन्द्रावतीः बात यह है कि हमारे साथ तो उस समय लोगों का वर्डिक्ट था और सारे नाथ इंडिया में लोगों ने केवल एक श्री नाथू राम मिर्धा को ही कांग्रेस के एम० पी ० के रूप में चुना था । उस समय तो आपके मौजूदा मुख्य मती भी कांग्रेस के खिलाफ लड़े थे मगर बाद में वह कांग्रेस में चले गये । (व्यवधान व शोर) .....

तो मैं अर्ज कर रही थी कि इस मामले को ड्रौप कर दिया जाना चाहिए । वैसे भी वह मामला अब सब–जुडिस हो गया है । पोलीटीकल रंजिश की वजह से यह मामला नहीं चलना चाहिए, यही मेरी अर्ज है ।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल) : अध्यक्ष महोदय, बहिन जी इस हाउस की बहुत पुरानी मैम्बर हें । दु:ख इस बात का है कि हाउस की पुरानी मैम्बर होते हुए और एक वकील होते हुए भी वे इस किस्म की बात कहें कि पोलिटीकल रंजिश की वजह से यह इशू बनाया गया है, इससे बड़ी गलत बात नही हो सकती । स्पीकर साहब, गवर्नर साहब, की बाकायदा इतनी तौहीन और इतनी बेइज्जती की गई है जिसका कोई अन्त नहीं है । यही नहीं, बाह र पब्लिकली कहा है जो

टेप–रिकार्ड किया हुआ मौजूद है कि देखा नहीं, मैंने गवर्नर को गले से पकड़ लिया था । फिर यह भी कहा कि उसका मुंह भी काला करो । यह बातें तो उन्होंने सबके सामने असैम्बली में भी कही हैं । दलबदल की अगर किसी गे शुरुआत की हूल तो वह चौधरी देवी लाल ने की है, उनको इस मामले में पदमश्री मिलना चाहिए । 1967 में यह ड्रामा शुरू हुआ था । चौधरी सुरेन्द्र सिंह जी ने यह भी कहा कि जहां देखो. हरियाणा की दल बदली के बारे में अब भी चर्चा होती है । यह ठीक बात है कि इस किस्म की भी चर्चा होती हे लेकिन इसके साथ ही हरियाणा की डिवैल्पमैंट की भाई चर्चा होती है । यहं चर्चा क्यों शुरू हुई? 1967 में ऐसा माहोल बना जिसमें आया राम गया राम का ड्रामा शुरू हुआ । 1967 में पंडित भगवतदयाल जी मुख्य मंत्री थे । उनकी सरकार एक वोट से गिरी थी। । क्योंकि स्पीकर का चुनाव के वोट से हार गए इसलिए सरकार को अस्तीफा देना पडा था । एक एम ० एल ० ए ० 200 रुपये लेकर– कमरे में बन्द हो गया । बाद में वह बहुत बड़ा आदमी बना । 1967 में यह आया राम गया राम का ड्रामा शुरू हुआ था जब एक एम० एल ०ए० केवल 200 रुपये लेकर कमरे में बन्द हो गया । उस समय एक वोट से सरकार न गिरती तो हरियाणा का नाम बदनाम न होता । यह दल–बदल की बात करते है ।

चौधरी बलवीर सिंह ग्रेवाल : मैं यह कहना चाहता हू कि यह चौधरी देवी लाल को पदमश्री को उपाधि देना चाहते है तो हम इनको भारत रत्न की इस मामले मे उपाधि देने को तैयार हैं । पहले जम्मू–काश्मीर में कैसे सरकार गिरायी गयी। । फिर आन्ध्र प्रदेश में

किस तरह से राम लाल ने वहां की सरकार को गिराया यह सोचने की बात है । (विध्न)

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है––

कि सदन को अन्तिम रिपोर्ट पेश करने का समय अगले सत्र की प्रथम बैठक तक बढ़ाया जाये ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

चौधरी सुरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, अभी थोड़ी देर पहले जब मुख्य मन्त्री जी बोल रहे थे तो उन्होंने कोई बात गोलमोल कही थी । मेरा कहना यह है कि अगर मुख्य मन्त्री जी की बात का भाव मेरी तरफ या चौधरी बसी लाल की तरफ था तो वे खुलकर कहें ।

श्री अध्यक्ष : आपकी तरफ कुछ नही था ।

(2) 24–6– 1982 को सदन में राज्यपाल के अभिभाषण के अवसर पर उनके कथित अवचार सम्बन्धी चौधरी देवी लाल एम० एल० ए ० के विरुद्ध

Shri Inder Singh Nain (Chairman, Committee of Privileges) : Sir, I beg to present the Fifth Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of privilege against Chaudhri Devi Lal, M.L.A. regarding his misconduct on the eve of Governor's Address to the House on the 24th June, 1982.

Sir, I also beg to move—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of the next session.

श्री मंगल सैन : आन ए प्वायंट आफ आर्डर । स्पीकर साहब, मैं बाहर था । चीफ मिनिस्टर साहब कुछ कह रहे थे मैं उसको मुनकर भागकर आया । यहां पर बड़ी' अनफारचूनेट बात हो रही थी । चीफ मिनिस्टर ने इस ओगस्ट हाउस के किसी मैम्बर के बारे में बात कही कि वह दो सौ रुपया लेकर बन्द हो गया । यह बहत गैर जिम्मेदारी की बात है और इस तरह की बात कहना हाउस की इंसल्ट है । It is aninsult to this House. His name must be told on the floor of the House.

श्री अध्यक्षः हाउस में कोई नाम नहीं आया है ।

श्री वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, नाम आना चाहिए कि वह कौन आदमी था ।

Shri Mangal Sein : It is a matter of privilege, Sir. I was a member at that time of this House, Sir. It is a very serious matter.उस समय राव निहाल सिंह भी मैम्बर थे, मैं था, विज साहब उस समय मैम्बर थे । हम तो कटघरे में खड़े हो गए । हमने तो पचास हजार का नाम सुना था । दो सौ रुपए में कोई मैम्बर बन्द हो गया यह कहना बडी सीरियस बात है । बाद में उनका इशारा बहुत बड़े आदमी की तरफ हो गया था

मुख्य मन्त्री (चौधरी' भजन लाल): क्या आप बड़े आदमी नही है?

Shri Mangal Sein : Sir, I may be allowed to speak on personal explanation regarding what our worthy Chief Minister has said here.

श्री लछमन सिंह : स्पीकर साहब, उस वक्त मैं भी मैम्बर था और कम से कम चौधरी भजन लाल तो उस वक्त मैम्बर नहीं थे हमने तो नहीं सुना कि किसी मैम्बर ने पैसा लिया हो । न तो किसी ने दो सौ रुपया लिया और न किसी ने कोई रुपया दिया । यह बात बिल्कुल गल्त है । यह बात इन्होंने वैसे ही कह दी है । अपार कोई आदमी है तो ये बताए उस वक्त हम भी मैम्बर थे हमने तो ऐसी कोई बात नही सुनी ।

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ––

कि सदन को अन्तिम रिपोर्ट पेश करने का समय अगले सत्र की प्रथम बैठक तक बढ़ाया जाये ।

श्री मंगल सैन (रोहतक) : स्पीकर साहब, राज्यपाल महोदय चले गए और नए राज्यपाल आ गए । बात पुरानी हो गई । इनको उस बात से बडी तकलीफ हुई है । उन्होंने वाइस चान्सलर की सुपुत्री से एक किताब जिसका नाम 'मड हाउस टू राज भवन' है वह लिखवाई । फिर वह मामला उठेगा । उनको यहां आना पड़ेगा । बेकार को उनकी फजिहत होगी । काफी कम्पलीकेशंज होगी । इसलिए इस इशू को खत्म कर दिया जाए । आप इनको समझाए।

श्री अध्यक्ष : आप बैठिए मैं समझाऊंगा ।

श्री हरिचन्द हुड्डा (किलोई) : स्पीकर साहब, मैं चौधरी देवी लाल से मिला था । उन्होंने भी कहा है कि उसका फैसला आज ही कर दो । इधर कर दो या उधर कर दो लेकिन लटकाने की कोई बात नही होनी चाहिए । उनको किसी बात का डर नही है

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है–

कि सदन को अन्तिम रिपोर्ट पेश करने का समय अगले सत्र की प्रथम बैठक तक बढ़ाया जाये ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

(3) चौधरी हरद्वारी लाल, उप कुलपति महर्षि दयानन्द यूनिवर्सिटी रोहतक के विरुद्ध

Shri Inder Singh Nain (Chairman, Committee of Privileges) : Sir, I beg to present the third Preliminary Report of the Committee of Privileges o1 the matter in regard to the question of alleged breach of Privilege against Chaudhri Hardwari Lal, Vice-Chancellor, Maharshi Dayanand University, Rohtak for his writing a book-let "Legislature, Judiciary, Press and Universities" casting aspersions on the Members and lowering the image and prestige of the House and its Members.

Sir, I also beg to move—

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of next session.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ–

कि सदन को अन्तिम रिपोर्ट पेश करने का समय अगले सत्र की प्रथम बैठक तक बढ़ाया जाये ।

श्री अध्यक्षः प्रश्न है–

कि सदन को अन्तिम रिपोर्ट पेश करने का समय अगले सव की प्रथम बैठक तक बढ़ाया जाये ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

श्री अध्यक्ष : मैंने मौशंज के मुताल्लिक आपको कहा थाकि मैं साढ़े पांच बजे बताऊंगा । चूंकि मैं हाउस से जा नहीं पा या इसलिए मैं कल क्वैशचंज आवर के बाद सब मोशज के बारे में बताऊंगा ।

बिल्ज (इंट्रोड्यूस्ड सदन की अनुमति से)

दि हरियाणा प्राईवेट कालिजिज (टेकिंग ओवर आफ मैनेजमैंट) अमैंडमैंट बिल, 1984

Irrigation and Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala) : Sir, I beg to move—

That leave be granted to introduce the Haryana Private Colleges (Taking over of Management) Amendment Bill.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ कि–

दि हरियाणा प्राईवेट कालिजिज (टेकिंग ओवर आफ मैनजमैंट) अमैंडमैंट बिल को इन्ट्रोड्यूस करने की परमिशन दी जाए ।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है कि –

दि हरियाणा प्राईवेट कालिजिज (टेकिंग ओवर आफ मैनेजमैंट) अमैंडमैंट बिल को इन्ट्रोड्यूस करने की परमिशन दी जाए ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

Irrigation and Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala) : Sir, I, introduce the Bill.

दि पंजाब आयुर्वेदिक एड यूनानी प्रैक्टीशनर्ज (हरियाणा अमैंडमैंट एंड वैलिडेशन) बिल, 1984

Irrigation and Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala) : Sir, I beg to move—

That leave be granted to introduce the Punjab Ayurvedic and Unani Practitioners (Haryana Amendment and Validation) Bill.

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव हुआ कि–

प्रस्तुत हुआ

दि पंजाब आयुर्वेदिक एंड यूनानी प्रैक्टीशनर्ज (हरियाणा अमैंडमैंट एंड वैलिडेशन) बिल को इन्ट्रोड्यूस करने की परमीशन दी जाए ।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है कि–

दि पंजाब आयुर्वेदिक एंड यूनानी प्रैक्टीशनर्ज (हरियाणा अमैंडमैंट एंड वैलिडैशन) बिल को इन्ट्रोड्यूस करने की परमिशन दी जाए ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

Irrigation and Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala) : Sir, I introduce the Bill.

दि महर्षि दयानन्द यूनिवर्सिटी (अमैंडमैंट) बिल, 1984

Irrigation and Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala): Sir, I beg to move—

That leave be granted to introduce the Maharshi Dayanand University (Amendment) Bill.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ कि–

दि महर्षि दयानन्द यूनिवर्सिटी (अमैंडमैंट) बिल को इन्ट्रोडयूस करने की परमिशन दी जाए ।

श्री हीरा नन्द आर्य (लोहारू) : स्पीकर साहब, इस बिल से संबंधित आर्डिनैंस पर मैंने डिस–एप्रूवल का नोटिस भी दिया था । अध्यक्ष महोदय, मैं समझता हूं कि किसी व्यक्ति विशेष को फायदा पहुंचाने के लिए तथा सस्ता में बने रहने के लिए यह सारी कार्यवाही की जा रही है । जब यू ० जी० सी० के अनुसार पहले ही 65 साल का नियम बना हुआ है तो उसके बाद आज कोई आवश्यकता नहीं रह गई थी कि कोई अमैंडमैंट की जाए । जो समय निर्धारित किया है उसमें

हरद्वारी लाल वाईस चांसलर का नाम लिख देते और अमैंडमैंट कर देते और इसे जनरलाइज करने की जरूरत नही थी ।

श्री अध्यक्ष : आर्य साहब, डिटेल्ड डिस्कशन तो आप बिल की कंसिडेरशन की स्टेज पर कर सकते हैं ।

श्री हीरा नन्द आर्य: मैं यह जानना चाहता हूं कि ऐसे आर्डिनैंस को जारी करने की क्या आवश्यकता थी । इन्होंने जैसे तैसे ब्रूट मैजोरिटी प्राप्त कर रखी है इस कारण से इनके साथियों के पास कोई चारा नही कि वे राजनैतिक समर्थन न करें । अगर आर्डिनैंस की बजाय सीधा बिल लाया जाता तो हो सकता है कि इनके साथी इनको सलाह देते कि इस प्रकार का बिल लाने से कोई फायदा नहीं है । इन शब्दों के साथ मैं इसका विरोध करता हूं तथा आप इनसे कहें कि ये इस बिल को वापिस लें तथा उनको अपने घर जाने के लिए छुट्टी दें ।

श्री मंगल सैन (रोहतक) : स्पीकर साहब, इस बारे में मेरा डिस–एप्रूवल का नोटिस आलरेडी टेबल किया हुआ है । जब प्रौपर स्टेज पर आप मुझे मौका देंगे तो उस समय मैं अवश्य बोलूंगा अब तो यह बिल इन्ट्रोडयूस हो रहा है और इसकी इन्ट्रोडक्शन के खिलाफ हम अपनी आवाज आपके द्वारा उन कानों तक पहुचाना चाहते हैं जो बेखबर हैं या कुछ जाने अनजाने में मजबूर हैं । इन्होंने कानून की मिट्टी प्लीत कर दी । अगर मुख्य मंत्री जी ने इस बारे में थोडा सा भी ध्यान दिया होता तो वे इस बिल को न लाते । इन्होंने जो लफ्ज उनकी शान में हाई कोर्ट में कह रखे हैं उनको ही पढ़ डालें । आप वैसे तो

एक्सटैन्शन देने के बाद 58 साल की ऊमर में रिटायर कर देते हो । 65 साल तो उसके लिये है जो कोई सीजन्ड आदमी है ओर जिन्दगी का तजरबा उसके पास है तथा आप उनको इस्तेमाल करना चाहते हो । स्पीकर साहब, आपने ठीक कहा कि हम तो कमजोर हैं लेकिन जो मर्द मरदान हैं वही यह काम कर दें । आपने पहले तो पाबन्दी लगा दी फिर आप विद्ड्रा कर रहे हैं । स्पीकर साहब, अगर हमें कुछ कहने का' अधिकार नही है तो उसके नाम यूनिवर्सिटी वक्फ कर दें । एम० बी० बी० एस ०, एम० बी ० ए० और भिवानी में बी० टैक के दाखिले के लिए वाईस चांसलर अपनी कार में लड़कों को एडमिशन के लिए लेकर आते हैं । मैरिट लिस्ट बाहर डिसप्ले नही होती है, हरियाणा के नौजवानों की जिन्दगी के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं ।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल) : अध्यक्ष महोदय, किसी वाइस चांसलर के बारे में कहना कि उसने दाखिले में इतनी भारी गड़बड़ की है या और कुछ किया है, ठीक नहीं है । जो आदमी हाउस में अपने आप को खुद डिफैंड नही कर सकता. उसके बारे में ऐसी बात कहना मुनासिब नही है दूसरे, अगर डा० साहब के पास कोई ठोस सबूत हो तो लिख कर भेजे लेकिन वैसे ही वेग एलीगेशन लगाना इनको शोभा नहीं देता । बगैर किसी आधार के आप कोई बात कैसे कह सकते है । (शोर)

श्री मंगल सैन : मैंने कहा है कि दाखिले के मामले में जो हुआ है उसकी इन्कवायरी करवाओ ।

चौधरी भजन लाल : आप सबूत दें कि कहा गड़बड़ हुई है और किस ने की है ।

श्री मंगल सैन : मैं कह रहा हूं कि मैरिट लिस्ट को डिसप्ले नही किया गया, नोटिस बोर्ड ये नही लगाया गया । इस चीज को देखते हुए मैं डाउट करता हूं, आप इसकी इन्क्वारी करवाए। चौधरी भजन लाल जी आप उनको–डिफैंड नहीं कर सकोगे ।

चौधरी भजन लाल : मैं डिफैंड कहां करता हूं । उन्हे तो आपने ही बनाया था । उस वक्त चौधरी देवी लाल मुख्य मंत्री थे और आप उनकी सरकार चलाने वाले कर्ता–धर्ता थे । आपने उनको बनाया था और हमने हटा दिया था । बाद में शुई कोर्ट ने जब कह दिया तब हमने उनको रखा । जो 19 महीने का पीरियड है उसको रैगुलर करने की बात है ।

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहब, जस्टिस दुल्लत अब इस दुनिया में नही हैं । अदालत का, जुडिशियरी का हमें कुछ तो रिगार्ड करना चाहिए । सुरजेवाला जी भी इलजाम लगाते हैं कि रन्होंने भी ऐसा किया है हमने कर दिया तो क्या बुरा हो गया । सुरजेवाला जी आप जस्टिस दुल्लत की फाइडिंग्ज तो पढ़ लीजिये, चौधरी भजन लाल को तो पढ्ने का टाइम नही और वैसे भी इनको पढ्ने में दिक्कत आएगी । आप उनकी फाइडिंग्ज पढ़ लीजिए फिर चाहे एक्सटैन्शन दे दीजिये मैं अपने प्वांयट को इसलिये स्टैरस कर रहा है कि एक आदमी के लिए कानून बदला जा रहा है । किसी क्लास के लिए बदलें या

आयाम के लिए बदलें फिर तो बात समझ में आ सकती है लेकिन एक आदमी के लिए वदला जा रहा है, यह नहीं होना चाहिए । मैं इन्ट्रोडैक्शन की स्टेज पर इस बिल को 'अपोज करना चाहता हूं और चूकि मंत्री महोदय अच्छी कोशियस वाले हैं इसलिये वे इसको वापिस लें ।

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला) : स्पीकर साहब, इस समय बिल की इन्ट्रोडक्शन स्टेज है । यदि इस बिल में कोई टैक्नीकल गलती हो तो उसके बारे में कहा जा सकता है लेकिन मेरे दोनों साथी डा ० मंगल सैन और आर्य साहब ने किसी व्यक्ति विशेष के बारे में पर्सनल बांतें कहने की कोशिश की है । हम इस बिल के जरिए कोई नई बात नहीं करने जा रहे हैं हम तो केवल जो 19 महीने की एक्सटैंशन है उसको रैगुलराइज करने जा रहे हैं । जब इनकी सरकार थी उस समय इन्होंने उनको डर कर वी ० सी ० बनाया था । इन्होंने उस समय पहली दफा की टर्म प्रे ही नहीं बल्कि अगली टर्म के लिए भी लफज लिख दिए । उस सरकार की कामन सैसं तथा अक्ल का वह डाकूमैंट जीता जागता सबूत है । पता नही वह सरकार फंक्शनिंग कैसे करती थी । हम इम बिल के जरिए सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के आदेशनुसार जो 19 महीने की एक्सटैंशन है उसको रेगुलराइज कर रहे हैं उसको कानून की शक्ल दे रहे हैए कोई नई बात नहीं करने जा रहे हैं ।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है कि–

दि महर्षि दयानन्द यूनिवर्सिटी (अमैंडमैंट) बिल को इन्ट्रोडयूस करने की परमिशन दी जाए ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

Irrigation and Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala) : Sir I introduce the Bill.

दि पंजाब सिक्योरिटी आफ लैंड टैन्योर्ज (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 1984

Irrigation & Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala): Sir, I beg to move—

That leave be granted to introduce the Punjab Security of Land Tenures (Haryana Amendment) Bill.

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ है कि–

दि पंजाब सिक्योरिटी आफ लैड टैन्योर्ज (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल को इन्ट्रोडयूस करने की परमिशन दी जाए ।

श्रीमती चन्द्रावती (बाढड़ा): जनाब स्पीकर साहब, यह जो बिल लाया गया है मैं इसका विरोध करने के लिए खड़ी हुई हूं । स्पीकर साहब, अगर आर्मड फौर्सिज का कोई आदमी रिटायर होकर अपने घर पर आता है या उसकी मोर्चे पर डैथ हो जाती है तो उसके लिए इस बिल के द्वारा एक साल की लिमिट की जा रही है कि वह किसी किराएदार से अपना मकान रिटायरमैंट/डिस्चार्ज होने से एक साल पहले खाली करवा सकता है । जनाब स्पीकर साहब, एक साल में

तो वह आदमी अपने परिवार को ही नहीं सम्भाल पाता और यदि मोर्चे पर उसकी डैथ हो जाती है तो उसके बच्चों को यह भी पता नहीं होता है कि उनकी जमीन जायदाद कहाँ पर है । उनके ऊपर इस तरह की लिमिट लगाने की बात बिल्कुल गलत है ।

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, ये बातें तो जब बिल पर डिस्कशन होंगी, उस समय भी कही जा सकती हैं ।

श्रीमती चन्द्रावती : हम ये बातें बिल की इन्ट्रोडक्शन की स्टेज पर भी कह सकते हैं ।

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : इस समय ये बाते कहने का कोई औचित्य नहीं है ।

श्रीमती चन्द्रावती : इस बात का स्पीकर साहब, फैसला करेगे कि मेरी बात का कोई औचित्य है या नहीं ।

श्री अध्यक्ष : मैडम, आप बैठिए । जब बिल पर डिस्कशन होगी उस समय आपको बोलने का समय राशि जाएगा ।

श्रीमती चन्द्रावतीः क्या उस समय आप मुझे बोलने के लिए पूरा टाईम देंगे ।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, आप उस समय बोल लेना । प्रश्न है कि––

दि पंजाब सिक्योरिटी आफ लैंड टैन्योर्ज (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल को इन्ट्रोडयूस करने की परमिशन दी जाए ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

Irrigation & Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala) : Sir, I introduce the Bill.

दि पैप्सू टैनेन्सी एण्ड एग्रीकल्चरल लैंडज (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल 1984

Irrigation & Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala) : Sir, I beg to move—

That leave be granted to introduce the Pepsu Tenancy and Agricultural Lands (Haryana Amendment) Bill.

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ कि––

दि पैप्सु टैनेन्सी एंड एग्रीकल्चरल लैंडज (हरियाणा अमैडमैंट) बिल को इन्ट्रोडयूस करने की परमिशन दी जा त् ।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है कि––

दि पैरसू टैनेन्ती एंड एग्रीकल्चरल लै'डज (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल को इन्ट्रोडयूस करने की परमिशन दी जाए ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

Irrigation & Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala) : Sir, I introduce the Bill.

दि हरियाणा अर्बन डिवेल्पमैंट अथौरिटी (सैकिण्ड अमैंडमैंट) बिल, 1984

Irrigation & Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala) : Sir I beg to move—

That leave be granted to introduce the Haryana Urban Development Authority (Second Amendment) Bill.

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ कि––

दि हरियाणा अर्बन डिवेल्पमैंट अथौरिटी (सैकिण्ड अमैंडमैंट) बिल, को इन्ट्रोडयूस करने की परमिशन दी जाए ।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है कि––

दि हरियाणा अर्बन डिवैल्पमैंट अथौरिटी (सैकिण्ड अमैंडमेंट) बिल को इन्ट्रोडयूस करने की परमिशन दी जाए ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

Irrigation & Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala): Sir, I introduce the Bill.

श्री अध्यक्ष : अब हाउस कल प्रातः 9.30 बजे तक के लिए एडजर्न किया जाता है ।

17.47 बजे

(तत्पश्चात सदन मंगलवार 4 सितम्बर, 1984 को प्रातः 9.30 बजे तक के लिए स्थगित हुआ।